

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 49 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 15 अक्टूबर 2026(गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

यूपी कांग्रेस में गुटबाजी तेज, अजय राय की नाराजगी से बढ़ी नेतृत्व की चिंता



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए अजय राय और महिला कांग्रेस नेता ममता चौधरी के बीच हुए विवाद के बाद पार्टी के भीतर गुटबाजी तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पदभार ग्रहण समारोह के दौरान हुई कहासुनी और मारपीट के आरोपों के बाद अजय राय की नाराजगी सामने आई है। बताया जा रहा है कि वह फिलहाल घर पर हैं और उन्होंने अपना मोबाइल फोन भी बंद कर रखा है। इसी बीच उनके अनुप्रिया पटेल के साथ जाने की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। पार्टी के भीतर बढ़ते तनाव के बीच कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने डैमेज कंट्रोल की कोशिशें शुरू कर दी हैं। वहां उनकी राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात होनी है।

'कहाँ छिप गए हैं तथाकथित गौरक्षक?

नितिन गडकरी की कंपनी और बीफ निर्यातक कंपनी के बीच बिजनेस रिलेशन का सनसनीखेज खुलासा !

गौमाता के नाम पर वोटबैंक और राजनीति चमकाने वाले नेताओं का पर्दाफाशः

धर्म के नाम पर आम जनता को भड़काने वाली मंडलियाँ सत्ताधीशों के करोड़ों के कारोबार को देखकर खामोश क्यों हो गईं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

दिल्ली। देश में जब भी गौरक्षा, गौमाता या गौवंश की बात आती है, तो राजनीतिक मंचों से बड़े-बड़े भाषण दिए जाते हैं। गौरक्षा के नाम पर आम नागरिकों, किसानों और छोटे व्यापारियों पर कानून हाथ में लेकर गुंडागर्दी करने वाली मंडलियाँ सड़कों और गलियों में अचानक सक्रिय हो जाती हैं। लेकिन जब सत्ता के शीर्ष पर बैठे बड़े नेताओं या मंत्रियों की कंपनियाँ बीफ (गौमांस) का कारोबार और उसका निर्यात करने वाली अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के साथ करोड़ों रुपये के बिजनेस रिलेशन और साझेदारी रखती हैं, तब ये तथाकथित गौरक्षक किस बिल में जाकर छिप जाते हैं? यह आज पूरे देश के लिए एक ज्वलंत सवाल बन गया है! नितिन गडकरी की कंपनी और बीफ निर्यातक 'अल्लाना' ग्रुप के बीच कनेक्शन! केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उनके परिवार से जुड़ी कंपनी पूर्ति पावर एंड शुगर लिमिटेड के शेयरहोल्डिंग और निवेश के आंकड़े सामने आए, तो राजनीतिक गलियारों में भारी भूचाल आ गया। दस्तावेजी सबूतों और कॉरपोरेट विवरणों के मुताबिक बीफ और मीट प्रोसेसिंग के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी निर्यातक कंपनी मानी जाने वाली अल्लाना संस / अल्लाना ग्रुप की सहयोगी कंपनियों द्वारा पूर्ति ग्रुप में करोड़ों रुपये का भारी-भरकम निवेश किया गया था। बीफ का निर्यात करके अरबों रुपये कमाने वाली कंपनियों और सत्ताधारी दल के वरिष्ठ नेता की कंपनी के बीच इस वित्तीय लेनदेन और व्यावसायिक संबंधों ने 'गौरक्षा' के बड़े-बड़े दावे करने वाले



शासकों का असली चेहरा देश के सामने लाकर खड़ा कर दिया। धर्म के नाम पर राजनीति और व्यापार के नाम पर करोड़ों की कमाई! एक तरफ गौरक्षा के नाम पर नागरिकों को धार्मिक भावनाओं में भड़काकर वोटबैंक की राजनीति खेली जाती है, तो दूसरी तरफ उसी बीफ का निर्यात करने वाली कंपनियों से अपनी कंपनियों में करोड़ों रुपये का फंड और निवेश हासिल किया जाता है। सवाल यह उठता है कि क्या धर्म, गौमाता और आस्था सिर्फ गरीब और आम जनता के लिए ही है? जब बड़े नेता बीफ का कारोबार करने वाली कंपनियों से हाथ मिलाते हैं या उनके साथ आर्थिक संबंध रखते हैं, तब उनकी धार्मिक आस्था कहाँ गायब हो जाती है?

गौरक्षकों की 'चुनिंदा' खामोशी पर जनता का भारी आक्रोश

आज पूरा देश और जनता यह सवाल पूछ रही है कि छोटी-मोटी बातों पर सड़कों पर उतर आने वाले गौरक्षक संगठन इतने बड़े खुलासे के बाद भी चुप्पी साधे क्यों बैठे हैं? क्या गौरक्षा के नाम पर चलने वाली लड़ाई सिर्फ कमजोर और आम लोगों के खिलाफ ही है? सत्ताधारी नेताओं और उनकी कंपनियों के खिलाफ आवाज उठाने में इन गौरक्षकों के पैर क्यों कांपते हैं?

'महानगर मेट्रो' का सीधा और बेबाक सवाल

'महानगर मेट्रो' न्यूज़ पेपर हमेशा बिना किसी डर के सच को जनता के सामने लाने में विश्वास रखता है। हमारा साफ संदेश है कि गौमाता के नाम पर भ्रम फैलाना और दोहरा रवैया अपनाना अब बंद होना चाहिए। अगर सच में गौवंश के प्रति संवेदना है, तो सत्ताधीशों को अपनी कंपनियों और बीफ निर्यातकों के बीच इन संबंधों पर देश के सामने सफाई देनी होगी–वरना जनता नेताओं के इस पाखंड और दोहरे मापदंडों को भली-भांति पहचान चुकी है!

आजम खान पर एक और एफआईआर, जौहर ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी से जुड़ी वित्तीय गड़बड़ी के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़ी कथित वित्तीय गड़बड़ियों को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक और एफआईआर दर्ज कराई है। ईडी की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर रामपुर के अजीमनगर थाने में यह मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में सरकारी पद के कथित दुरुपयोग, धोखाधड़ी और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से जुड़े आरोप लगाए गए हैं। मामले में आजम खान के अलावा ट्रस्ट, यूनिवर्सिटी की इमारतों के निर्माण से जुड़ी दो कंपनियों और एक अज्ञात व्यक्ति को भी नामजद किया गया है। अजीमनगर थाना प्रभारी के मुताबिक, ईडी के लखनऊ कार्यालय में तैनात डिप्टी डायरेक्टर पीयूष एस. श्रोट ने यह शिकायत दर्ज कराई है।

IPL 2027 से पहले हैदराबाद और दिल्ली के बीच बड़ा ट्रेड, टी. नटराजन की पुरानी टीम में वापसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। आईपीएल 2027 के ऑक्शन से पहले सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली हुई है। मंगलवार को हुए इस सौदे में तेज गेंदबाज टी. नटराजन की हैदराबाद की टीम में वापसी हुई है, जबकि उनके बदले लेग स्पिनर जीशान अंसारी दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ गए हैं। इस ट्रेड के बाद दोनों टीमों के पास आगामी सीजन के लिए अपनी गेंदबाजी इकाई को नए सिरे से तैयार करने का मौका होगा। नटराजन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 5 करोड़ रुपये की संशोधित फीस पर टीम में शामिल किया है। वहीं, जीशान अंसारी दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपनी मौजूदा 40 लाख रुपये की फीस पर खेलेंगे। जीशान आईपीएल 2025 में हैदराबाद की ओर से खेले थे। उन्होंने उस सीजन में 10 मुकाबलों में 6 विकेट हासिल किए थे। टी. नटराजन 2020 से 2024 तक लगातार पांच सीजन सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी यॉर्कर गेंदबाजी और डेथ ओवरों में प्रभावी प्रदर्शन से टीम में खास पहचान बनाई। उनका सबसे सफल सीजन 2024 रहा, जब उन्होंने हैदराबाद के लिए 19 विकेट हासिल किए थे। उस सीजन में वह टीम के सबसे सफल गेंदबाज.



भोपाल में सिटी बैंक में नौकरी करने वाला अब्दुल समी अचानक पुलिस की जांच के रडार पर आ गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजस्थान में पकड़े गए एजाजुल हसन ने पूछताछ के दौरान उसका नाम बताया था। 25 मई 2004 को भोपाल क्राइम ब्रांच ने उसे एक इंटरनेट कैफे से गिरफ्तार किया। वह भोपाल का निवासी होने का दावा कर रहा था। उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसे दस्तावेज थे। वह अब्दुल सलाम के घर रह रहा था और खुद को उसका बेटा बताता था सिटी बैंक में नौकरी करने वाले इस युवक की गर्लफ्रेंड थी और सगाई भी हो चुकी थी, लेकिन पुलिस की नजर में भारतीय पहचान के पीछे एक पाकिस्तानी नागरिक छिपा था।टेलिजेंस को मिली कई अहम जानकारी ई-मेल अकाउंट की जांच में कुछ ऐसी जानकारियां मिलीं, जिनसे जांचकर्ताओं का संदेह बढ़ गया। अकाउंट खोलने पर 'Welcome Mohammad' लिखा दिखाई देता था। इसके इनबॉक्स में दो ई-मेल भी मौजूद थे। अकाउंट बनाने वाले की जानकारी में नाम 'मिस्टर मोहम्मद साबिद', पता पाकिस्तान और पेशा 'चेयरमैन' दर्ज था। रिपोर्ट्स में पासवर्ड का भी जिक्र किया गया था। हालांकि, केवल इन जानकारियों के आधार पर जासूसी नेटवर्क की पुष्टि नहीं की जा सकती थी.



राहुल-प्रियंका गांधी इंडिया गेट पर अंकिता भंडारी के माता-पिता से मिले, न्याय की मांग तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर दिल्ली के इंडिया गेट पर धरने पर बैठे अंकिता के माता-पिता से बुधवार शाम कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने मुलाकात की। परिवार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अपील की है कि मामले की सीबीआई जांच पूरी होने तक दुष्यंत कुमार गौतम की सिक्किम के राज्यपाल पद पर नियुक्ति पर रोक लगाई जाए और नियुक्ति रद्द की जाए। दुष्यंत कुमार गौतम को 12 अक्टूबर को राज्यपाल नियुक्त किया गया था। अंकिता के परिवार का कहना है कि जब तक मामले की जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक ऐसी कोई नियुक्ति नहीं होनी चाहिए, जिससे जांच की निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हों। परिवार ने कथित वीआईपी की पहचान उजागर करने, जांच के सभी पहलुओं की पड़ताल करने और अंकिता को पूर्ण न्याय दिलाने की मांग दोहराई है। परिवार का आरोप है कि हत्याकांड में कथित वीआईपी की भूमिका से जुड़े सवाल अब तक अनुत्तरित हैं। अंकिता की मां सोनी देवी ने कहा कि दुष्यंत कुमार गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाए जाने के बाद परिवार की चिंता और बढ़ गई है। उनके अनुसार, बेटी की हत्या के मामले में जिस कथित वीआईपी को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे जुड़े आरोपों के बीच यह नियुक्ति हुई है। ऐसे में परिवार के सामने सवाल है कि न्याय की गुहार लेकर अब वह किसके पास जाए। सोनी देवी के मुताबिक, परिवार उत्तराखंड से दिल्ली आया है, ताकि इंडिया गेट पर अपनी आवाज उठा सके।



उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उनकी सुनवाई नहीं हुई, लेकिन आम लोगों ने लगातार उनका साथ दिया है। परिवार का मानना है कि जनता के समर्थन से ही मामला इस मुकाम तक पहुंचा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश के लोग आगे भी उनका साथ देंगे और अंकिता को न्याय दिलाने की मांग में सहयोग करेंगे। अंकिता के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी ने जांच की दिशा और अब तक हुई कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। परिवार का कहना है कि हत्याकांड में दोषियों को सजा मिलने के बावजूद कथित वीआईपी की पहचान से जुड़ा सवाल पूरी तरह स्पष्ट नहीं हुआ है। पिता ने जांच एजेंसियों से इस पहलू पर नए सिरे से ध्यान देने की मांग की है।उनके प्रमुख सवालों में कथित वीआईपी की पहचान अब तक सामने नहीं आने, वायरल ऑडियो-वीडियो में लिए गए नामों की जांच, सीबीआई जांच की निगरानी और आरोपों से जुड़े लोगों से पूछताछ जैसे मुद्दे शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट का आदेशः अब रेलवे काउंटर से टिकट लेने पर भी मिलेगा यात्रा बीमा

महानगर मेट्रो ब्यूर

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटर से टिकट खरीदने वाले यात्रियों को भी अब यात्रा बीमा लेने का विकल्प मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रेलवे को इस संबंध में व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया है। यह आदेश 27 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगा। अभी तक रेलवे यात्रा बीमा की सुविधा मुख्य रूप से ऑनलाइन टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को उपलब्ध थी, जबकि काउंटर से टिकट लेने वाले यात्री इस विकल्प से वंचित थे। नई व्यवस्था के बाद ऑफलाइन टिकट लेने वाले यात्रियों को भी ऑनलाइन टिकट की तरह बीमा लेने या नहीं लेने का विकल्प दिया जाएगा। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि सामान्य यात्री बड़ी संख्या में रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटरों से टिकट लेते हैं। ऐसे यात्रियों को भी यात्रा बीमा की सुविधा उपलब्ध कराना जरूरी है। रेलवे को इसके लिए पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन इस दिशा में आवश्यक कदम नहीं उठाए गए। इसी को देखते हुए अब काउंटर से जारी होने वाले टिकटों पर भी बीमा का विकल्प उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है। याचिका में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और यात्रियों की जान-माल की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया था।



इलाहाबाद हाईकोर्ट ने याचिकाएं खारिज कीं, ओबीसी आरक्षण के प्रावधान के तहत ही होंगे चुनाव; विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम पर भी उठे सवाल, सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट जाने का विकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को अहम फैसला सुनाया। अदालत ने राज्य में तीन महीने के भीतर पंचायत चुनाव कराने का आदेश दिया है। साथ ही निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चुनाव होने तक मौजूदा ग्राम प्रधान प्रशासक के रूप में काम करते रहेंगे और उनकी नियुक्ति के लिए जारी शासनादेश वैध है। जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने



करीब तीन घंटे की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत के आदेश के बाद पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर राज्य सरकार के सामने समयसीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी करने की चुनौती है। फैसले के अनुसार, मौजूदा प्रशासक अगले तीन महीने तक अपनी जिम्मेदारियां निभाते रहेंगे। वहीं, राज्य में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी ढांचे और मौजूदा नियमों के अनुसार आगे बढ़ानी होगी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग अपना काम जारी रखेगा और उसकी कार्यवाही में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पंचायत चुनाव की प्रक्रिया आयोग के काम पर निर्भर नहीं रहेगी। चुनाव मौजूदा नियमों और व्यवस्था के तहत कराए जाएंगे तथा आरक्षण से संबंधित प्रावधानों का पालन किया जाएगा। अदालत ने चुनाव प्रक्रिया में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के प्रावधान का पालन करने की बात कही।

नवरात्र में उमड़ रहे रोजाना 40 से 50 हजार श्रद्धालु, 200 से ज्यादा हवन कुंडों में दिन-रात आहुतियां; तीन करोड़ रुपये से अधिक के सोने से दमक रहा गर्भगृह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नलखेड़ा। मध्य प्रदेश के आगर-मालवा जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर लखुंदर नदी के किनारे स्थित मां बगलामुखी मंदिर नवरात्र के दौरान श्रद्धा, साधना और धार्मिक अनुष्ठानों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। चारों दिशाओं में श्मशान और कब्रिस्तान से घिरे इस मंदिर में तांत्रिक साधना का विशेष महत्व माना जाता है। नवरात्र के दिनों में यहां देशभर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में भक्ति और तंत्र साधना का ऐसा संगम देखने को मिल रहा है, जहां दिन-रात हवन और पूजन का क्रम जारी है। मंदिर में मां बगलामुखी की आराधना विशेष रूप से शत्रुओं पर विजय, मुकदमों में सफलता, चुनाव में जीत और सुख-शांति की कामना के लिए की जाती है। मान्यता के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर पूजा-अर्चना और हवन-अनुष्ठान कराते हैं। मंदिर में रोजाना 40 से 50 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही और धार्मिक गतिविधियों के कारण मंदिर परिसर में विशेष रौनक बनी हुई है। मंदिर के गर्भगृह में मां बगलामुखी तीन स्वरूपों में विराजित हैं। मध्य में मां बगलामुखी, दाईं ओर महालक्ष्मी और बाईं ओर मां सरस्वती के दर्शन होते हैं। श्रद्धालुओं के लिए यह त्रिगुण शक्ति स्वरूप विशेष आस्था का केंद्र है। मंदिर का गर्भगृह सोने, चांदी और बहुमूल्य आभूषणों से सुसज्जित है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, गर्भगृह में तीन करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना और करीब 65 लाख रुपये की चांदी व आभूषण हैं, जो मंदिर की धार्मिक भव्यता को दर्शाते हैं। मंदिर के ठीक सामने करीब 80 फीट ऊंची दीपमाला स्थित है, जबकि उत्तर दिशा में भैरव महाराज का स्थान है। मंदिर परिसर की धार्मिक संरचना और उससे जुड़ी मान्यताएं इसे क्षेत्र के प्रमुख आस्था स्थलों में शामिल करती हैं। लखुंदर नदी के किनारे स्थित होने के कारण मंदिर का प्राकृतिक परिवेश भी इसकी विशिष्ट पहचान का हिस्सा है। रात्र के दौरान मंदिर में हवन-अनुष्ठानों का विशेष आयोजन किया जा रहा है। यहां दो विशाल



यज्ञशालाएं हैं, जिनमें 200 से अधिक हवन कुंड बताए जाते हैं। इन कुंडों में दिन-रात आहुतियां दी जा रही हैं। धार्मिक परंपरा के अनुसार, नवरात्र के नौ दिनों तक लगातार हवन करने का विशेष महत्व माना जाता है। इसी कारण यहां अनुष्ठानों का क्रम लगातार जारी रहता है और हवन कुंडों की अग्नि को ठंडा नहीं होने देने की परंपरा का पालन किया जाता है।

जियो प्लेटफॉर्म्स का 21 अक्टूबर से खुलेगा आईपीओ 30 हजार करोड़ जुटाने का लक्ष्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की डिजिटल सेवाओं से जुड़ी कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स का बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक खुलेगा। कंपनी इस निर्गम के माध्यम से करीब 30 हजार करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। आईपीओ के तहत 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 27 करोड़ तक नए शेयर जारी किए जाएंगे। इस लिस्टिंग को भारतीय शेयर बाजार के लिए एक बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि प्रस्तावित आकार के आधार पर यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है। कंपनी की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, बड़े संस्थागत निवेशकों के लिए एंकर निवेशक बोली प्रक्रिया 19 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। इस तरह एंकर निवेशकों को आम निवेशकों के लिए आईपीओ खुलने से दो दिन पहले बोली लगाने का अवसर मिलेगा। आम निवेशक 21 से 23 अक्टूबर तक शेयरों के लिए आवेदन कर सकेंगे। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, जियो प्लेटफॉर्म्स अपने आईपीओ के लिए प्रति शेयर 1,065 से 1,119 रुपये का मूल्य दायरा तय कर सकती है। इस मूल्य दायरे और प्रस्तावित शेयरों के आधार पर कंपनी करीब 30,200 करोड़ रुपये जुटा सकती है। हालांकि, अंतिम मूल्य दायरे और निर्गम से जुड़ी अन्य शर्तों की पुष्टि संबंधित आधिकारिक दस्तावेजों के माध्यम से होगी। यदि प्रस्तावित आकार के अनुसार आईपीओ आता है, तो यह देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम होगा। इससे पहले हुंडई मोटर इंडिया ने वर्ष 2024 में 27,858 करोड़ रुपये का आईपीओ पेश किया था, जो अब तक देश का सबसे बड़ा आईपीओ रहा है। जियो प्लेटफॉर्म्स के निर्गम के साथ इस रिकॉर्ड के टूटने की संभावना जताई जा रही है। आईपीओ में कंपनी ने अपने कर्मचारियों और रिलायंस इंडस्ट्रीज के पात्र शेयरधारकों के लिए भी शेयर आरक्षित रखने की व्यवस्था की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पात्र कर्मचारियों के लिए 500 करोड़ रुपये तक के शेयरों का कोटा निर्धारित किया गया है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के पात्र शेयरधारकों के लिए 2,500 करोड़ रुपये तक के शेयर आरक्षित रखे गए हैं। दोनों श्रेणियों को मिलाकर कुल 3,000 करोड़ रुपये का आरक्षण प्रस्तावित है। स व्यवस्था के तहत पात्र निवेशकों को निर्धारित शर्तों के अधीन संबंधित श्रेणी में आवेदन करने का अवसर मिलेगा।



बनासकांठा में LCB की बड़ी कार्रवाईः फ़िल्मी स्टाइल में पीछा करके पकड़ी शराब से भरी कार, शराब तस्करों में मचा हड़कम्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा/पालनपुर। राजस्थान बॉर्डर से सटे बनासकांठा ज़िले में शराब की घुसपैठ रोकने के लिए बनासकांठा पुलिस ने कमर कस ली है। ऐसे में बनासकांठा LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) टीम ने एक बड़ा और सफल ऑपरेशन करते हुए फ़िल्मी स्टाइल में पीछा करके विदेशी शराब से भरी कार पकड़ी है। LCB टीम ने शराब तस्करों द्वारा शराब की तस्करी के लिए आजमाए जा रहे नए केमिकल और तरकीबों को पल भर में धूल चटा दी है। खास जानकारी और फिल्मी स्टाइल में घेराबंदी मिली जानकारी के मुताबिक, बनासकांठा LCB पुलिस को खास जानकारी मिली थी कि पालनपुर हाईवे से एक संदिग्ध कार में विदेशी शराब ले जाई जा रही है। इस जानकारी के आधार पर LCB टीम ने तुरंत नज़र रखी। जैसे ही शराब से भरी कार दिखी, पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया, लेकिन शराब तस्कर ने रोकने के बजाय तेज़ी से कार भगाने की कोशिश की। LCB के जवानों ने भी बिना किसी हिचकिचाहट के फिल्मी स्टाइल में अपनी गाड़ियों का पीछा करके शराब से भरी कार को चारों तरफ से घेर लिया। कार की तलाशी लेने पर पुलिस को अंदर अलग-अलग ब्रांड की भारी मात्रा में विदेशी शराब की बोतलें मिलीं। पुलिस ने लाखों रुपये की विदेशी शराब, कार और दूसरा सामान ज़ब्त कर लिया है। इसके साथ ही कार में सवार लोगों को मौके पर ही गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने इस बात की पूरी जांच की है कि यह शराब कहां से लाई गई थी और आगे किसे सप्लाई की जानी थी। बॉर्डर एरिया में पुलिस की सख्त चेकिंग वे खाकी के चंगुल से बच नहीं पाएंगे!



नवरात्रि में एक्शन मोड में SOG गरबा की चहल-पहल के बीच, ड्रग माफिया और नशेड़ियों के खिलाफ बड़ा कैंपेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. मां अंबा की पूजा और खिलाड़ियों के महान त्योहार नवरात्रि के दौरान अहमदाबाद शहर में शांति, भाईचारा और सुरक्षा बनाए रखने के लिए, अहमदाबाद सिटी पुलिस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने एक बड़ी ड्राइव बुलाई है। गरबा कल्चर को ड्रग्स के प्रदूषण से बचाने और नशेड़ियों पर कड़ी नज़र रखने के लिए, स्क्वॉड टीम देर रात ग्राउंड ज़ीरो पर उतरकर ज़ोरदार चेकिंग ड्राइव चला रही है पुलिस ने नवरात्रि गरबा वेन्यू की ओर जाने वाले या देर रात सड़कों पर घूमने वाले संदिग्ध लोगों पर नज़र रखी है। अगर किसी व्यक्ति ने किसी भी तरह का नशा या नशीली चीज़ ली है, तो वह अब पुलिस की पैनी नज़र से बच नहीं पाएगा। स्क्वॉड की टीमें एक खास 'सलाइवा किट' से गरबा के शौकीनों और गाड़ी चलाने वालों की मौके पर ही जांच कर रही हैं। कौन सी ड्रग्स ली गई और किस लेवल पर? सभी सवालों के जवाब मिनटों में मिल जाएंगे मॉडर्न टेक्नोलॉजी से लैस यह सलाइवा किट स्पॉट टेस्टिंग के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रही है तुरंत नतीजेः जैसे ही संदिग्ध व्यक्ति का सलाइवा सैंपल लिया जाता है, रिपोर्ट मिनटों में आ जाती है खास जानकारीः इस किट के ज़रिए, किसी व्यक्ति ने किस तरह की ड्रग्स या नशा (जैसे स्क्वड ड्रग्स, चरस, गांजा या दूसरे केमिकल पदार्थ) और कितनी मात्रा में लिया है, इसकी सारी खास जानकारी मौके पर ही मिल जाती है।

शराब और एट्रोसिटी केस में डेढ़ महीने से फरार चल रहा कुख्यात राजाभाई उर्फ ??लालू काशीखंडानी आखिरकार जेल में

महानगर मेट्रो ब्यूर

अहमदाबाद. अहमदाबाद शहर क्राइम ब्रांच ने अब उन कुख्यात लोगों पर शिकंजा कस दिया है जो अहमदाबाद शहर में अपराध कर रहे थे और कानून की आंखों में धूल झोंककर लंबे समय से फरार थे। पुलिस की कड़ी और गहन जांच के बीच, शराब के एक मामले में पिछले डेढ़ महीने से अंडरग्राउंड और कई गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाला दिलेर आरोपी आखिरकार क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ गया है। पुलिस की इस कड़ी कार्रवाई ने अपराधियों की नींद उड़ा दी है मिली सटीक जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजाभाई उर्फ ??लालू काशीखंडानी के रूप में हुई है। इस बदनाम आदमी के खिलाफ पहले भी गैर-कानूनी शराब का धंधा चलाने का जुर्म दर्ज था और वह पुलिस की पकड़ से बचने के लिए पिछले डेढ़ महीने से लगातार फरार चल रहा था। इतना ही नहीं, यह आरोपी सिर्फ शराब के जुर्म तक ही सीमित नहीं था, बल्कि एयरपोर्ट थाना इलाके में उसके खिलाफ मारपीट और एट्रोसिटी एक्ट जैसे बहुत गंभीर जुर्म भी दर्ज थे, जिनमें वह लंबे समय से वॉन्टेड भी था। राजाभाई उर्फ लालू काशीखंडानी के क्रिमिनल इतिहास को देखने से पता चलता है कि वह जुर्म की दुनिया का पक्का खिलाड़ी है। पुलिस बुक में दर्ज डिटेल्स के मुताबिक, इस आरोपी के खिलाफ पहले भी अलग-अलग थानों में मारपीट, शराब और दूसरी गंभीर तरह के 13 जुर्म दर्ज हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अहमदाबाद पुलिस का रुख साफ हो गया है कि अपराधी या कानून तोड़ने वाला कितना भी बहादुर क्यों न हो, वह खाकी के चंगुल से कभी नहीं बच पाएगा।

सूरत में डॉन बनने निकली महिला पुलिस ऑफिसर ने सरेआम गैंगस्टर को पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत. इन दिनों गुजरात की हीरा नगरी सूरत में कुछ युवक और गैंगस्टर सोशल मीडिया पर रील बनाकर या सरेआम धौंस जमाकर खुद को 'डॉन' या 'भाई' साबित करने के लिए पागल हो गए हैं। सूरत की शेरनी जैसी महिला पुलिस ने ऐसे ही एक तथाकथित 'डॉन' को पीटा है जो पुलिस और कानून से बिना डरे खुलेआम आतंक मचाता है! सूरत 'डॉन' बनने का सपना देखने वाला एक गैंगस्टर पुलिस की गिरफ्त में मामले की जानकारी के मुताबिक, सूरत के एक इलाके में एक बेशर्म आदमी जो अपनी अकड़ और रौब दिखाकर और सोशल मीडिया पर झूठी शान फैलाकर आम लोगों में डर पैदा कर रहा था, खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रहा था। उसे लगा कि कानून और पुलिस उस पर नरम पड़ जाएंगे। लेकिन, वह खाकी वर्दी की ताकत का अंदाजा भी नहीं लगा सकता था!

महिला पुलिस ने अच्छा सबक सिखायाः पब्लिक में हवा निकल गई

जैसे ही यह गैंगस्टर अपनी अकड़ दिखाने निकला, सूरत पुलिस की तेज-तर्रार महिला पुलिस ऑफिसर और उनकी टीम तुरंत एक्शन मोड में आ गई। महिला पुलिस ने बिना किसी झिझक के इस बेशर्म आदमी को पब्लिक में घेर लिया। वही आदमी जो कुछ देर पहले अकड़कर घूम रहा था, पुलिस की सख्ती देखकर मौके पर आ गया। पुलिस की सख्त कार्रवाई देखकर तथाकथित 'डॉन' की हवा निकल गई और पब्लिक में उसकी सारी चालें पल भर में धरी की धरी रह गईं! महिला पुलिस की इस आक्रामक कार्रवाई का वीडियो और रिपोर्ट अब पूरे सूरत में चर्चा का विषय बन गया है। सूरत पुलिस कमिश्नर और पूरे पुलिस डिपार्टमेंट की इस मुहिम से आम लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है, वहीं असामाजिक तत्वों में भारी हंगामा मचा हुआ है।

अहमदाबाद रेलवे में शिकायतों का पहाड़ होने के बावजूद सिस्टम चैन की नींद सो रहा है!

6 महीने में 15,045 शिकायतें दर्ज, यात्रियों की परेशानी सामने

कोचों की खराब सफाई, AC-पंखे बंद और मेंटेनेंस के नाम पर कोई चुप्पी नहीं

यात्रियों की मेहनत की कमाई लूटने वाले रेलवे सिस्टम के खिलाफ गुस्से का ज्वालामुखी

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात का दिल और देश के सबसे व्यस्त रेलवे जंक्शनों में से एक माने जाने वाले अहमदाबाद रेलवे स्टेशन और उसके तहत आने वाला रेलवे सिस्टम बड़े विवादों में घिरा रहा है। एक तरफ सरकार बुलेट ट्रेन और मॉडर्न रेलवे स्टेशन बनाने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रही है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत यह है कि आम यात्रियों के लिए रेलवे का सफर किसी टॉर्चर से कम नहीं है। हाल ही में सामने आए सरकारी आंकड़ों ने रेलवे प्रशासन के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके मुताबिक सिर्फ पिछले 6 महीनों में 'रेल मदद' ऐप और पोर्टल पर हैरान करने वाली 15,045 शिकायतें दर्ज की गई हैं! कोच की गंदगी से लेकर खराब फूड-पंखा सिस्टम तकः पैसेंजर जाएं तो जाएं कहां? यात्रियों की ये हजारों शिकायतें किसी छोटी-मोटी बात के लिए नहीं हैं, बल्कि रोज़ाना बेसिक सुविधाओं की कमी को दिखाती हैं

कोच की खराब सफाईः ट्रेन में घुसते ही आपको गंदगी के ढेर, ओवरफ्लो होते डस्टबिन और टॉयलेट में भयानक हालत दिखती है। लंबी दूरी का सफर करने वाले पैसेंजर के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है।

कौन लेगा जिम्मेदारी? यात्रियों के सवालों का जवाब कब मिलेगा?

इतनी बड़ी संख्या में शिकायतें दर्ज होने के बावजूद, AC और पंखे की बड़ी लापरवाहीः गर्मी हो या लापरवाही भरे मौसम में, यह आम बात हो गई है कि ट्रेनों का AC अचानक बंद हो जाता है, पंखा चालू नहीं होता और सफर के दौरान पैसेंजर पसीने से तर हो जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं होती।

मेंटेनेंस और सेफ्टी की कमियांः रेलवे कोच की खराब खिड़कियों, टूटी सीटों और जरूरी सेफ्टी इक्विपमेंट की कमी के कारण पैसेंजर की जान और माल को लगातार खतरा बना रहता है।

पूरी टिकट की कीमत लेने के बाद भी सुविधाएं ज़ीरो क्यों हैं? सवाल यह उठता है कि जब रेलवे सिस्टम यात्रियों से किराए के नाम पर मोटी रकम वसूलता है, तो उन्हें बेसिक सुविधाएं देने में इतनी बेपरवाह क्यों है? सिर्फ कागजों पर सफाई कैंपेन की तस्वीरें खींचने या स्टेशन पर बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाने से यात्रियों की परेशानी कम नहीं होती। 15,045 शिकायतों का आंकड़ा इस बात का सबूत है कि रेलवे अधिकारी और मेंटेनेंस डिपार्टमेंट आंखों पर पट्टी बांधे हुए हैं।



अगर संबंधित रेलवे अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं, तो इससे साफ पता चलता है कि सिस्टम को लोगों की परेशानी से कोई लेना-देना नहीं है। 'पाको गुजरात' अखबार के जरिए हमारा सीधा सवाल रेल मंत्रालय और अहमदाबाद डिवीजन के अधिकारियों से है कि यात्रियों की इस परेशानी की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या सिर्फ ऑनलाइन शिकायतें दर्ज करके फाइलें दबा दी जाएंगी या असल में जमीन पर उतरकर डिब्बों की क्वालिटी और सफाई को बेहतर बनाने के लिए कोई सख्त एक्शन प्लान बनाया जाएगा? अगर समय रहते रेलवे की सुविधाओं में सुधार नहीं किया गया तो यात्रियों का यह गुस्सा हिंसक आंदोलन का रूप लेते देर नहीं लगेगी!

यात्री शिकायतेंः जवाबदेही जरूरी

सफाई, एसी-पंखों और कोचों के रखरखाव से जुड़ी समस्याओं का समय पर समाधान जरूरी है। रेलवे प्रशासन को शिकायतों की कार्रवाई और निस्तारण की स्थिति सार्वजनिक कर यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज और दमन के खिलाफ परेशान स्टूडेंट्स को एक प्लेटफॉर्म दियाः उन्होंने एक 'बड़े भाई' के तौर पर अपना नैतिक कर्तव्य निभाकर इंसाफ की लड़ाई को एक नई रफ्तार दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश के लोकतंत्र और युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे कथित असहनीय बर्ताव के खिलाफ आज दिल्ली की राजनीति में बहुत ही इमोशनल और सनसनीखेज माहौल देखा गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज एक खास प्रेस कॉन्फ्रेंस की और प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रशासन के दमन का शिकार हुए परेशान स्टूडेंट्स को देश के सामने अपनी आवाज उठाने के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे देश के भविष्य युवाओं के चेहरों पर दर्द, डर और गुस्सा देखकर वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। रोते हुए स्टूडेंट्स के रूह कंपा देने वाले सवालप्रेस कॉन्फ्रेंस में, देश भर से आए पीड़ित स्टूडेंट्स ने एक के बाद एक अपनी कहानियां और दर्दनाक अनुभव दे श के सामने रखे। इमोशनल चेहरों और नम आंखों से स्टूडेंट्स ने देश के शासकों और अधिकारियों पर सुलगते सवाल दागे, जिसने पूरे देश को सोचने पर मजबूर कर दिया 'हमें इतनी बेरहमी से क्यों पीटा गया?' 'क्या इस देश में अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना, विरोध करना और सरकार की नीतियों की आलोचना करना हमारा संवैधानिक अधिकार नहीं है? स्टूडेंट्स ने विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के अत्याचार, मानसिक और शारीरिक टॉर्चर का काला सच आंसुओं के साथ सामने रखा। पीड़ित युवाओं का दर्द सुनने के बाद, राहुल गांधी ने सभी स्टूडेंट्स को हिम्मत देकर उनका हौसला बढ़ाया और उनकी लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने का भरोसा दिलाया। डेमोक्रेसी में अपोज़िशन का रोल बहुत ज़रूरी होता है, क्योंकि अपोज़िशन का देश के परेशान नागरिकों पर उतना ही हक होता है जितना रूलिंग पार्टी का। पॉलिटिकल गलियारों में ज़ोरों पर चर्चा चल रही है कि राहुल गांधी ने आज देश के युवाओं के गार्जियन और 'बड़े भाई' होने का अपना नैतिक फ़र्ज़ पूरी लगन से निभाया है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में कैद युवाओं का दर्द, आंसू और निराशा इस देश के मौजूदा हालात के बारे में बहुत कुछ कहती है। अब देखना यह है कि परेशान युवाओं के इन सुलगते सवालों और राहुल गांधी के इस अग्रेसिव रवैये के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज और दमन के खिलाफ परेशान स्टूडेंट्स को एक प्लेटफॉर्म दियाः उन्होंने एक 'बड़े भाई'



के तौर पर अपना नैतिक कर्तव्य निभाकर इंसाफ की लड़ाई को एक नई रफ्तार दी! बाद सरकार और संबंधित अधिकारी इस मामले पर क्या सफ़ाई देते हैं और इन बेगुनाह स्टूडेंट्स को इंसाफ़ मिलता है या नहीं!

मणिनगर अनुपम (स्मार्ट) स्कूल नंबर 1 का भव्य उद्घाटन, बच्चों को मिलेगी हाई-टेक शिक्षा की सौगात

अहमदाबाद में शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में प्राइमरी शिक्षा का लेवल बढ़ाने और गरीब और मिडिल क्लास के बच्चों को प्राइवेट स्कूलों जैसी मॉडर्न सुविधाएं देने के बड़े काम के तहत आज एक बड़ी कामयाबी मिली है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और नगर प्राइमरी एजुकेशन कमेटी, अहमदाबाद के जॉइंट वेंचर से बने नए बने 'मणिनगर अनुपम (स्मार्ट) स्कूल नंबर 1' का आज बड़े धूमधाम और पवित्र माहौल में उद्घाटन किया गया।

बड़े नेताओं और गणमान्य लोगों की प्रेरणा देने वाली मौजूदगी

इस भव्य उद्घाटन के मौके पर अहमदाबाद के मेयर श्री हितेश बारोट, MP श्री दिनेशभाई मकवाना, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन श्री कमलेश पटेल और कई दूसरे सम्मानित गणमान्य लोग खास तौर पर मौजूद थे। प्रोग्राम



के दौरान, मौजूद सभी लोगों ने स्कूल की नई बनी बिल्डिंग, स्मार्ट क्लासरूम और दूसरी एजुकेशनल सुविधाओं का इंस्पेक्शन किया और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर की तारीफ की।

डिजिटल ज़माने में सरकारी स्कूल का 'स्मार्ट' कदम

मणिनगर में शुरू हुआ यह अनोखा स्मार्ट स्कूल सिर्फ़ एक बिल्डिंग नहीं है, बल्कि गरीब और ज़रूरतमंद स्टूडेंट्स के सुनहरे भविष्य की गारंटी है। स्कूल ने बच्चों को डिजिटल बोर्ड, मॉडर्न कंप्यूटर लैब, मज़ेदार गेम्स के साथ पढ़ाई, साफ़ पीने के पानी की सुविधा और एक सुरक्षित माहौल दिया है। यह सरकारी स्मार्ट स्कूल उन पेरेंट्स के लिए एक बड़ी मदद और वरदान साबित होगा जो प्राइवेट स्कूलों की भारी-भरकम फीस नहीं दे पाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव का संकल्प मेयर श्री हितेश बारोट और MP श्री दिनेशभाई मकवाना ने अपने भाषण में कहा कि सिस्टम यह पक्का करने के लिए कमिटेड है कि शहर के हर बच्चे को अच्छी और मॉडर्न शिक्षा मिले। नगर प्राइमरी एजुकेशन कमिटी द्वारा चलाए जा रहे ऐसे स्मार्ट स्कूलों के ज़रिए अब सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का नज़रिया बदल रहा है और ज़्यादा से ज़्यादा पेरेंट्स अपने बच्चों का एडमिशन यहाँ करवा रहे हैं।

हॉस्पिटल के बेड पर इलाज करा रही जयाबेन ठाकोर को हिरासत में लेने के लिए 100 से ज़्यादा पुलिसवाले तैनात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पॉलिटिकल गुस्से और विरोध के बीच एक चौंकाने वाली और शर्मनाक घटना सामने आई है। विरोध का सुर और तेज़ हो गया है क्योंकि नेता जयाबेन ठाकोर, जो बीमारी की वजह से हॉस्पिटल के बेड पर इलाज करा रही हैं, को हिरासत में लेने के लिए 100 से ज़्यादा पुलिसवालों का खाकी काफ़िला हॉस्पिटल में तैनात किया गया था। सत्ता के दम पर आवाज़ दबाने की ऐसी पॉलिसी के ख़िलाफ़ माता-पिता, सपोर्टर और आम जनता में बहुत गुस्सा है। मिली जानकारी के मुताबिक, जयाबेन ठाकोर की तबीयत खराब होने की वजह से हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, उनके ख़िलाफ़ एक्शन लेने या उन्हें हिरासत में लेने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। किसी लाचार या बीमार इंसान के खिलाफ इतने बड़े पैमाने पर पुलिस तैनात करने की कार्रवाई पर कई सवाल उठ रहे हैं। लोग पूछ रहे हैं कि क्या इस हद तक इंसानियत को भूलकर पावर पॉलिटिक्स खेली जा रही है? इस घटना के बाद जयाबेन ठाकोर के समर्थकों और विपक्षी नेताओं में गुस्से की लहर दौड़ गई है। लोकल लेवल पर और सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर रूलिंग सिस्टम की कड़ी आलोचना हो रही है। खाकी के बल पर आवाज दबाने की कितनी भी कोशिश की जाए, लोगों के हक और संघर्ष की यह लड़ाई नहीं रुकेगी। एक तरफ, जब गंभीर अपराध करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ मिसाल कायम करने की बात आती है.

दांता-हदद स्कूलों में मिलने वाले खाने में 'दाल में कुछ काला'?:माता-पिता अपने बच्चों की सेहत से खिलवाड़ होने से परेशान हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। ज़िले के दूर-दराज़ और आदिवासी इलाकों में माने जाने वाले दांता और हदद तालुका के एक सरकारी स्कूल में एक चौंकाने वाला और गंभीर मामला सामने आ रहा है। स्कूल में पढ़ने वाले गरीब और ज़रूरतमंद बच्चों को मिलने वाले मिड-डे मील की क्वालिटी और मेन्यू के पालन पर अब गंभीर सवाल उठने लगे हैं। लोकल लेवल पर हो रही चर्चाओं के मुताबिक, कुछ स्कूलों में बच्चों को सरकार के तय मेन्यू के हिसाब से नाश्ता या लंच नहीं दिया जाता, जबकि कुछ जगहों पर नाश्ता ही न दिए जाने के गंभीर आरोप लगे हैं। कागज़ पर बढ़िया, पेट में अधूराः क्या एजुकेशन सिस्टम सोता हुआ पकड़ा गया? सरकार बच्चों को सही, साफ़ और पौष्टिक खाना मिले, इसके लिए करोड़ों रुपये का बजट देती है। लेकिन चर्चा है कि दांता और हदद तालुका के स्कूलों में हालात बिल्कुल उलटे हैं। कागज़ पर लिखे नियमों के हिसाब से बच्चों को खाना देने के बजाय, घटिया या अधूरा खाना परोसकर खुश हो जाते हैं। ज़िम्मेदार सिस्टम सिर्फ़ कागज़ पर लिखी बातें देखकर खुश हो जाता है, जबकि असल में बच्चे न्यूट्रिशन से महरूम हो रहे हैं बच्चों की सेहत से हो रही इस सीधी छेड़छाड़ के खिलाफ़ अब माता-पिता और जागरूक नागरिकों में बहुत गुस्सा है। यह ज़ोरदार मांग उठी है कि फ़ूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट दांता और हदाद तालुका के सभी सरकारी स्कूलों में बनने वाले खाने की क्वालिटी की तुरंत सरप्राइज़ चेकिंग करे। स्कूलों से खाना और खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाले मसाले, तेल या अनाज के सैंपल लेकर लैब में भेजे जाने चाहिए, ताकि बच्चों को पौष्टिक खाना मिल रहा है या उन्हें ज़हर जैसा घटिया खाना परोसा जा रहा है, उसके दूध और पानी की जांच हो सके। शिक्षा विभाग और मिड-डे मील स्कीम के ज़िम्मेदार अधिकारियों को सिर्फ़ ऑफिस में बैठकर या किताबें चेक करके संतुष्ट नहीं होना चाहिए। अधिकारियों के लिए खुद स्कूलों का दौरा करना, मौके पर जाकर किचन की सफाई, अनाज की मात्रा और बच्चों की थाली में परोसे जा रहे खाने की जांच करना बहुत ज़रूरी हो गया है। तय मेन्यू का पालन न करने वाले या खाने की घटिया क्वालिटी वाले स्कूल या एडमिनिस्ट्रेटर के खिलाफ सख्त कानूनी और डिसिप्लिनरी एक्शन की मांग ने ज़ोर पकड़ लिया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि मासूम बच्चों की सेहत और भविष्य से जुड़े इस बेहद सेंसिटिव मामले को संबंधित विभाग कितनी गंभीरता से लेता है? क्या फ़ूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट और एजुकेशन सिस्टम दंता-हदाद के स्कूलों में सख्त इंस्पेक्शन का तांडव मचाएंगे या वे सिर्फ़ कागज़ों पर ही काम चलाएंगे और पूरे मामले को एक ऐतिहासिक सच्चाई बना देंगे? यह देखना बाकी है।

HPV वायरस क्या है? महिलाओं की हेल्थ के लिए जानलेवा साबित हो रहे इस खतरनाक वायरस को समझना क्यों ज़रूरी है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मॉडर्न लाइफस्टाइल और बदलते समय के बीच हेल्थ को लेकर नई चुनौतियाँ सामने आ रही हैं। हाल के दिनों में मेडिकल साइंस और हेल्थ एक्सपर्ट्स के बीच सबसे ज़्यादा चर्चा में रहने वाला वायरस है - HPV (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस)। यह एक ऐसा वायरस है जो सीधे इंसान की स्किन और म्यूकस मेम्ब्रेन (स्किन के अंदरूनी हिस्से) पर असर डालता है। हालाँकि, इस वायरस के बारे में आम लोगों में अभी भी अवेयरनेस की कमी है, लेकिन इसकी सीरियसनेस को देखते हुए हर नागरिक के लिए इसके बारे में जानना बहुत ज़रूरी हो गया है। HPV वायरस का एक बड़ा ग्रुप है, जिसके 100 से ज़्यादा टाइप (स्ट्रेन) दुनिया भर में मौजूद हैं। यह वायरस ज़्यादातर फिजिकल कॉन्टैक्ट और स्किन-टू-स्किन कॉन्टैक्ट से बहुत तेज़ी से फैलता है। इस वायरस के कुछ टाइप से सिंपल मस्से होते हैं, जबकि कुछ बहुत खतरनाक टाइप से गंभीर हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं। फिजिकल कॉन्टैक्ट से ट्रांसमिशनः यह वायरस एक इंसान से दूसरे इंसान में ज़्यादातर सेक्सुअल कॉन्टैक्ट या बिना सुरक्षा वाले फिजिकल कॉन्टैक्ट से फैलता है। यह वायरस इन्फेक्टेड इंसान की स्किन के सीधे कॉन्टैक्ट से शरीर के दूसरे हिस्सों में भी फैल सकता है। मेडिकल एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सभी तरह के HPV वायरस खतरनाक नहीं होते, लेकिन इनमें से कुछ 'हाई-रिस्क' स्ट्रेन लंबे समय तक शरीर में रहने पर महिलाओं में दूसरे गंभीर कैंसर, जिसमें सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) भी शामिल है, तो यह जानलेवा साबित हो सकता है।

नवरात्रि से ही मीटिंग्स का सिलसिला, चुनाव को ध्यान में रखकर बजट तैयार होने की संभावना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य सरकार ने अगले बजट की तैयारी शुरू कर दी है। फाइनेंस डिपार्टमेंट ने नवरात्रि से ही बजट से जुड़ी मीटिंग्स का सिलसिला शुरू कर दिया है। इन मीटिंग्स में पुराने और नए मामलों पर चर्चा हो रही है। पिछले साल के बजट में घोषित पुराने मामलों पर कितना खर्च हुआ और कौन से मामले अभी भी पेंडिंग हैं, इसका रिव्यू किया जा रहा है। इसके साथ ही, अगले बजट में कौन सी नई स्कीम्स और डेवलपमेंट वाले काम शामिल किए जा सकते हैं, इस पर माइक्रो-प्लानिंग की जा रही है। फाइनेंस डिपार्टमेंट ने राज्य सरकार के सभी डिपार्टमेंट्स को अगले बजट के लिए नए मामले तैयार करने के निर्देश दिए हैं। डिपार्टमेंट्स को अपनी जरूरतों, नई स्कीम्स और अगले साल किए जाने वाले कामों की डिटेल्स तैयार करने को कहा गया है। इन डिटेल्स के आधार पर, इस बात पर विचार किया जाएगा कि बजट में कौन से मामले शामिल किए जाएं और उसके लिए कितना फाइनेंशियल प्रोविजन किया जाए। सरकार आने वाले बजट सेशन को ध्यान में रखते हुए पहले से ही प्लान्ड तरीके से आगे बढ़ रही है। आने वाले विधानसभा चुनावों समेत राजनीतिक हालात को देखते हुए इस बात की भी संभावना है कि बजट चुनाव पर आधारित हो सकता है। हालांकि, बजट में क्या नई घोषणाएं की जाएंगी और किन सेक्टर को प्राथमिकता दी जाएगी, यह साफ़ तौर पर आने वाली मीटिंग में डिपार्टमेंट द्वारा पेश किए जाने वाले प्रस्तावों के बाद ही पता चलेगा।

राज्य के 14,853 उद्योगों को 1,100 करोड़ की मददः संघवी ने एक क्लिक से दिए इंसेंटिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य के उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए, बुधवार (14 अक्टूबर) को गांधीनगर में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी द्वारा 'वन-क्लिक इंसेंटिव डिस्ट्रीब्यूशन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राज्य के 14,853 उद्यमियों के बैंक खातों में सीधे 1,100.19 करोड़ की इंसेंटिव मदद जमा की गई। इस मदद में सबसे ज़्यादा 11,052 छोटे और मध्यम आकार के उद्योग शामिल हैं। सरकार ने इंसेंटिव पाने के लिए बैंक लोन लेने की ज़रूरी शर्त हटा दी है। अब अपनी पूंजी से बिज़नेस शुरू करने वाले उद्यमी भी इंसेंटिव मदद पा सकेंगे। हर्ष संघवी ने कहा कि गुजरात की विकास यात्रा में उद्योगपतियों और व्यापारियों का योगदान अहम है। राज्य सरकार उद्योगपतियों के लिए एक आसान, तेज़ और ट्रांसपेरेंट सिस्टम बनाने के लिए कमिटेड है। नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी के तहत इंसेंटिव पाने के प्रोसेस में 16 कागज़ात और डॉक्यूमेंट्स की ज़रूरत कम कर दी गई है। नतीजतन, पिछले छह महीनों में फाइलों के निपटारे की स्पीड तीन गुना बढ़ गई है। सिंगल-क्लिक पेमेंट के तहत, MSME इंडस्ट्रीज़ की अलग-अलग इंसेंटिव स्कीम्स में 11,052 बेनिफिशियरीज़ को ?444.03 करोड़ की मदद दी गई है। टेक्सटाइल स्कीम्स के तहत 3,591 बेनिफिशियरीज़ को ?290.42 करोड़, बड़ी इंडस्ट्रीज़ के 196 बेनिफिशियरीज़ को ?360.89 करोड़ और दूसरी स्कीम्स के तहत 14 बेनिफिशियरीज़ को ?4.85 करोड़ दिए गए हैं।

गांधीनगर में भरवाड़ यूथ ऑर्गनाइज़ेशन द्वारा आयोजित 'यूथ एम्प्लॉयमेंट स्कीम 2026' में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थिति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। 'सशक्त युवा, समृद्ध समाज और आत्मनिर्भर भारत, यही देश के विकास का सच्चा संकल्प है!' इन सटीक और गहरे विचारों के साथ, गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने गांधीनगर में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम में युवाओं के लिए एक नया रास्ता दिखाया है। गांधीनगर में भरवाड़ यूथ ऑर्गनाइज़ेशन की पहल पर 'यूथ एम्प्लॉयमेंट स्कीम 2026' का शानदार आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने बड़ी संख्या में जमा हुए युवाओं को संबोधित किया और उनका उत्साह बढ़ाया।



रोज़गार और आत्मनिर्भरता से ही समाज आगे बढ़ता है

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि रोज़गार के सही मौके न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाते हैं, बल्कि पूरे समाज की तरक्की का रास्ता भी बनाते हैं। आज के युवाओं में कमाल की शक्ति, ताकत और हिम्मत है। अगर इस युवा शक्ति को सही दिशा और प्लेटफॉर्म मिले, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को पूरा करने की रफ़्तार कई गुना तेज़ हो जाएगी। उन्होंने युवाओं को रोज़गार के साथ सामाजिक उत्थान की इस बेहतरीन और सराहनीय योजना के लिए पूरे भरवाड़ युवा संगठन को दिल से बधाई दी।

युवाओं में उत्साह और संगठन की सक्रियता

गांधीनगर में हुए इस कार्यक्रम में राज्य भर से युवा नेताओं, छात्रों और बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साह से हिस्सा लिया। युवा रोज़गार योजना के तहत युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और रोज़गार के अवसर देने की दिशा में व्यापक चर्चा हुई। सरकार और सामाजिक संगठनों के सहयोग से युवाओं को रोज़गार के अवसर देने के इस अभियान से पूरे गांधीनगर और सहकारी-सामाजिक हलकों में खुशी की भावना फैल गई। ऐसी संगठनात्मक और युवा कल्याण योजनाओं से गुजरात के युवा और अधिक सक्षम बन रहे हैं और देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए तैयार हो रहे हैं।



छोटा उदेपुर ICDS ऑफिस में टूटी और नुकीली टाइलें खतरनाक हो गई हैं, आंगनवाड़ी बहनों और आवेदकों की जान खतरे में है

सरकारी अधिकारियों की बड़ी लापरवाही की इंतहा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। गुजरात सरकार भले ही डिजिटल इंडिया और स्मार्ट गवर्नेंस के बड़े-बड़े दावे कर रही हो, लेकिन अगर ज़मीनी हकीकत देखी जाए, तो यह देखने के लिए काफी है कि सरकारी ऑफिसों की हालत कितनी दयनीय और गैर-ज़िम्मेदार हो गई है। छोटा उदेपुर जिला सेवा सदन (इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज़) ऑफिस में मौजूद बहुत ज़रूरी ICDS सिस्टम की बड़ी बेपरवाही और खराब एडमिनिस्ट्रेशन का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। ऑफिस के अंदर टूटी टाइलें और फ्लोरिंग में बड़े-बड़े छेद कर्मचारियों और आने वाले आवेदकों के लिए मौत का जाल साबित हो रहे हैं! मिली जानकारी के मुताबिक, ICDS ऑफिस के मेन गेट के पास पहले कमरे में फ्लोरिंग की टाइलें काफी हद तक फट चुकी हैं और टूटकर बिखर गई हैं। इस वजह से कमरे में चलने की जगह नहीं है, लेकिन टाइलों के नुकीले और नुकीले टुकड़ों ने खतरनाक स्थिति पैदा कर दी है, जिससे कभी भी गंभीर चोट लग सकती है। सरकारी अधिकारी भले ही हर दिन इसी रास्ते से आते-जाते हों, लेकिन उन्हें यह लापरवाही क्यों नहीं दिखती, यह एक बड़ा सवाल है!

हर दिन आने वाली 40 से 60 आंगनवाड़ी बहनों और आवेदकों के लिए हादसे का खतरा

इस ऑफिस में न सिर्फ सरकारी कागजों का लेन-देन होता है, बल्कि जिले भर से बड़ी संख्या में लोग हर दिन यहां आते हैं

आंगनवाड़ी बहनों की हालतः ग्रामीण इलाकों से अपनी ड्यूटी और काम के लिए आने वाली करीब 40 से 60 आंगनवाड़ी बहनों और टेडागर वर्करों को हर दिन इस ऑफिस में धक्का-मुक्की झेलनी पड़ती है।

आवेदकों की सुरक्षा पर सवालः महिलाएं और आम आवेदक जब इस टूटी-फूटी फ्लोरिंग पर चलते हैं, तो उन्हें फिसलकर गंभीर रूप से घायल होने का



डर सताता रहता है। ऑफिस के अपने कर्मचारी भी इस खतरनाक माहौल में डर के साए में अपनी ड्यूटी करने को मजबूर हैं। ऑफिस की हालत इतने लंबे समय से खराब होने के बावजूद, ज़िम्मेदार अधिकारी चैन की नींद सो रहे हैं। मेंटेनेंस या रिपेयर के नाम पर सिर्फ़ फाइलें घूम रही हैं, लेकिन ज़मीन पर कोई ठोस काम नहीं हो रहा है।

नॉर्थ गुजरात में हेल्थ सर्विसेज़ का एक नया सुनहरा चैप्टरः वडनगर और धारपुर-पाटन सिविल हॉस्पिटल में लेटेस्ट AI-बेस्ड MRI सिस्टम का वर्चुअल इनॉगरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात के हर नागरिक को उनके घर पर वर्ल्ड-क्लास और सटीक मेडिकल सर्विसेज़ देने के संकल्प के साथ, राज्य के हेल्थ डिपार्टमेंट ने एक और बड़ी और ऐतिहासिक छलांग लगाई है। राज्य के हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल्ल पंशेरिया ने आज गांधीनगर से वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि वडनगर में तस्थ्रस्र मेडिकल कॉलेज और पाटन की ऐतिहासिक धरती धारपुर में तस्थ्रस्र हॉस्पिटल में लेटेस्ट स्ब्द्ध सिस्टम का इनॉगरेशन किया। गुजरात के हर नागरिक को उनके घर पर वर्ल्ड-क्लास और सटीक मेडिकल सर्विसेज़ देने के संकल्प के साथ, राज्य के हेल्थ डिपार्टमेंट ने एक और बड़ी और ऐतिहासिक छलांग लगाई है।रू राज्य के हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल्ल पंशेरिया ने आज गांधीनगर से वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि वडनगर में GMERS मेडिकल कॉलेज और पाटन की ऐतिहासिक धरती धारपुर में GMERS हॉस्पिटल में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट ... मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल के मजबूत मार्गदर्शन में, राज्य भर के 14 सरकारी अस्पतालों को 178 करोड़ रुपये की लागत से लेटेस्ट सिस्टम से लैस किया



जाएगा। 178 करोड़ रुपये की भारी लागत से मॉडर्न MRI मशीनें मंजूर की गई हैं, जिसके तहत उत्तर गुजरात के दो बहुत महत्वपूर्ण मेडिकल सेंटरों में यह सेवा जनता के चरणों में समर्पित की गई है।

साध्वी श्री आज्ञानिधि श्रीजी म.सा. से प्राप्त किया आध्यात्मिक मार्गदर्शन, स्थानीय श्रीसंघ ने किया आत्मीय बहुमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मदुराई। मीनाक्षी अम्मन मंदिर और चमेली के फूलों के लिए प्रसिद्ध तमिलनाडु के मदुराई नगर में 14 अक्टूबर को अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद परिवार की ओर से पिछले 12 वर्षों से निरंतर निकाली जा रही 'संयम वंदन यात्रा' का दल पहुंचा। इस अवसर पर यात्रा दल ने श्री सांचा सुमतिनाथ जिनालय में सेवा-पूजन एवं आराधना के पश्चात पुण्यसम्राट गुरुदेव श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरिश्वरजी महाराज के समुदायवर्ती साध्वी श्री आज्ञानिधि श्रीजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा के दौरान साध्वी भगवंतों के प्रवचन श्रवण कर यात्रियों ने धर्म, संयम और क्षमायाचना का संदेश आत्मसात किया। इस अवसर पर सभी ने 'मिच्छामि दुक्कड़म्' कहकर क्षमायाचना की तथा साध्वी भगवंतों के साथ धार्मिक चर्चा कर आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त किया। परिषद के राष्ट्रीय परामर्शदाता एवं मुंबई थराद श्रीसंघ के अध्यक्ष रमेशजी धरू के नेतृत्व में निकाली जा रही इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य साधु-साध्वी भगवंतों के दर्शन-वंदन करना, उनसे आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त करना तथा विभिन्न श्रीसंघों और महात्माओं के समक्ष क्षमायाचना कर धर्म एवं संयम के मार्ग पर आगे बढ़ना है। यात्रा के माध्यम से समाज में धार्मिक जागरूकता, विनय, आत्मशुद्धि और क्षमाभाव की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है।



मदुराई पहुंचने पर स्थानीय श्रीसंघ एवं ट्रस्ट के पदाधिकारियों की ओर से यात्रा दल का आत्मीय स्वागत किया गया। परिषद के यात्रा दल में राष्ट्रीय परामर्शदाता रमेश धरू के साथ भरतभाई लाडू (अहमदाबाद), ब्रजेश बोहरा (नागदा) एवं भरतभाई वोरा (भायंदर) शामिल हैं।

बापोद पुलिस स्टेशन में भाविक सोनी और दो अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है, जिन्होंने 8.28 करोड़ रुपये के सोने के बैग लेकर ठगी की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात की कल्चरल सिटी माने जाने वाले वडोदरा में अब क्राइम की हद इतनी पार हो गई है कि दिनदहाड़े करोड़ों रुपये की ठगी और चोरी हो रही है। एक बहुत ही सनसनीखेज घटना सामने आई है जब वडोदरा के वाघोडिया रोड पर झवेरनगर इलाके में मौजूद 'श्री अंबिका ज्वैलर्स' से करीब साढ़े पांच किलो सोने और कीमती ज्वेलरी से भरा बैग गायब हो गया। 8 करोड़ से ज़्यादा कीमत के सोने की इस चोरी या ठगी से पूरे राज्य के ज्वैलर्स और बिजनेस कम्युनिटी में भारी हंगामा मचा हुआ है। मुंबई के सेल्स मैनेजर के साथ मिलकर रची गई थी सोची-समझी साज़िशमिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई में 'फुगन गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड' नाम की गोल्ड ज्वेलरी की होलसेल कंपनी में सेल्स मैनेजर के तौर पर काम करने वाले 30 साल के हिमांशु महेश जैन, खास तौर पर गोल्ड ज्वेलरी की डिलीवरी करने के लिए मुंबई से वडोदरा आए थे। भाविक सोनी नाम के एक आदमी ने, जिसने दो महीने पहले ही वाघोडिया रोड पर साई गणेश कॉम्प्लेक्स में एक दुकान किराए पर ली थी, बिज़नेस के बहाने अलग-अलग गोल्ड ज्वेलरी का ऑर्डर दिया था। आरोपी भाविक सोनी ने यह गोल्ड ज्वेलरी अपनी देखरेख और देखभाल में दुकान में रखी थी, ताकि सेल्स मैनेजर का पूरा भरोसा जीत सके। उसने 'मुझे खाना है' कहकर चाबी ले ली और बाद में



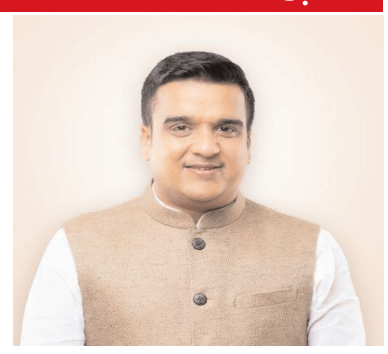
करोड़ों का सोना चुरा लिया! साज़िश के तहत, आरोपी भाविक सोनी ने शिकायत करने वाले हिमांशु जैन को खाना खाने जाने के लिए कहा और दुकान बंद करके दुकान की चाबी अपने पास रख ली। इस बीच, जब सेल्स मैनेजर हिमांशु जैन वॉशरूम गए, जिनकी मार्केट वैल्यू करीब 8 करोड़, 28 लाख, 37 हजार रुपये है!

गरीब किसानों की ज़मीन हड़पने वाले लैंड माफिया पर राज्य सरकार और कानून की कड़ी कार्रवाई

गृह मंत्री किसानों के आंसू पोंछकर उनके हक दिला रहे हैं, जिससे असामाजिक तत्वों में हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट/गांधीनगर। गुजरात में ज़मीन हड़पने वाले या गरीब किसानों को डरा-धमकाकर उनकी प्रॉपर्टी हड़पने वाले लैंड माफियाओं के लिए अब बुरे दिन शुरू हो गए हैं। राजकोट में हुए करोड़ों रुपये के ज़मीन घोटाले और ज़मीन हड़पने के मामले में गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने एक ऐतिहासिक और सही फैसला लिया है। राजकोट के कुख्यात मास्टरमाइंड अल्पेश डोंगा और उसके गैंग द्वारा गैर-कानूनी तरीके से हड़पी गई 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा की ज़मीन असली और पीड़ित किसानों को बिना किसी नुकसान के वापस की जा रही है! राजकोट का मास्टरमाइंड अल्पेश डोंगा और ज़मीन हड़पने का उसका तरीका राजकोट और आस-पास के इलाकों में 'लैंड माफिया' के तौर पर मशहूर अल्पेश डोंगा इस पूरे लैंड माफिया स्कैम का मुख्य आर्किटेक्ट और मास्टरमाइंड है। फर्जी कागज़ात, धमकियों और कानूनी कमियों का इस्तेमाल करके, अल्पेश डोंगा और उसके सिंडिकेट ने किसानों की कीमती ज़मीनों पर गैर-कानूनी तरीके से कब्ज़ा कर लिया। बेगुनाह और लाचार किसान, जिन्होंने सालों की मेहनत की कमाई और विरासत में मिली ज़मीन खो दी थी, इंसाफ के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे थे। जब यह पूरा मामला होम स्टेट मिनिस्टर हर्ष सांघवी तक पहुंचा, तो उन्होंने राजकोट पुलिस और एडमिनिस्ट्रेशन को सख्त और सख्त रवैये के साथ साफ आदेश दिए। पुलिस ने एक खास ऑपरेशन शुरू किया था, जिसकी साफ पॉलिसी थी कि 'राज्य में किसी भी लैंड माफिया को बख्शा नहीं जाना चाहिए और परेशान किसान की एक-एक इंच ज़मीन को उसका हक वापस मिलना चाहिए'। जांच के आखिर में, लैंड माफिया अल्पेश डोंगा के चंगुल से 100 करोड़ रुपये की ज़मीन छुड़ा ली गई है। जैसे ही होम मिनिस्टर हर्ष संघवी ने ज़मीन के कानूनी कागज़ात और कब्ज़ा सीधे किसानों को सौंपा, पीड़ित माता-पिता और



किसानों की आँखों में खुशी के आँसू आ गए। 'ज़मीन हड़पी तो जेल की सलाखों का सामना करना पड़ेगा! अखबार के ज़रिए हमारा सीधा और साफ़ मैसेज है कि गुजरात में अब 'माफ़िया राज' या 'दादागिरी' बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अल्पेश डोंगा जैसे मास्टरमाइंड के खिलाफ़ की गई इस सख्त कार्रवाई से पूरे राज्य के लैंड माफियाओं में भारी हंगामा मचा हुआ है।

बिज़ी हबीपुरा रोड पर बिना निशान वाली सड़क पार करता एक तेंदुआ CCTV में कैद हो गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। वडोदरा ज़िले के डभोई तालुका के ग्रामीण इलाकों में अक्सर जंगली जानवरों के डेरे देखे जाते हैं, लेकिन अब एक बड़ा डर पैदा हो गया है क्योंकि ये जंगली जानवर इंसानी बस्तियों और फैक्ट्रियों के बहुत करीब आ गए हैं। डभोई तालुका के नाडा और मोटा हबीपुरा गांवों को जोड़ने वाली मेन रोड पर एक बहुत बड़ा तेंदुआ घूमता हुआ देखा गया, जिससे पूरे ज़िले के ग्रामीणों, किसानों और इंडस्ट्रियल यूनिट्स के कर्मचारियों में दहशत फैल गई चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, नाडा-मोटा हबीपुरा रोड पर मौजूद मशहूर 'पनेरी कंपनी' के ष्टष्ठञ्जङ्क कैमरे में रात के घने अंधेरे में एक बड़ा तेंदुआ साफ दिख रहा है, जो कंपनी के मेन गेट के सामने से अंधाधुंध सड़क पार कर सामने झाड़ियों की तरफ जा रहा है। यह CCTV फुटेज सामने आने के बाद, यह सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह वायरल हो गया, जिससे पूरे डभोई जिले में डर और चिंता फैल गई। नाडा और मोटा हबीपुरा का पूरा इलाका खेती और इंडस्ट्री से भरा-पूरा इलाका है। कर्मचारियों में डरः डेयरी कंपनी समेत आस-पास की यूनिट्स में नाइट शिफ्ट में काम करने वाले मज़दूरों और कर्मचारियों को अब देर रात आने-जाने में मौत का गंभीर खतरा है। किसानों की हालतः दूसरी तरफ, रात में बिजली आने से खेतों में पानी भरने जाने वाले गरीब किसानों को तेंदुआ के हमले का डर सता रहा है, जैसे वह रात का उल्लू हो। गांव वाले भी रात में घरों से बाहर निकलने में बहुत झिझक महसूस कर रहे हैं।



खड़कवाड़ा के पास एक डंपर पेड़ से टकरा गया, जिसमें बाइक सवार दो होनहार स्टूडेंट्स की मौत हो गई

महानगर मेट्रो ब्यूरोडु

छोटा उदेपुर। 12वीं और 9वीं क्लास के मासूम स्टूडेंट्स की दुखद मौत से पूरे जिले में गुस्सा हैः बेरहम रेत माफिया की ओवरस्पीड गाड़ियों के खिलाफ प्रशासन मूकदर्शक क्यों बना हुआ है? स्कूलों और परिवारों में दुख की लहर पाको गुजरात न्यूज़, छोटा उदेपुर। गुजरात की सड़कों पर बेरहमी से दौड़ रहे ओवरलोडेड और तेज रफ्तार रेत के ट्रक अब मासूम लोगों के लिए मौत का पर्याय बन गए हैं। छोटा उदेपुर जिले से एक बहुत ही चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली दुर्घटना की खबर सामने आई है। छोटा उदेपुर तालुका के खड़कवाड़ा गांव के पास रेत से भरे ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी, जिसमें दो होनहार स्टूडेंट्स की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, छोटा उदयपुर तालुका के कनास गांव के रहने वाले और छोटा उदयपुर के मशहूर एस.एफ. हाई स्कूल में 12वीं कॉमर्स के स्टूडेंट अश्विनभाई रामसिंगभाई राठवा अपने दोस्तों के साथ बाइक पर जा रहे थे। उनके साथ 9वीं क्लास में पढ़ने वाले राठवा दिलारामभाई दीनाभाई भी बाइक पर थे। ये मासूम स्टूडेंट्स खड़कवाड़ा गांव के पास से गुजर रहे थे, उसी समय तेज रफ्तार से आ रहे रेत से भरे ट्रक ड्राइवर ने लापरवाही से बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि मौके पर ही उनकी सांसें थम गईं! लेकिन इलाज के दौरान दिलारामभाई की भी मौत हो गई, जिससे परिवार में दो-दो जवान बेटों की मौत से मातम छा गया।



गांधीनगरः दहेगाम-नरोदा रोड पर बाइक की टक्कर से एक युवक आइसर के नीचे कुचला गया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले में दहेगाम-नरोदा रोड पर शाम को एक हादसा हुआ। साउंड और लाइटिंग डेकोरेशन का काम करने जा रहे दो युवकों को एक अनजान बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों युवक सड़क पर गिर गए। उनमें से मौलिन विनुभाई पटेल डिवाइडर पार करके दूसरी सड़क पर गिर गया। वहां, एक तेज रफ्तार आइसर ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में मौलिन पटेल के बाएं पैर में फ्रैक्चर और सिर में गंभीर चोटें आईं, उसकी हालत नाजुक है। उसके साथ मौजूद सुनील ठाकोर को मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद दोनों ड्राइवर भाग गए। सुनील ने अपने परिवार को बताया और घायलों को दहेगाम सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौलिन को नरोदा के सेल्बी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जबकि सुनील को गांधीनगर सिविल हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई। सुनील ठाकोर ने दोनों ड्राइवरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

शिक्षण व्यवस्था, स्मार्ट क्लास, वोकेशनल लैब और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर का लिया जायजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



बागरा। शिक्षा विभाग पाली के संयुक्त शिक्षा निदेशक अजय कुमार गुप्ता ने 13 अक्टूबर को पीएम श्री राजेंद्र सूरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों के पढ़ाई के स्तर, शिक्षकों की कार्यप्रणाली और उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त शिक्षा निदेशक ने रीडिंग कैंपेन, पीएम श्री विद्यालय गतिविधियों, बालवाटिका, स्मार्ट क्लास, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, कार्यपुस्तिकाओं की जांच और व्यावसायिक प्रयोगशाला की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में चल रहे शिक्षण कार्य को भी देखा और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। इसके साथ ही विद्यालय में स्टाफ और विद्यार्थियों की उपस्थिति, पाठ्यक्रम की प्रगति तथा शिक्षण गतिविधियों के संचालन की स्थिति की समीक्षा की। गुप्ता ने विद्यालय के खेल मैदान, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल सुविधा और शौचालयों की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में उपलब्ध भौतिक संसाधनों और आधारभूत ढांचे का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने तथा विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, पाठ्यक्रम को निर्धारित समय पर पूरा करने और कक्षाओं में प्रभावी शिक्षण गतिविधियां संचालित करने की अपेक्षा जताई। साथ ही विद्यालय में संचालित योजनाओं का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने और शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद संयुक्त शिक्षा निदेशक ने विद्यालय के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने शिक्षा विभाग की प्राथमिकताओं, शिक्षकों के दायित्वों और विद्यालय संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी।

माउंट आबू में गेस्ट हाउस पर जलदाय विभाग की कार्रवाई, अवैध मोटर-बूस्टर जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो



माउंट आबू। अधरदेवी के पास स्थित आर्यवन गेस्ट हाउस पर जलदाय विभाग ने कार्रवाई करते हुए सीधी जलापूर्ति लाइन में अवैध रूप से लगाई गई मोटर और बूस्टर को जब्त कर लिया। विभाग की जांच में गेस्ट हाउस के पास झाड़ियों में छिपाकर रखी गई मोटर चालू मिली। इसके जरिए सीधे सप्लाई लाइन से पानी खींचकर टंकी में भरा जा रहा था। विभाग ने मौके पर कार्रवाई करते हुए मोटर का कनेक्शन काट दिया और गेस्ट हाउस संचालक को पुराने जल कनेक्शन से संबंधित दस्तावेज व बिल लेकर कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, जलदाय विभाग को दो दिन पहले आर्यवन गेस्ट हाउस में सीधी जलापूर्ति लाइन से मोटर लगाकर पानी खींचने की सूचना मिली थी। इसके बाद बुधवार सुबह विभाग की टीम ने संबंधित क्षेत्र में जांच की। जांच के दौरान गेस्ट हाउस के पास झाड़ियों में छिपाकर रखी गई मोटर चालू अवस्था में मिली। मोटर के माध्यम से अवैध रूप से पानी खींचकर टंकी में पहुंचाया जा रहा था। मौके पर साक्ष्य मिलने के बाद विभागीय टीम ने मोटर का कनेक्शन काटा और मोटर-बूस्टर जब्त कर लिए। जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता दिनेश कुमार ने बताया कि दो दिन पहले मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। गेस्ट हाउस संचालक को पुराने जल कनेक्शन से संबंधित दस्तावेज और बिल लेकर विभागीय कार्यालय में आने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि पुराने बिलों के आधार पर नियमानुसार जुर्माना निर्धारित किया जाएगा। साथ ही संचालक को भविष्य में इस तरह की गतिविधि नहीं करने की चेतावनी भी दी गई है। कनिष्ठ अभियंता दिनेश कुमार ने बताया कि सीधी जलापूर्ति लाइन में मोटर लगाकर पानी खींचना गैरकानूनी है और इसे पानी की चोरी माना जाता है।

माउंट आबू में अग्रवाल समाज की आमसभा, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ समाजबंधुओं का सम्मान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। अग्रवाल समाज सेवा संस्थान की ओर से ढूंढाई स्थित अग्रसेन वाटिका में आमसभा आयोजित की गई। इसमें समाज की एकजुटता मजबूत करने, सामाजिक गतिविधियों को विस्तार देने और माउंट आबू के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। संस्थान के कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया तथा नगरपालिका चुनाव में जीत दर्ज करने वाले समाज के जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन किया गया। संस्थान अध्यक्ष पियूष गोयल की अध्यक्षता में आयोजित सभा में समाज के लेखा-जोखा, भविष्य की योजनाओं और सामाजिक गतिविधियों को लेकर सदस्यों ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने समाज के लोगों के कल्याण के लिए मिलकर काम करने तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई। साथ ही माउंट आबू के विकास में अग्रवाल समाज की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। आमसभा के दौरान नगरपालिका चुनाव में निर्वाचित समाज के जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। वार्ड संख्या 20 से निर्वाचित नगरपालिका उपाध्यक्ष विशाल बंसल और वार्ड संख्या 17 से निर्वाचित गीता अग्रवाल को विशेष मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समाजबंधुओं ने दोनों जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए समाज और शहर के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। इसके साथ ही समाज के वरिष्ठजनों को माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजबंधुओं के योगदान को याद करते हुए सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया। बैठक में संस्थान की ओर से किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी गतिविधियों को लेकर सदस्यों से सुझाव लिए गए। वक्ताओं ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर सामाजिक एवं जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाना समय की आवश्यकता है। सामूहिक प्रयासों से समाज की गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने और शहर के विकास में योगदान देने पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम का मंच संचालन संजय अग्रवाल और अभिषेक अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर संस्थान संरक्षक सत्यप्रकाश, महिला मंडल अध्यक्ष गीता अग्रवाल, युवा संघ अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, संजय सिंघल, सभापति राधेश्याम सहित संस्थान के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य और समाजबंधु मौजूद रहे।

मुस्लिम क्रिकेट कप 2026 पर लगान क्रिकेट क्लब का कब्जा, अब्बास इलेवन को 31 रन से हराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहर। शहर के अरविंद पवेलियन में मुस्लिम क्रिकेट कप 2026 का समापन समारोह आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में लगान क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अब्बास इलेवन को 31 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए लगान क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 12 ओवर में 135 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अब्बास इलेवन की टीम निर्धारित ओवरों में 105 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ लगान क्रिकेट क्लब ने प्रतियोगिता की विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। फाइनल मुकाबले में लगान क्रिकेट क्लब की ओर से मोबिन ने 33 रन, इमरान ने 32 रन और सोहेल ने 22 रन का योगदान दिया। इन बल्लेबाजों की उपयोगी पारियों की बदौलत टीम ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अब्बास इलेवन की ओर से इम्तियाज ने 30 रन, शाहरुख ने 22 रन और वसीम ने 13 रन बनाए। हालांकि, टीम लक्ष्य तक पहुंचने में सफल नहीं हो सकी और उसे 31 रन से हार का सामना करना पड़ा।

अतिथियों की मौजूदगी में हुआ समापन समारोह

प्रतियोगिता के समापन समारोह में नगर परिषद सभापति रितु जैन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उपसभापति ईश्वर सिंह ने की। समारोह में खिलाड़ियों के प्रदर्शन और प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल रहा। आयोजन से जुड़े सदस्यों ने प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के सहयोग और खेल भावना की सराहना की। इस अवसर पर राजेंद्र साखला, अब्दुल सादिक, राहुल पुरोहित, पार्षद सलेहा परवीन, अफसाना कोसर, प्रवीण जटोलिया, माहरूफ हुसैन, असलम भाई रंगरेज, इकबाल बलोच, सकिल, वसीम रंगरेज, दिलकश खान, वसीम जय हिंद, मुस्ताक भाई, सदाम हुसैन, सुब्हान खान, सरफराज रंगरेज, मुख्तियार खान, मुजीब खान, नासिर हुसैन, इम्तियाज रंगरेज और कादिर कुरैशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



अंपायरों की भूमिका की सराहना

प्रतियोगिता के मुकाबलों में अंपायर की भूमिका शैतान स्वरूप मीना, भरत धवल, फिरोज और निकिल ने निभाई। आयोजन कमेटी के सदस्यों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले अतिथियों, खिलाड़ियों, अंपायरों और सभी सहयोगियों का आभार जताया। मुस्लिम क्रिकेट कप 2026 का समापन फाइनल मुकाबले में लगान क्रिकेट क्लब की जीत के साथ हुआ।

कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन खारिज होने के बाद मुकाबले में अकेली बचीं ममता राजपुरोहित

पाली जिला परिषद वार्ड 21 से भाजपा की ममता राजपुरोहित निर्विरोध निर्वाचित

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पाली। जिला परिषद चुनाव में वार्ड संख्या 21 से भाजपा प्रत्याशी ममता राजपुरोहित निर्विरोध निर्वाचित हो गई हैं। कांग्रेस प्रत्याशी ममता देवी का नामांकन जांच के दौरान खारिज होने के बाद इस वार्ड में कोई अन्य प्रत्याशी मैदान में नहीं बचा। ऐसे में मतदान से पहले ही वार्ड संख्या 21 का परिणाम तय हो गया। निर्विरोध निर्वाचित होने पर सांसद सेवा केंद्र में भाजपा पदाधिकारियों ने ममता राजपुरोहित का बहुमान कर उन्हें बधाई दी। जानकारी के अनुसार, वार्ड संख्या 21 से भाजपा की ममता राजपुरोहित और कांग्रेस की ममता देवी ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन खारिज कर दिया गया। बताया जा रहा है कि नामांकन खारिज होने का कारण निर्धारित आयु संबंधी पात्रता पूरी नहीं होना है। हालांकि, इस संबंध में निर्वाचन विभाग के आधिकारिक आदेश से कारण की पुष्टि होना बाकी है। कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन निरस्त होने के बाद वार्ड में केवल भाजपा प्रत्याशी ममता राजपुरोहित ही शेष रह गईं। इसके चलते उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान मतदान से पहले ही परिणाम सामने आने से यह वार्ड चर्चा में आ गया है। भाजपा पदाधिकारियों ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए ममता राजपुरोहित का अभिनंदन किया।

जिला परिषद के 33 वार्डों में 151 प्रत्याशियों ने भरे नामांकन

पाली जिला परिषद के 33 वार्डों के लिए मंगलवार को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। निर्धारित समय तक कुल 151 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र जमा करवाए। इनमें भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी शामिल हैं। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्वाचन विभाग ने प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच की। जांच के दौरान वार्ड संख्या 21 में कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन खारिज होने से भाजपा प्रत्याशी के निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया। अब जिले के शेष वार्डों में चुनावी मुकाबले को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज रहेंगी। विभिन्न वार्डों में प्रत्याशियों के बीच होने वाले मुकाबले और चुनावी समीकरणों पर सभी की नजरें टिकी हैं।

पीएम श्री स्कूल बागरा का जेडी ने किया औचक निरीक्षण, शिक्षण व्यवस्था से लेकर सुविधाओं तक परखी हकीकत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में बंदियों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। जेल में बंद विचाराधीन बंदी कमलेश उर्फ गोलू के साथ दंडित बंदी सोनू उर्फ बंटी पर मारपीट करने का आरोप लगा है। बताया गया है कि पानी की बोतल भरने से इनकार करने पर विवाद शुरू हुआ, जिसके बाद आरोपी ने कमलेश के साथ मारपीट की। घटना को लेकर 13 अक्टूबर को लालकोठी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।रूलालकोठी थाना इंचार्ज श्याम सुंदर के अनुसार, शिकायतकर्ता कमलेश उर्फ गोलू पुत्र मुन्नालाल टोंक के कोतवाली थाना क्षेत्र का निवासी है और वर्तमान में जयपुर सेंट्रल जेल में बंद है। कमलेश ने अपनी शिकायत में बताया कि 8 अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे वह जेल परिसर में शौचालय के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान सोनू उर्फ बंटी वहां पहुंचा और उससे पानी की बोतल भरकर देने के लिए कहा। शिकायत के मुताबिक, कमलेश ने जब बोतल भरने से इनकार कर दिया तो सोनू उर्फ बंटी ने उसके साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके आधार पर 13 अक्टूबर को लालकोठी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। जेल परिसर के भीतर बंदियों के बीच हुई इस घटना को लेकर पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। फिलहाल मामला दर्ज होने के बाद पुलिस की ओर से आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जोधपुर आयुर्वेद यूनिवर्सिटी में छात्राओं से यौन प्रताड़ना का मामला, आरोपी प्रोफेसर की इंस्टाग्राम चैट सामने आई

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जोधपुर। जोधपुर की आयुर्वेद यूनिवर्सिटी में छात्राओं के साथ कथित अश्लीलता और यौन प्रताड़ना के मामले में आरोपी बर्खास्त प्रोफेसर की इंस्टाग्राम चैट सामने आने के बाद मामला गंभीर हो गया है। छात्राओं की ओर से पुलिस को सौंपी गई चैट में परीक्षा में पास कराने का भरोसा देकर मिलने का दबाव बनाने, कपड़ों और शारीरिक बनावट पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने तथा कथित तौर पर करियर बर्बाद करने की धमकी देने से संबंधित संदेश सामने आए हैं। मामले में छात्राओं ने आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी प्रोफेसर को गिरफ्तार किया था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी उसे बर्खास्त कर दिया है छात्राओं की ओर से पुलिस को दी गई इंस्टाग्राम चैट में आरोपी प्रोफेसर पर एक छात्रा को उसकी ड्रेस और आंखों को लेकर संदेश भेजने का आरोप है। चैट के अनुसार, आरोपी ने छात्रा से दोस्ती करने की इच्छा जताते हुए कहा कि कॉलेज में किसी को इसकी जानकारी नहीं होगी। साथ ही परीक्षा की चिंता नहीं करने और उसे पास करवाने का भरोसा देने की बात भी सामने आई है। छात्राओं का आरोप है कि आरोपी प्रैक्टिकल परीक्षा में पास कराने का भरोसा देकर उन पर व्यक्तिगत रूप से मिलने और बाहर जाने का दबाव बनाता था। विरोध करने पर परीक्षा में पास या फेल करने की अपनी कथित ताकत का हवाला देता था। चैट में छात्रा को टॉपर बनाने और परीक्षा में पास कराने का भरोसा देने वाले संदेश भी बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2026 में प्रैक्टिकल परीक्षा से जुड़ी फाइल दिखाने के दौरान आरोपी ने एक छात्रा पर कथित तौर पर भद्दी टिप्पणियां की थीं। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसकी आंखों और शारीरिक बनावट को लेकर आपत्तिजनक बातें कहीं। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर जबरन उसका मोबाइल लेकर फोन नंबर और इंस्टाग्राम आईडी हासिल कर ली। छात्रा के मुताबिक, इसके बाद सोशल मीडिया के माध्यम से उसे परेशान किया जाने लगा। आरोप है कि आरोपी उसे अपने केबिन में बुलाता था और शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालता था। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी उससे अपने कमरे पर चलने और मिलने की बात कहता था। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने कथित तौर पर अपनी पहुंच और प्रभाव का रौब दिखाते हुए धमकियां दीं। पीड़िता के अनुसार, आरोपी खुद को प्रिंसिपल का करीबी बताकर अपनी ताकत का हवाला देता था। आरोप है कि वह परीक्षा में पास या फेल करने की क्षमता होने की बात कहकर छात्राओं पर दबाव बनाता था। छात्राओं की शिकायत के मुताबिक, आरोपी उन्हें चेतावनी देता था कि विरोध करने पर उनका करियर खराब किया जा सकता है। इंस्टाग्राम चैट में भी परीक्षा में पास कराने और छात्रा को टॉपर बनाने का भरोसा देने से संबंधित संदेश सामने आने की बात कही गई है। एक अन्य बातचीत में प्रैक्टिकल में पास कराने के लिए पैसे मांगने से संबंधित संदेश होने का दावा किया गया है। हालांकि, इन आरोपों और चैट में सामने आई बातचीत के संबंध में अंतिम निष्कर्ष जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगा।

टोंक में बजरी लीज की आड़ में निजी खेतों में अवैध खनन का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



टोंक। बरवास गांव के पास बनास नदी क्षेत्र में बजरी लीज की आड़ में निर्धारित सीमा से बाहर जाकर निजी खातेदारी जमीनों पर अवैध खनन करने का आरोप सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि लीज धारक की ओर से उनकी उपजाऊ जमीनों पर एलएनटी और जेसीबी मशीनें चलाकर दिन-रात बजरी निकाली जा रही है। इससे खेतों में बड़े-बड़े हो गए हैं और कृषि योग्य जमीन लगातार खराब हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस स्थिति से उनकी संपत्ति और आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। मामले को लेकर स्थानीय मेहंदवास थाने और खनिज विभाग के अधिकारियों को लिखित शिकायत दी गई है, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। इससे खातेदारों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बजरी खनन की लीज निर्धारित क्षेत्र तक सीमित है, लेकिन इसकी आड़ में निजी खातेदारी जमीनों तक मशीनें पहुंचाई जा रही हैं। खेतों में भारी मशीनों से खनन किए जाने के कारण जमीन की प्राकृतिक स्थिति बिगड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जिन खेतों से उनकी आजीविका चलती है, वहां गहरे हो जाने से भविष्य में खेती करना भी मुश्किल हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर निजी जमीनों पर हो रहे कथित अवैध खनन को तत्काल रुकवाने की मांग की है। शिकायतकर्ता जयपुर निवासी प्रेमसिंह पुत्र ज्ञानसिंह गुर्जर ने बताया कि बनास नदी के किनारे उनकी खातेदारी जमीन है। उनका आरोप है कि बजरी लीज धारक निर्धारित सीमा से बाहर जाकर उनकी जमीन पर खनन कर रहा है। इससे खेतों को नुकसान पहुंच रहा है और उपजाऊ भूमि खराब हो रही है।

दिल्ली में एनएसयूआई प्रदर्शन के दौरान महिला पुलिसकर्मी और रितु बराला के बीच मारपीट

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मंगलवार को दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रदर्शन के दौरान विवाद हो गया। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रीय सचिव रितु बराला और एक महिला पुलिसकर्मी के बीच बस में मारपीट हुई। घटना के बाद कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली पुलिस के व्यवहार पर नाराजगी जताई और प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार का मुद्दा उठाया। रितु बराला राजस्थान के झुंझुनूं की रहने वाली हैं और राजस्थान विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति में सक्रिय रही हैं। बुधवार को राहुल गांधी के साथ आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने प्रदर्शन के दौरान अपने साथ हुई घटना के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान राहुल गांधी ने रितु की ओर इशारा करते हुए उन्हें 'शेरनी' बताया। जब उनसे पूछा गया कि घटना के दौरान उन्हें डर लगा था या नहीं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें डर नहीं लगा। रितु बराला ने आरोप लगाया कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें बसों में बैठा दिया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें सड़क पर घसीटा गया। रितु के मुताबिक, उन्होंने पुलिसकर्मियों से कहा कि जितना मारना है, मार लो, लेकिन वे अपने विरोध से पीछे नहीं हटेंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में रितु ने आरोप लगाया कि जब वे बस से बाहर निकलने की कोशिश कर रही थीं, तब महिला पुलिसकर्मी चंचल यादव ने उनका गला जोर से दबाया और उन्हें पीछे की ओर धक्का दिया। इससे वह गिर गईं। उन्होंने दावा किया कि पुलिसकर्मी ने उन्हें नाखूनों से नोचा और थप्पड़ मारा। इसके बाद उनके बाल पकड़कर बस में आगे-पीछे खींचा गया। रितु ने यह भी आरोप लगाया कि कनॉट प्लेस के पास बस रोककर उन्हें और एक अन्य युवती को सड़क पर घसीटा गया तथा शरीर के संवेदनशील हिस्सों पर मारा गया। उन्होंने दावा किया कि थाने ले जाने के दौरान भी उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और पैरों पर डंडे मारे गए। प्रदर्शन के बाद पुलिस रितु बराला को हिरासत में लेकर बस से ले जा रही थी। इसी दौरान बस में उनकी एक महिला पुलिसकर्मी के साथ बहस हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। घटनाक्रम के अनुसार, दोनों ने एक-दूसरे के बाल खींचे और हाथापाई की। इस दौरान लात-घूंसे चलने की बात भी सामने आई। बस में प्रदर्शनकारी और पुरुष पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। दोनों के बीच काफी देर तक खींचतान और मारपीट होती रही। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। रितु बराला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कथित मारपीट के दौरान उन्हें राजनीतिक नेतृत्व को लेकर भी ताने दिए गए। उनके अनुसार, महिला पुलिसकर्मी ने उनसे पूछा कि उनका नेता राहुल गांधी अब कहां है। रितु ने दावा किया कि उन्हें धमकाने के अंदाज में नेता बनने को लेकर भी टिप्पणी की गई।

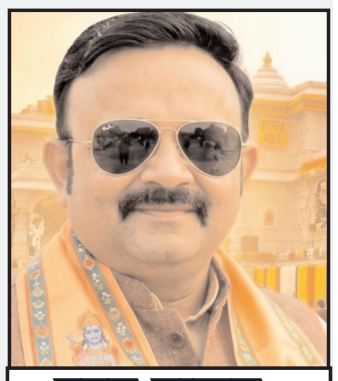
अजमेर में महिला ने दुष्कर्म, मारपीट और ब्लैकमेलिंग के लगाए आरोप, 6 साल से परेशान करने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। अजमेर जिले में एक महिला ने दुष्कर्म, मारपीट, ब्लैकमेलिंग और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि मुख्य आरोपी उसे करीब छह साल से परेशान कर रहा है और विरोध करने पर उसे तथा उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकियां देता है। महिला ने आरोपी पर अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने और निजी फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर बदनाम करने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि 11 अक्टूबर की रात वह एक धार्मिक स्थल से प्रसाद लेकर घर लौटी थी। उस समय परिवार के कुछ सदस्य घर के बाहर बैठे हुए थे। इसी दौरान कुछ लोग कथित तौर पर नशे की हालत में वाहन लेकर वहां पहुंचे और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला के अनुसार, इस दौरान उसकी बेटी के पेट पर लात मारी गई और बाल पकड़कर उसे जमीन पर गिरा दिया गया। शोर-शराबा सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी बाहर आए तो आरोपियों ने कथित तौर पर उनके ऊपर वाहन चढ़ाने का प्रयास किया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने परिवार के सदस्यों को जान से मारने की कोशिश की। पीड़िता के मुताबिक, हमले के दौरान परिवार के सदस्य अपनी जान बचाने के लिए घर के अंदर चले गए।

सम्पादकीय

क्या लोग खुद देशद्रोही हैं या सत्ता के नशे में खाकी वर्दी वालों की आंखों पर पट्टी बंधी है?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

इस देश में जब भी यह आम आदमी, खाने-कमाने वाला किसान या मजदूर अपने हक के लिए आवाज उठाता है, तो सिस्टम उसे देश का दुश्मन क्यों मानकर गिर जाता है? सवाल यह है कि क्या आजाद भारत में डेमोक्रेसी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गई है और जब कोई सच्चा नागरिक अपने हक की मांग करता है, तो उसे क्रिमिनल बनाने की साजिश रची जाती है? आज हर जागरूक नागरिक के मन में एक ही सवाल गूंज रहा है: पुलिस इस मामले में हमेशा लोगों के साथ क्यों नहीं होती? क्या इस देश में अपने हक के लिए लड़ना जुर्म हो गया है?

आज हालात इतने खराब हो गए हैं कि जब लोग अपने ही बेसिक हक के लिए सड़कों पर उतरते हैं, तो उन पर लाठियों से हमला किया जाता है, आंसू गैस छोड़ी जाती है और उन्हें सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है। जनता को कभी धूप में या ठंड में सड़कों पर नारे लगाने का शौक नहीं होता, लेकिन जब नाइंसाफी की हदें पार हो जाती हैं, तो उसे अपनी आवाज़ उठाने पर मजबूर होना पड़ता है खेतों और किसानों की लड़ाई: जब अन्नदाताओं के हरे-भरे खेतों में उनकी इजाज़त के बिना ज़बरदस्ती बिजली के खंभे लगाए जाते हैं, और किसान अपने गुज़ारे के लिए विरोध करते हैं, तो पुलिस अन्नदाताओं को देशद्रोहियों की तरह घेर लेती है! स्मार्ट मीटर और पानी के मीटर का अत्याचार: जब घरों में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने और सबसे ज़रूरी पानी के लिए भी मीटर लगाने के काले कानून लाए जाते हैं ताकि गरीब और मिडिल क्लास की जेबें खाली हो जाएं, तो विरोध करने पर जनता को डराया-धमकाया जाता है।

रोज़गार पर सरकारी बुलडोज़र: सुबह से शाम तक छोटी-मोटी लॉरी और ठेले चलाकर अपने परिवार का पेट पालने वाले गरीबों के काम-धंधे एक झटके में उखाड़ दिए जाते हैं, और जब वे अपनी रोज़ी-रोटी के लिए विरोध करते हैं, तो खाकी वर्दी वाले उनके सामने लाठियां भांजते हैं! बेटियों के लिए इंसाफ़ और महिलाओं की सुरक्षा: जब देश की बेटियों पर जुल्म होता है, रेपिस्ट सत्ता के दम पर खुलेआम सड़कों पर घूमते हैं, और जब जनता या औरतें इंसाफ़ के लिए आवाज़ उठाने सड़कों पर उतरती हैं, तो पीड़ितों को इंसाफ़ देने के बजाय, पुलिस टाटा काफ़िले लेकर उनकी ही आवाज़ दबाने पहुँच जाती है! झोपड़ियों और आशियानों की लड़ाई: जब बड़े-बड़े उद्योगपतियों और भ्रष्ट नेताओं की मिलीभगत से गरीबों के सिर से छत छीनकर झोपड़ियों पर बुलडोज़र चला दिया जाता है, तो क्या अपने आशियाने के लिए लड़ने वाले लोग इस देश के नागरिक नहीं हैं? क्या उन्हें जीने का हक़ नहीं है? तिरंगा लेकर निकलने वाले देशभक्तों पर लाठीचार्ज क्यों होता है? जब भी इस देश में महंगाई बेकाबू हो जाती है, तो आम लोग पेट्रोल-डीज़ल में असहनीय मिलावट और अंधाधुंध कीमतों में बढ़ोतरी के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाते हैं, सरकार और प्रशासन लोगों के साथ क्यों नहीं खड़े होते? जब देश का युवा शांति से संविधान की रक्षा और उसके सही पालन के लिए हाथों में तिरंगा लेकर आंदोलन करता है, तो उन्हें देशद्रोही कहकर जेल में डाल दिया जाता है! आज यह कहते हुए दुख हो रहा है कि जब जनता गुंडे नेताओं, भ्रष्ट लोगों और बलात्कारियों के खिलाफ आवाज उठाती है, तो सिस्टम और पुलिस सिस्टम उन्हीं भ्रष्ट नेताओं को बचाने के लिए लोहे की ढाल बनकर खड़े हो जाते हैं। जिन लोगों के टैक्स से पूरी सरकारी मशीनरी और नेताओं की गाड़ियों का पेट्रोल भरता है, आज उन्हें अपराधी के तौर पर देखा जा रहा है। यह ज्यादती और अन्याय कब तक चलता रहेगा? आज की जनता अब चुप रहकर दर्शक बनकर नहीं बैठना चाहती। जनता का सीधा और साफ सवाल है: क्या इस लोकतांत्रिक देश में अपने हक के लिए आवाज उठाना गुनाह है? क्या पुलिस सिर्फ सत्ता की गद्दी पर बैठे लोगों को गुलाम बनाने के लिए है या इस देश के लोगों की रक्षा के लिए? अगर समय रहते इन अन्यायपूर्ण और दमनकारी नीतियों को नहीं बदला गया, तो लोगों का यह अंदर का गुस्सा एक दिन ज्वालामुखी की तरह फूटेगा और सत्ता के नारे लगाने वालों की कुर्सियां ??हिला देगा! अब समय आ गया है कि खाकी वर्दी और सिस्टम अपनी आँखें खोलें और लोगों के दुश्मन बनने के बजाय उनके सच्चे रक्षक बनें!



रिश्ता खत्म होने पर प्यार नहीं, सम्मान बचाए रखना ही सच्ची परिपक्वता है

रिश्ते में साथ रहना आसान है, लेकिन रिश्ता खत्म होने के बाद भी सामने वाले व्यक्ति के लिए सम्मान बनाए रखना एक अत्यंत कठिन और दुर्लभ सद्गुण है। कोई व्यक्ति एक दिन अचानक अजनबी नहीं बन जाता। एक समय ऐसा होता है जब वह व्यक्ति हमारे दिन की शुरुआत का कारण होता है, हमारे दुखों की दवा होता है, हमारी खुशियों का साथी होता है और जीवन का सबसे करीबी व्यक्ति होता है। लेकिन जीवन हमेशा हमारी इच्छा के अनुसार नहीं चलता। कभी परिस्थितियां बदलती हैं, कभी विचार बदलते हैं, कभी रास्ते अलग हो जाते हैं और कभी प्यार होने के बावजूद रिश्ते को आगे ले जाना संभव नहीं रहता। उस समय सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होता कि 'रिश्ता क्यों टूटा?' सबसे बड़ा सवाल यह है कि 'रिश्ता टूटने के बाद हम कैसे इंसान बनते हैं?' जो हाथ कभी साथ देने के लिए जुड़े थे, वे रिश्ता टूटते समय पत्थर उठाने के लिए इस्तेमाल नहीं होने चाहिए। रिश्ते का अंत चाहे जैसा भी हो, लेकिन आखिरी अध्याय हमेशा सम्मान के साथ लिखा जाना चाहिए।

रिश्ता टूटने का मतलब यह नहीं कि सब कुछ गलत हो गया

किसी रिश्ते का अंत होने पर यह मान लेना अपरिपक्वता है कि उस रिश्ते में बिताया गया हर पल गलत था। एक समय उस व्यक्ति ने हमें हंसाया था, संभाला था, प्रोत्साहित किया था और शायद जीवन के किसी मुश्किल समय को पार करने में मदद की थी। आज रास्ते अलग हैं इसलिए बीते कल के खूबसूरत पलों पर कड़वाहट का रंग चढ़ाने की जरूरत नहीं है। रिश्ते का अंत पूरी कहानी को गलत साबित नहीं करता; वह केवल एक अध्याय पूरा करता है। जीवन के लंबे सफर में कई मुसाफिर मिलते हैं। कुछ स्टेशनों तक बातें होती हैं, साथ चाय पी जाती है और बेहतरीन समय बीतता है। जब सामने वाले का स्टेशन आता है तो वह उतर जाता है। कोई अपना स्टेशन आने पर उतर जाए तो हम उस पर क्रोधित नहीं होते या उसकी आगे की यात्रा खराब होने की ईर्ष्या नहीं करते; हम सफर के अच्छे पलों को याद रखते हुए अपनी आगे की यात्रा शांति से जारी रखते हैं। जब रेत मुट्ठी से फिसलने लगे, तो मुट्ठी को और जोर से भींचने से रेत रुकती नहीं, उल्टे हाथ में दर्द होता है। जब कोई व्यक्ति जीवन से जाने लगे, तो उसे जबरदस्ती बांधने या बदला लेने की भावना से पछाड़ने के बजाय, हाथ खोलकर जाने देने में ही दोनों की भलाई है।

रिश्ता टूटते समय सबसे आसान रास्ता सामने वाले पर 'धोखेबाज' का लेबल लगा देना है। लेकिन हर अंत धोखे से नहीं होता। कभी-कभी दो अच्छे इंसान भी एक-दूसरे के लिए सही साथी नहीं बन पाते। कभी दोनों की दिशा, प्राथमिकताएं या जीवन मूल्य अलग होते हैं। दो रास्ते अलग होने का मतलब यह नहीं कि एक रास्ता गलत ही था।

टूटा हुआ कांच यदि जमीन पर पड़ा रहे और आप उस पर गुस्से से लात मारें, तो खून आपके ही पैर से निकलेगा। टूटे हुए रिश्ते की कड़वाहट को बार-बार नफरत के साथ याद करना, कांच पर बार-बार पैर मारने जैसा है। समझदारी इसी में है कि उस कांच को एक तरफ रखकर अपना रास्ता बदल लिया जाए।

जो बातें कभी विश्वास के साये में बांटी गई थीं, वे रिश्ता खत्म होने के बाद भी पवित्र अमानत रहनी चाहिए। निजी बातों को सार्वजनिक करके पाई गई तालियां क्षणिक होती हैं, लेकिन चरित्र पर लगा दाग स्थायी रहता है।

बदला लेने की सस्ती मानसिकता न रखें। 'मैं उसे बर्बाद करके दिखाऊंगा' या 'मैं उसे देख लूंगा' जैसे विचार आंतरिक कमजोरी को दर्शाते हैं। आपकी सच्ची प्रगति किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं, बल्कि खुद को ऊपर ले जाने के लिए होनी चाहिए। जिसे पीछे छोड़ दिया है, उसे हराने में ऊर्जा बर्बाद नहीं करनी चाहिए।

किसी को सुनाने के लिए स्टेटस लगाना या ताने भरी पोस्ट करना यह साबित करता है कि आप अभी भी मानसिक रूप से वहीं अटके हुए हैं। सबसे बड़ा और प्रभावशाली जवाब शब्द नहीं, बल्कि गरिमापूर्ण मौन है।

रिश्ता खत्म होने का मतलब यह नहीं कि गलती सिर्फ आपकी ही थी, यह मानकर डिप्रेशन में न जाएं। आत्म-चिंतन जरूरी है, लेकिन आत्म-दंड विनाशकारी है। रिश्ते के अंत को 'शोक' नहीं, 'सीख' बनाएं जीवन में आने वाला हर व्यक्ति जीवन भर रहने नहीं आता। कोई साथ देने आता है, कोई सिखाने आता है, तो कोई हमें अपनी खुद की कीमत समझाने आता है। इसलिए रिश्ता खत्म होने पर केवल यह न सोचें कि 'मैंने क्या खोया?', एक बार यह भी सोचें कि 'इस अनुभव ने मुझे कैसे अधिक परिपक्व बनाया?' किसी के प्रति बैर, ईर्ष्या या नफरत रखना, अपने दिमाग में उस व्यक्ति को मुफ्त में पेंटहाउस किराए पर देने जैसा है। क्षमा करके आगे बढ़ने का अर्थ यह है कि आप अपने मन की मूल्यवान जगह अपनी खुशी और प्रगति के लिए खाली कर रहे हैं। सामने वाला शायद कभी माफी मांगने नहीं आएगा, न ही वह आपकी पीड़ा समझेगा। हर सवाल का जवाब मिलना जरूरी नहीं होता; कभी-कभी



खुद से स्वीकार की गई 'शांति' ही सबसे अच्छा पूर्णविराम होती है।

यदि रिश्ता न बच सके तो भी संस्कार बचाए जा सकते हैं। प्यार न रह सके तो भी आपसी सम्मान बनाए रखा जा सकता है। व्यक्ति जीवन से दूर हो जाए तो भी उसके साथ बिताए गए अच्छे पल और मिला हुआ सबक हमेशा प्रेरणादायक बन सकता है।

रिश्ते का टूटना आपके व्यक्तित्व का अंत नहीं है, बल्कि रिश्ते के अंत के बाद आप जो गरिमा, संयम और शांति बनाए रखते हैं, वही दुनिया के सामने आपके सच्चे चरित्र का प्रमाण है।

दर्शना पटेल(नेशनल मेडलिस्ट)
(नेशनल अवार्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर।

'लड़कियों का मायके जाना



वैसे तो हर लड़की का उसके लिए बहुत खास होता हैं,पर कुछ लड़कियां जम्मदारियों के चलते मायके में ज्यादा रुक नहीं सकती हैं, उन्हें अपना बचपन जीने के लिए एक या दो दिन का ही वक्त मिलता है, उस दो दिन में वो लड़की चाहती है कि वो खुल कर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो कर जिये वो दो दिन वो बेफिक्र हो कर रहना चाहती हैं,

उसे लगता है कि ये दो दिन सिर्फ उसके है,

और यही दो दिन उस लड़की के दुख का कारण भी बनते है ,

क्योंकि वो इन दो दिनों को खुद का समझ लेती हैं ,

भाई मां सब उस लड़की से नाराज होते है, उन्हें लगता हैं की ज्यादा रुकती ज्यादा साथ रहती तो अच्छा होता,

आती हैं घूमती हैं सबसे मिलती जुलती हैं ओर दो दिन खतम हो जाते है, और कभी एक दिन ज्यादा रुकने का कोई कहे तो भी जिम्मेदारी को ओर अपने घर से दिए हुए टाइम का मान रखने के हुए उसे सबको नाराज करके जाना ही होता हैं,

वो अपनी जिम्मेदारी तो संभाल लेती हैं, पर मायके का प्यार दुलार खो देती हैं , सिर्फ उसके पापा के रहने तक हीं उसे कोई कुछ नहीं कहता हैं,

इसीलिए मायके जाओ तो दो नहीं चार दिन के लिए जाओ जिसमें से दो दिन अच्छी बेटी बन कर घर में रहो और दो दिन अपना बचपन अपनी जिंदगी खुल कर जियो। दो दिन के लिए जाने वाली बेटी वहां भी या तो फर्ज निभा ले या खुल कर खुद को जिये। सिर्फ काम से एक दो दिन जाने वाली बिटिया भी बुरी लगती हैं, कह दिया जाता है कि ये तो बस अपने काम करने आती हैं ओर चली जाती हैं,पर ये कोई भी सोचता कि दो दिन वो खुद को ओर बचपन को जीने आती हैं!

मेरठ के विवादित 'ब्लू ड्रम' मर्डर केस में पत्नी मुस्कान और प्रेमी साहिल को मौत की सज़ा

उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के बहुत ही सेंसिटिव 'ब्लू ड्रम' मर्डर केस में, जिसने पूरे देश में सनसनी मचा दी थी, कोर्ट ने ऐतिहासिक और कठोर फैसला सुनाया है। मार्च 2025 में हुए इस बेहद क्रूर और गंभीर जुर्म में मेरठ डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने अपराधियों पर कोई रहम न दिखाते हुए पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को मौत की सज़ा (डेथ पेनाल्टी) की सज़ा सुनाई है।

कानून के हथौड़े ने आखिरकार इस पापी जोड़े को करारा सबक सिखाया है, जिन्होंने मर्चेंट नेवी में काम कर रहे अपने पति सौरभ राजपूत की बेरहमी से हत्या कर दी थी और उसके शरीर के अंगों को नीले प्लास्टिक के ड्रम में डालकर उस पर सीमेंट डाल दिया था।

क्या था पूरा चौंकाने वाला मर्डर?

घटना की जानकारी के मुताबिक, मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत को रास्ते से हटाने की एक खतरनाक साज़िश रची थी। जब सौरभ लंदन से घर लौटा, तो उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश कर दिया गया था। इसके बाद मुस्कान और साहिल ने बेरहमी से उसकी हत्या कर दी।

जुर्म के सबूत हमेशा के लिए मिटाने के इरादे से दोनों आरोपियों ने सौरभ की बॉडी के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। बॉडी के टुकड़ों को एक बड़े नीले प्लास्टिक के ड्रम में डालकर उस पर सीमेंट और रेत का मिक्सचर भर दिया गया ताकि बदबू न आए और किसी को कभी शक न हो।

13 महीने का ट्रायल और 22 गवाह: कानून के शंखनाद के सामने साजिश नाकाम

पुलिस ने गहरी जांच के बाद मार्च 2025 में ड्रम से सीलबंद बॉडी बरामद की और मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार कर लिया। करीब 13 महीने तक चली कानूनी लड़ाई, 126 से ज़्यादा सुनवाई और 22 सरकारी गवाहों की गवाही के बाद कोर्ट ने इस केस को 'रेयरेस्ट ऑफ़ रेयर' बताया। सभी साइंटिफिक, फोरेंसिक और हालात के सबूतों को देखते हुए डिस्ट्रिक्ट जज अरविंद कुमार मिश्रा की कोर्ट ने मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को इंडियन पीनल कोड की धारा 302 के तहत दोषी ठहराते हुए मौत और जुर्माने की सज़ा सुनाई।

समाज के लिए एक बड़ा संदेश: पाप कितना भी चालाक क्यों न हो, न्याय की जीत होती है

जिस पाप ने अपने पति के शरीर के टुकड़े करके गुनाह छिपाने के लिए उसे ड्रम में सीमेंट कर दिया था, उसी ने आज उसे फांसी के तख्ते तक पहुंचा दिया है। पीड़ित परिवार और मृतक सौरभ की मां ने इस ऐतिहासिक फैसले के लिए न्यायपालिका का शुक्रिया अदा किया है। कानून से कोई नहीं बच सकता; पाप छिपाने के लिए सीमेंट कितना भी मजबूत क्यों न हो, न्याय का हथौड़ा हमेशा उससे ज्यादा मजबूत साबित होता है!

भाषणों में 'No.1' बनाने की बात करने वाले शासकों ने चुपचाप भारत को वर्ल्ड बैंक के कर्ज़ में सबसे आगे क्यों रखा?

चुनावी मंचों से देश को नंबर-1 बनाने के खोखले दावे और ज़मीन पर इंटरनेशनल कर्ज़ का बढ़ता बोझ: जनता की आँखों में धूल झोंककर देश के भविष्य को गिरवी रखने का खेल क्यों चल रहा है? महानगर मेट्रो न्यूज़ जब देश के सबसे बड़े शासक चुनाव या विधानसभा के मंचों पर माइक लेते हैं, तो उनकी बातों का फोकस हमेशा एक ही होता है - 'जिस राज्य या देश में हमने कदम रखा है, उसे दुनिया का नंबर-1 बना देंगे!' विकास के आसमानी पुल, गेट-ब्रिज बनाना और बड़ी-बड़ी इमारतों के झूठे वादे करना नेताओं की पुरानी आदत बन गई है। लेकिन इन मंचों की चमक-दमक और तालियों के पीछे एक ऐसा भयानक और कड़वा सच छिपा होता है, जो आम जनता को कभी नहीं बताया जाता। एक तरफ़ जनसभाओं में देश को 'विश्व गुरु' और 'नंबर-1' बनाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ़, इंटरनेशनल संस्थाओं से चुपचाप अरबों रुपए का भारी-भरकम लोन लेकर भारत ग्लोबल लेवल पर सबसे बड़े कर्जदारों की लिस्ट में सबसे आगे आ गया है! बड़ी-बड़ी बातों की आड़ में इंटरनेशनल कर्ज का जाल! आज ग्लोबल आंकड़े और आर्थिक रिव्यू इस बात की गवाही देते हैं कि देश के विकास के नाम पर सिर्फ़ कर्ज का आकार बढ़ाया जा रहा है। अगर वर्ल्ड बैंक और दूसरे इंटरनेशनल फाइनेंशियल संस्थानों से लिए गए लोन के डेटा का एनालिसिस किया जाए, तो पता चलता है कि देश के खजाने पर कितना ज़्यादा फाइनेंशियल बोझ पड़ चुका है। 34 बिलियन डॉलर से ज़्यादा के बकाया लोन और कर्ज के साथ भारत आज ग्लोबल लेवल पर वर्ल्ड बैंक का सबसे बड़ा कर्जदार बन गया है! सवाल यह उठता है कि अगर देश की इकॉनमी सच में इतनी मज़बूत है और विकास का झंडा हर दिन लहरा रहा है, तो फिर फंड जुटाने के लिए इंटरनेशनल बैंकों के दरवाज़े खटखटाने की नौबत क्यों आ रही है? क्या बड़े पैमाने पर एडवरटाइजिंग और पब्लिसिटी की कमी को पूरा करने के लिए विदेशी कर्ज पर यह निर्भरता बढ़ रही है? लोगों के खून-पसीने की कमाई का इनकम टैक्स कहां जाता है? दिन-ब-दिन बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल की आसमान छूती कीमतों और त्रस्त्र ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। आम आदमी अपनी मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा टैक्स के रूप में सरकारी खजाने में देता है। इसके बावजूद अगर देश के सिर पर इंटरनेशनल कर्ज का पहाड़ बढ़ता जा रहा है, तो लोगों के ये करोड़ों-अरबों रुपये कहां जा रहे हैं? क्या यह सब सिर्फ नेताओं की प्रोपेगैंडा मशीनरी और उद्योगपति दोस्तों के खजाने भरने का घर है? भाषणों के इस भ्रामक जाल से बाहर निकलने का समय आ गया है। 'महानगर मेट्रो' अखबार के जरिए हमारा सीधा सवाल यह है कि सिर्फ बयानबाजी और भाषणों की चमक-दमक से देश की इकॉनमी मजबूत नहीं होती। जब देश की आने वाली पीढ़ियां इस भारी विदेशी कर्ज के बोझ तले दब जाएंगी, तो क्या 'नंबर-1' की बात करने वाले ये नेता जवाब देने के लिए आगे आएंगे? जनता को अब विकास के दिखावे और दिखावे के बीच का फ़र्क समझना होगा। बल्कि आम नागरिकों के जीवन स्तर में दिखना चाहिए–नहीं तो देश को चुपचाप कर्ज़दार बनाकर नंबर-1 बनाने का यह खेल जनता ज़्यादा दिन बर्दाश्त नहीं करेगी!



आश्रम स्कूलों में बच्चों के हक का फ़ायदा कौन उठा रहा है? उन्हें पानी जितनी पतली सब्ज़ी और पत्थर जितनी रोटी खिलाकर किसके पाप छिपाए जा रहे हैं?

जब कोई छोटा सा मासूम बच्चा, अपना घर-परिवार छोड़कर, अच्छे भविष्य की उम्मीद में आश्रम स्कूल के डाइनिंग हॉल में बैठता है, और उसे सिर्फ़ पानी जितनी पतली सब्ज़ी और ऐसी सख्त रोटी परोसी जाती है जिसे तोड़ा भी नहीं जा सकता, तो एक सवाल पूरे सिस्टम और समाज के वजूद को हिला देता है: इन बच्चों का हक, उनकी थाली का खाना किसने खाया है?!

आज यह साफ़ होता जा रहा है कि गुजरात के आदिवासी, दूर-दराज़ और पिछड़े इलाकों में चल रहे आश्रम स्कूल, पढ़ाई-लिखाई और संस्कार की जगह होने के बजाय, कुछ भ्रष्ट एडमिनिस्ट्रेटर, बिचौलिए और गैर-ज़िम्मेदार अफ़सरों की कमाई का ज़रिया बन गए हैं। सरकार गरीब और पिछड़े तबके के बच्चों के रहने, खाने और पढ़ाई के लिए करोड़ों रुपये की ग्रांट मंजूर करती है। लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि बच्चों के नाम पर आने वाला पौष्टिक खाना कागज़ों पर हड़प लिया जाता है और बच्चों को सिर्फ़ कुपोषण, तकलीफ़ और लाचारी मिलती है। कागज़ पर पौष्टिक खाने की गुलाबी बातें, थाली में सिर्फ़ तकलीफ़! सरकार की पॉलिसी और नियमों के मुताबिक, आश्रम स्कूलों में बच्चों को काफ़ी दूध, ताज़े फल, पौष्टिक अनाज, हरी सब्ज़ियाँ और साफ़ पीने का पानी मिलना ज़रूरी है। लेकिन ज़्यादातर आश्रम स्कूलों में एडमिनिस्ट्रेटिव मिलीभगत और करप्ट सिस्टम की वजह से बच्चों को मुश्किल से दो टाइम का खाना मिल पाता है:

पानी वाली सब्ज़ियाँ: ऐसी सब्ज़ियाँ जो सब्ज़ियों में आलू या सब्ज़ी ढूंढने पर भी नहीं मिलतीं, सिर्फ़ मिर्च और हल्दी वाला उबला हुआ पानी मासूम बच्चों को दिया जाता है।

पत्थर जैसी सख्त रोटी: रोटियाँ बहुत घटिया और सड़े हुए आटे से बनती हैं, जिन्हें छोटे बच्चे दाँतों से भी नहीं तोड़ सकते!

न्यूट्रिशन की पूरी कमी: जिस उम्र में बच्चों को फिजिकल और मेंटल डेवलपमेंट के लिए प्रोटीन और विटामिन की बहुत ज़रूरत होती है, उन्हें आधा भूखा रखकर उनके भविष्य के साथ खतरनाक छेड़छाड़ की जा रही है।

सरकारी ग्रांट कहाँ गायब हो जाती है? ट्रस्टी और बाबुओं की मिलीभगत! सवाल यह है कि अगर राज्य सरकार आश्रम स्कूलों के लिए करोड़ों रुपये का बजट देती है, तो इन बच्चों की थाली से रोटी का टुकड़ा कौन छीन रहा है? इसके पीछे एक बड़ा और ऑर्गनाइज़्ड स्कैम चल रहा है।

सस्ता और घटिया क्वालिटी का अनाज खरीदकर, असली बिल में बड़े-बड़े आंकड़े दिखाए जाते हैं।

किचन की सफाई और खाना बनाने के सामान के नाम पर आने वाला पैसा जेब में चला जाता है। शिक्षा और आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी जो समय-समय पर इंस्पेक्शन के लिए आते हैं, वे सिर्फ़ गाड़ियों में आते हैं, कागज़ पर 'सब कुछ बढ़िया है' लिखकर अपनी ज़िम्मेदारी से बच निकलते हैं! क्या इस देश के गरीब और आदिवासी बच्चों को इंसान की तरह जीने और पौष्टिक खाना पाने का हक़ नहीं है? क्या उनके हक़ का खाना लूटकर अपनी तिजोरियां भरने वाले भ्रष्ट लोग कभी खुश नहीं होंगे?

अब गांधीनगर के सेंसिटिव सिस्टम के सामने आवाज़ उठाने का समय आ गया है!

यह मामला सिर्फ़ एक-दो स्कूलों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राज्य में आश्रम स्कूलों की दयनीय हालत का चिंताजनक आईना है। अगर इस अमानवीय और भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ अभी मज़बूत आवाज़ नहीं उठाई गई, तो यह जुल्म करने वाला सिस्टम हमारे लाखों बच्चों का भविष्य अंधेरे में धकेल देगा।

, शिक्षा विभाग और आदिवासी विकास विभाग के अधिकारियों से सीधी और ज़ोरदार मांग है:

1. राज्य के सभी आश्रम स्कूलों में सरकारी टीमों द्वारा सरप्राइज़ चेकिंग की जाए।
2. इस्तेमाल होने वाले खाने और अनाज के सैंपल लेकर लैब में भेजे जाएं।
3. बच्चों के अधिकारों को नज़रअंदाज़ करने वाले भ्रष्ट एडमिनिस्ट्रेटर, ट्रस्टी और अधिकारियों के खिलाफ़ तुरंत FIR दर्ज की जाए और उन्हें जेल भेजा जाए! यह लड़ाई तब तक नहीं रुकेगी जब तक आदिवासी और गरीब बच्चे को उसकी थाली में इज़्ज़तदार और पौष्टिक खाना न मिल जाए!

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (गुरुवार)
15 अक्टूबर 2026

ग्रेटर नोएडा वेस्टः 21वीं मंजिल से गिरकर हर्षित लवानिया की मौत, पत्नी से चल रहा था विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। हाउसिंग सोसाइटी में 21वीं मंजिल की बालकनी से नीचे उतरने के दौरान पैर फिसलने से 31 वर्षीय हर्षित लवानिया की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि हर्षित का अपनी पत्नी से लंबे समय से विवाद चल रहा था और घटना के समय पत्नी फ्लैट पर पहुंची थीं.



ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित बिसरख थाना क्षेत्र की सेंचुरियन पार्क ट्रॉपिकल गार्डन सोसाइटी में 21वीं मंजिल से गिरकर 31 वर्षीय हर्षित लवानिया की मौत हो गई. किराए के फ्लैट में अकेले रहने वाले हर्षित की शादी वर्ष 2024 में हुई थी और पत्नी से विवाद के कारण दोनों पिछले करीब छह महीने से अलग रह रहे थे. घटना के दिन जब पत्नी सुरक्षा कर्मियों के साथ फ्लैट पर पहुंचीं, तो अंदर से दरवाजा न खोलने पर हर्षित बालकनी के रास्ते नीचे उतरने की कोशिश करने लगे, इसी दौरान पैर फिसलने से यह हादसा हो गया. जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम हर्षित की पत्नी अचानक उनके फ्लैट पर पहुंचीं और दरवाजा खटखटाया. हर्षित ने दरवाजा नहीं खोला क्योंकि उन्हें आशंका थी कि विवाद हो सकता है. इसके बाद पत्नी सुरक्षा कर्मियों को साथ लेकर आईं और दरवाजा खुलवाने का प्रयास करने लगीं. इसी दौरान हर्षित ने बालकनी से निकलकर नीचे की मंजिल के रास्ते बाहर जाने की कोशिश की, तभी अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के तुरंत बाद सोसाइटी के लोग घायल हर्षित को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. सूचना मिलने पर हर्षित के पिता अमिताभ लवानिया व अन्य परिजन मौके पर पहुंचे. परिजनों के मुताबिक, पत्नी से चल रहे विवाद के कारण हर्षित मानसिक तनाव में थे. बिसरख कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है.फिलहाल, पुलिस हर्षित की पत्नी से भी बातचीत कर रही है और सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके. पुलिस का कहना है कि अभी तक इस मामले में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है.

कक्षा 6 की पायल दीक्षित बनीं डीएम, IAS की कुर्सी पर बैठकर जानिए क्या-क्या लिए फैसले

महानगर मेट्रो ब्यूर

लखनऊ। कक्षा छह में पढ़ने वाली पायल दीक्षित एक दिन के लिए जिलाधिकारी बनीं. मिशन शक्ति अभियान के तहत उन्होंने जनसुनवाई में छह फरियादियों की शिकायतें सुनीं. जमीन पर कब्जे, अतिक्रमण, जाम, सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण और आवास से जुड़े मामलों पर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार निस्तारण के निर्देश दिए गए. जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने पायल को पौधा देकर सम्मानित किया. एक दिन के लिए ही सही, लेकिन कक्षा छह में पढ़ने वाली पायल दीक्षित को ऐसा मौका मिला, जो उसके लिए जिंदगी का यादगार अनुभव बन गया. कक्षा 6 में पढ़ाई करने वाली पायल जब जिलाधिकारी की कुर्सी पर बैठीं, तो उनके सामने किताबों के बजाय लोगों की समस्याएं थीं. जनसुनवाई में पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें रखीं और पायल ने उन्हें सुना. इसके बाद संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए. मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित इस पहल में उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपरगांव की छात्रा पायल दीक्षित को एक दिन के लिए प्रतीकात्मक जिलाधिकारी बनाया गया. इस दौरान उन्होंने छह फरियादियों की समस्याएं सुनीं. शिकायतों में जमीन पर कब्जा, अतिक्रमण, जाम, सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण और आवास से जुड़े मामले शामिल थे. जिलाधिकारी की कुर्सी पर बैठने के बाद पायल के सामने अलग-अलग समस्याएं लेकर फरियादी पहुंचे. किसी ने जमीन पर कब्जे की शिकायत रखी, तो किसी ने अतिक्रमण और जाम की समस्या बताई. तारण करने के निर्देश दिए गए.



यूपी के पशुधन भर्ती घोटाले में रिटायर्ड IAS योगेश कुमार अरेस्ट, सपा सरकार में थे प्रमुख सचिव



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। वर्ष 2014 में हुई पशुधन प्रसार अधिकारी भर्ती में कथित घोटाले के मामले में बुधवार को बड़ी कार्रवाई हुई है। ईओडब्ल्यू ने तत्कालीन प्रमुख सचिव (पशुधन) और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी योगेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। टीम ने गोमती नगर स्थित उनके आवास से पकड़ा। इस मामले में जांच एजेंसी पहले ही 25 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। तत्कालीन पशुधन मंत्री राज किशोर सिंह के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति की फाइल शासन स्तर पर लंबित है।यह भर्ती सपा सरकार के कार्यकाल में 1198 पशुधन प्रसार अधिकारियों के पदों के लिए कराई गई थी। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1005 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देकर नियुक्तियां भी दे दी गई थीं। बाद में भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठे और 34 अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद मामले की जांच शुरू हुई और वर्ष 2017 में इसे एसआईटी को सौंप दिया गया। जनवरी 2019 में दर्ज हुई थी एफआईआर एसआईटी जांच के आधार पर तीन जनवरी 2019 को तत्कालीन पशुधन विभाग के निदेशक डॉ. रुद्र प्रताप सिंह, संयुक्त निदेशक डॉ. पीके त्रिपाठी, अपर निदेशक (फैजाबाद मंडल) डॉ. जीएन सिंह, डॉ. चरण सिंह, अपर निदेशक (गोरखपुर मंडल) डॉ. कृष्ण प्रताप तथा फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, रायबरेली के सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर मोहम्मद इशरत समेत अन्य के खिलाफ अमानत में खयानत, धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और साक्ष्य मिटाने के आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप था कि विभागीय अधिकारियों और संस्थान से जुड़े लोगों ने मिलीभगत कर भर्ती प्रक्रिया में हेरफेर की और अयोग्य अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाया।ईओडब्ल्यू की जांच में अब तक 28 लोगों की भूमिका सामने आ चुकी है। इनमें से 25 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। जांच एजेंसी का कहना है कि भर्ती परीक्षा दो फरवरी 2014 को आयोजित होने के बाद ओएमआर शीटों के मूल्यांकन और अंतिम चयन प्रक्रिया में नियमों के विपरीत व्यापक अनियमितताएं की गईं जांच में पाया गया कि भर्ती नियमावली के तहत अंतिम चयन की जिम्मेदारी मंडलीय चयन समितियों को सौंपी गई थी, लेकिन उन्हें दरकिनार कर पूरी प्रक्रिया का केंद्रीकृत संचालन किया गया। ओएमआर शीटों के मूल्यांकन का कोई पूर्व अनुभव न होने के बावजूद रायबरेली स्थित फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को यह कार्य सौंपा गया। बाद में बैकडेट में अनुबंध कर ओएमआर शीटों का केंद्रीकृत मूल्यांकन कराया गया और मेरिट सूची तैयार की गई।

भारतीय किसान संघ ने भावांतर योजना पर उठाए सवाल, सभी खरीफ फसलों की एमएसपी पर 100 प्रतिशत खरीद की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर भारतीय किसान संघ ने राज्य सरकार की भावांतर भुगतान योजना पर असहमति जताई है। मंगलवार को राजधानी भोपाल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन ने मांग की कि बाजार भाव और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के बीच अंतर की भरपाई करने के बजाय सरकार किसानों की पूरी उपज की खरीद एमएसपी पर सुनिश्चित करे। संघ ने सोयाबीन, धान, मक्का सहित सभी प्रमुख खरीफ फसलों की 100 प्रतिशत सरकारी खरीद की मांग उठाते हुए कहा कि किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए। भारतीय किसान संघ के राज्य अध्यक्ष कमल सिंह अंजना ने कहा कि किसानों को उनकी पूरी उपज का निर्धारित समर्थन मूल्य मिलना जरूरी है। संगठन के अनुसार, केवल भावांतर भुगतान योजना पर निर्भर रहने के बजाय सरकार को



ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे किसानों को अपनी फसल बेचने के दौरान समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके। संघ ने सोयाबीन, धान, मक्का, बाजरा, मूंग, उड़द और मूंगफली सहित सभी प्रमुख खरीफ फसलों की सरकारी खरीद सुनिश्चित करने की मांग की। संघ ने कहा कि किसानों को फसल तैयार करने से लेकर मंडियों में बेचने तक कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि पूरी उपज की खरीद समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित होती है, तो किसानों को बाजार में कम कीमत मिलने की स्थिति में राहत मिल सकती है। संगठन ने सरकार से मांग की कि खरीद व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए परेशान न होना पड़े। सूखा प्रभावित क्षेत्रों में राहत और फसल नुकसान का जमीनी सर्वे कराने की मांग भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रमुखता से उठाई गई। भारतीय किसान संघ ने उन जिलों में सूखा घोषित करने की मांग की, जहां इस सीजन में पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। संगठन का कहना है कि कम बारिश और पानी की कमी के कारण जिन किसानों की फसल प्रभावित हुई है, उन्हें विशेष राहत पैकेज दिया जाना चाहिए। संघ ने प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का आकलन कर किसानों को राहत पहुंचाने की मांग की। फसल नुकसान के आकलन को लेकर संगठन ने केवल उपग्रह आधारित जानकारी पर निर्भर रहने के बजाय खेतों में जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करने पर जोर दिया। संघ के अनुसार, खरीफ सीजन में कम या ज्यादा बारिश के कारण कई जगह फसलों को नुकसान हो सकता है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर भौतिक सर्वे करना चाहिए, ताकि नुकसान का सही आकलन हो सके। संगठन ने मांग की कि सर्वे के आधार पर प्रभावित किसानों को मुआवजा और फसल बीमा का लाभ समय पर दिया जाए। किसानों को खेती के लिए बिजली उपलब्ध कराने का मुद्दा भी उठाया गया। भारतीय किसान संघ ने कृषि कार्यों के लिए बिना रुकावट 12 घंटे बिजली देने की मांग की। संगठन ने कहा कि बिजली आपूर्ति बाधित होने से सिंचाई और खेती से जुड़े दूसरे कार्य प्रभावित होते हैं। इसके साथ ही खराब ट्रांसफॉर्मरों को तत्काल बदलने और बिजली वितरण व्यवस्था में कम से कम 10 अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध रखने की मांग की गई, ताकि खराबी आने पर किसानों को लंबे समय तक बिजली संकट का सामना न करना पड़े।

मध्य प्रदेश में आधी रात IAS अफसरों के तबादले, 11 जिलों के कलेक्टर बदले; जानिए किसे मिली कहां की कमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की बड़ी तबादला सूची जारी की गई। इसमें 11 जिलों के कलेक्टरों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। जबलपुर, नर्मदापुरम, रायसेन, सिंगरौली, पन्ना, भिंड, मऊगंज, बालाघाट, शाजापुर, बुरहानपुर और हरदा में नए कलेक्टर नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही कई वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपे गए हैं। रायसेन के कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा को जबलपुर का नया कलेक्टर बनाया गया है। जबलपुर के पूर्व कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को कृषि विपणन बोर्ड का प्रबंध संचालक-सह-आयुक्त (मंडी) नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के प्रबंध संचालक आशीष वशिष्ठ को नर्मदापुरम का कलेक्टर बनाया गया है। वहीं, नर्मदापुरम के पूर्व कलेक्टर सोमेश मिश्रा को एड्स नियंत्रण सोसाइटी और भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास का संचालक नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के उप सचिव और कर्मचारी चयन मंडल के संचालक अंकित अस्थाना को सिंगरौली का नया कलेक्टर बनाया गया है। सिंगरौली के पूर्व



कलेक्टर गौरव बैनल को सामान्य प्रशासन विभाग में उप सचिव और कर्मचारी चयन मंडल का संचालक बनाया गया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग में उप सचिव रोहित सिसोनिया को रायसेन जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बुरहानपुर के कलेक्टर हर्ष सिंह को पन्ना का कलेक्टर बनाया गया है, जबकि पन्ना की पूर्व कलेक्टर उषा परमार को मंत्रालय में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का अपर सचिव नियुक्त किया गया है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के उप सचिव विवेक कुमार को बुरहानपुर का नया कलेक्टर बनाया गया है। इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े को शाजापुर का कलेक्टर नियुक्त किया गया है। शाजापुर की पूर्व कलेक्टर ऋजु बाफना को उज्जैन संभाग में अपर आयुक्त (राजस्व) की जिम्मेदारी दी गई है। बालाघाट के कलेक्टर कुमार सत्यम को हरदा का कलेक्टर बनाया गया है, जबकि आदित्य सिंह बालाघाट के नए कलेक्टर होंगे। वाणिज्यिक कर विभाग के पूर्व अपर सचिव राजेश कुमार ओगरे को मऊगंज का कलेक्टर नियुक्त किया गया है। सहकारिता विभाग में उप सचिव रहे पवन कुमार जैन को भिंड जिले की कमान सौंपी गई है। कलेक्टरों के तबादलों के साथ वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के विभागीय दायित्वों में भी बदलाव किया गया है। अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग और गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग की जिम्मेदारी के साथ खाद्य सुरक्षा आयुक्त, विशेष आयुक्त (समन्वय) और माध्यमिक शिक्षा मंडल के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगी। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह को लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त के.सी. गुप्ता को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव जनसंपर्क विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। वहीं, नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत एस. भोंडवे को नई दिल्ली स्थित मध्य प्रदेश भवन के आवासीय आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

पत्नी से मारपीट और अमानवीय कृत्य का आरोप, अस्पताल में भर्ती



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी भोपाल के छोला मंदिर थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा का गंभीर मामला सामने आया है। एक प्लंबर पति पर अपनी पत्नी के साथ मारपीट और अमानवीय कृत्य करने का आरोप है। घटना के बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को पत्नी के चरित्र पर संदेह था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। जानकारी के अनुसार, विवाद के दौरान पति अपनी पत्नी को जांच के लिए अस्पताल लेकर गया था। वहां से लौटते समय दोनों के बीच फिर कहासुनी हो गई। रास्ते में विवाद बढ़ने पर आसपास मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप किया और समझाइश देकर महिला को घर भेज दिया। आरोप है कि घर पहुंचने के बाद पति ने दोबारा महिला के साथ मारपीट की और उसके साथ अमानवीय हरकत की। घटना के बाद परिजनों ने महिला को अस्पताल पहुंचाया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, महिला की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। मामले में बच्चों के सामने घटना होने का आरोप भी सामने आया है। इस घटना ने घरेलू हिंसा और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, मामले से जुड़े सभी पहलुओं की पुष्टि पुलिस जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर होगी। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने बताया कि छोला मंदिर थाना क्षेत्र में पति द्वारा पत्नी के साथ मारपीट और अमानवीय कृत्य किए जाने की शिकायत सामने आई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी की तलाश की जा रही है। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पीड़िता का अस्पताल में उपचार जारी है।

राम मंदिर के बाद अब काशी विश्वनाथ मंदिर से सोना चोरी का आरोप, PMO ने लिया संज्ञान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। राम मंदिर के बाद अब काशी विश्वनाथ मंदिर से सोना चोरी का आरोप, PMO ने लिया संज्ञान, अफसरों ने शुरू की तफ्तीशबनारस के वकील नित?यानंद राय ने काशी विश?वनाथ मंदिर से सोना चोरी का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को शिकायती पत्र भेजा है।राणसी राम मंदिर में चंदा चोरी पर किरकिरी के बाद अब काशी विश्वनाथ मंदिर में सोना चोरी किए जाने का आरोप लगा है। बार एसोशिएसन के पूर्व महामंत्री ने ये आरोप लगाया है। 23 सितंबर को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को भेजे शिकायती पत्र में वकील नित्यानंद राय ने मंदिर के शिखर समेत कई स्थानों से सोना हटाकर पेंट किए जाने की शिकायत की थी।पीएमओ के संज्ञान लेने के बाद जिला प्रशासन ने जांच शुरू कर दी और शिकायतकर्ता का बयान लिया गया। शिकायतकर्ता ने एक बार फिर से तस्वीर के माध्यम से जांच पर सवाल उठाते हुए आईजीआरएस पर शिकायत की है और कई बिंदुओं पर मंदिर प्रशासन से जवाब मांगा है29 सितंबर को की थी पीएमओ से शिकायतेलियाबाग निवासी अधिवक्ता नित्यानंद राय ने बताया कि 29 सितंबर को उन्होंने मंडल आयुक्त समेत प्रधानमंत्री कार्यालय को एक पत्र भेज कर शिकायत की थी। पत्र में उन्होंने बताया कि मंदिर के उत्तरी द्वार के ठीक ऊपर दो स्थानों पर स्वर्ण कलश



गायब है। उसकी जगह वहां पर कुछ पेंट किया गया है। नित्यानंद राय ने बताया कि यह तकरीबन 2 से लेकर 3 फीट की चौड़ाई का था। पहले भी मंदिर से सोना चांदी की चोरी हो चुकी है, इसलिए इस प्रकरण की गंभीरता से जांच किए जाने की आवश्यकता है। ऐसा पैच करीब दो से तीन जगहों पर है।'मंदिर प्रशासन श?वेत पत्र जारी करे'अधिवक्ता नित्यानंद राय ने विश्वनाथ मंदिर प्रशासन से मांग की कि धाम के अंदर जहां कहीं भी सोना और चांदी लगाई गई है, उस पर एक विस्तृत विवरण वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक की जाए। मंदिर के शिखर से गायब सोने की जानकारी उन्हें सावन में ही हुई थी। वह रोज विश्वनाथ मंदिर के दर्शन आरती में आते हैं। शिखर दर्शन के समय उन्हें इस बात की जानकारी हुई। उन्होंने मामले से जुड़े हुए तमाम साक्ष?य और फोटोग्राफ्स प्रशासन को मुहैया कराए हैं। मंडल आयुक?त बोले- आईआईटी मद्रास कराएगा मरम्मत पीएमओ के संज्ञान लेने के बाद वाराणसी का जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। बनारस मंडल आयुक्त और काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के पदेन अध्यक्ष एस राज लिंगम ने बताया कि विगत दिनों किसी घटना में सोने का एक कलश गिर गया था जिसे विश्वनाथ धाम में सुरक्षित रखा गया है। पुनर्स्थापना के लिए आईआईटी मद्रास से सर्वे कराया गया है। उसकी मदद से जल्द ही फिर से कलश स्थापित कराया जाएगा। बिना किसी तकनीकी परीक्षण के कलश को दोबारा लगाना वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं है। इसके लिए आईटी मद्रास से संपर्क किया गया है और वहां की टीम प्राथमिक सर्वे का काम कर चुकी है।

नवरात्र मेले में छेड़छाड़ के आरोप पर भड़की लेडी बाउंसर, युवक की पिटाई का वीडियो वायरल



महानगर मेट्रो ब्यूर

लखनऊ। अशोकनगर। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में नवरात्र महोत्सव के दौरान शहर के मीना बाजार में उस समय हंगामा हो गया, जब एक युवक पर युवती के साथ कथित छेड़छाड़ करने का आरोप लगा। युवती की सुरक्षा में तैनात महिला बाउंसर ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। घटना के दौरान मेले में मौजूद लोगों की भीड़ जुट गई। युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला बढ़ता देखकर मौके पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराया। जानकारी के अनुसार, अशोकनगर शहर में नवरात्र महोत्सव के तहत मीना बाजार लगाया गया है। मेले में शाम के समय बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। मंगलवार को जलपरी शो के दौरान एक युवक पर वहां मौजूद युवती के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा। बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में था और उसकी हरकतों से वहां विवाद की स्थिति बन गई। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात महिला बाउंसर ने मामले में हस्तक्षेप किया। युवती के साथ कथित छेड़छाड़ की जानकारी मिलने पर महिला बाउंसर ने युवक को रोकने की कोशिश की। इसके बाद विवाद बढ़ गया और महिला बाउंसर ने युवक की पिटाई कर दी। सामने आए वीडियो में महिला बाउंसर युवक के साथ मारपीट करती दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि युवक को रोकने के दौरान स्थिति ऐसी बन गई कि मेले में मौजूद लोगों का ध्यान भी इस ओर चला गया। कुछ ही देर में वहां भीड़ जमा हो गई घटना के दौरान महिला बाउंसर ने युवक की हरकतों पर नाराजगी जताई। उसके अनुसार, आरोपी युवक पहले भी दो-तीन बार ऐसी हरकत कर चुका था। हालांकि, युवक के खिलाफ लगाए गए आरोपों और पहले हुई कथित घटनाओं की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच और शिकायत के आधार पर ही मामले के सभी पहलुओं की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। घटना की सूचना मिलने पर ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बीच-बचाव कर महिला बाउंसर और युवक के बीच चल रहे विवाद को शांत कराया। इसके बाद मौके पर स्थिति सामान्य कराई गई। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मेले की सुरक्षा व्यवस्था और महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। देहात थाना प्रभारी आकाश शर्मा ने बताया कि पुलिस को घटना की जानकारी मिली थी। टीम मौके पर पहुंची और विवाद को शांत कराया। फिलहाल युवती और मेला प्रबंधन की ओर से पुलिस को कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डंडा मारते ही भड़का सांड़, पटक-पटककर ले ली जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। देहात के अकबरपुर सदर बाजार में सांड के हमले में 80 वर्षीय राम जीवन की दर्दनाक मौत हो गई. मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे वह बीड़ी लेने घर से निकले थे. बाजार में सांड को डंडे से भगाने की कोशिश करने पर वह भड़क गया और राम जीवन को सींगों पर उठाकर जमीन पर पटक दिया. गंभीर हालत में उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. कानपुर देहात के अकबरपुर सदर बाजार में सांड के हमले में 80 वर्षीय बुजुर्ग राम जीवन की दर्दनाक मौत हो गई. मंगलवार शाम हुई इस घटना का ह्रष्टञ्जड्ड फुटेज सामने आया है. बताया जा रहा है कि राम जीवन बीड़ी लेने के लिए घर से निकले थे, लेकिन बाजार में एक सांड के हमले ने उनकी जान ले ली. घटना के बाद इलाके के लोगों और व्यापारियों में दहशत के साथ आक्रोश है.

डंडा दिखाते ही भड़क गया सांड

जानकारी के मुताबिक, राम जीवन मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे बीड़ी लेने के लिए घर से निकले थे. इसी दौरान अकबरपुर सदर बाजार में मौजूद एक सांड को भगाने के लिए उन्होंने डंडे का सहारा लिया. आरोप है कि इससे सांड भड़क गया और उसने राम जीवन पर हमला कर दिया. सांड ने उन्हें अपने सींगों में फंसाकर हवा में उछाला और फिर जमीन पर पटक दिया.अचानक हुए इस हमले में राम जीवन गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. परिजन उन्हें आनन-फानन में मेडिकल



कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. बुजुर्ग की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.घटना का CCTV फुटेज सामने आने के बाद बाजार में घूमने वाले आवारा सांडों का खतरा एक बार फिर चर्चा में है.

अचानक उठने लगी आग की भयानक लपटें, दिल्ली में टल गया बड़ा हादसा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम इलाके में मंगलवार रात एक रेस्टोरेंट में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। रेस्टोरेंट की पहली मंजिल पर खाना खा रहे लोगों के सामने उस समय जान बचाने का संकट खड़ा हो गया, जब नीचे स्थित किचन से आग की लपटें उठने लगीं और परिसर में धुआं भरने लगा। घबराए लोग बाहर निकलने के लिए भागने लगे।



कुछ लोग सीढ़ियों की ओर दौड़े, जबकि कुछ ने पहली मंजिल की खिड़की और बालकनी से नीचे उतरकर अपनी जान बचाने की कोशिश की। घटना के दौरान स्थानीय लोग भी मदद के लिए आगे आए। राहत की बात यह रही कि पुलिस के अनुसार इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। यह घटना वेलकम थाना क्षेत्र स्थित उधम रेस्टोरेंट में मंगलवार रात करीब 10:30 बजे हुई। उस समय रेस्टोरेंट में लोग खाना खा रहे थे। अचानक ग्राउंड फ्लोर पर बने किचन में आग लग गई। देखते ही देखते वहां धुआं फैलने लगा और पहली मंजिल पर मौजूद लोगों में घबराहट बढ़ गई। आग और धुएं के कारण बाहर निकलने में परेशानी होने लगी, जिसके बाद लोगों ने सुरक्षित स्थान तक पहुंचने के लिए अलग-अलग रास्तों का सहारा लिया। रेस्टोरेंट में आग लगने की खबर फैलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। अंदर फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों ने मदद शुरू की। इस दौरान सामने आए वीडियो में कुछ लोग पहली मंजिल की बालकनी से नीचे उतरते और कुछ लोग खिड़की से कूदते दिखाई दिए। नीचे मौजूद लोगों ने उन्हें संभालने और सुरक्षित बाहर निकालने में सहायता की। घटना के दौरान बच्चों को भी बाहर निकालने की कोशिश की गई।

हाईजैक अलर्ट के बाद एअर इंडिया की फ्रैंकफर्ट दिल्ली फ्लाइट की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की अंतरराष्ट्रीय उड़ान को बुधवार सुबह सुरक्षा कारणों के चलते जयपुर एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। फ्रैंकफर्ट से दिल्ली आ रहे विमान एआई-2030 से हाईजैक से जुड़ा आपात संकेत मिलने की जानकारी सामने आने के बाद विमान का मार्ग बदल दिया गया। सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और विमान को जयपुर भेजने का निर्णय लिया गया। विमान ने सुबह करीब 9:35 बजे जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग की। इसके बाद उसे आगे की जांच के लिए आइसोलेशन बे में ले जाया गया। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 9 बजे अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को विमान से कुछ सेकंड के लिए आपात संकेत मिला। बताया गया कि विमान से स्क्वाक-7500 कोड प्रसारित हुआ था। विमानन क्षेत्र में इस कोड का इस्तेमाल हाईजैक जैसी सुरक्षा संबंधी आपात स्थिति का संकेत देने के लिए किया जाता है। इस संकेत के सामने आने के बाद संबंधित अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय कर दी। इसके बाद दिल्ली स्थित वॉर रूम से विमान का मार्ग बदलकर उसे जयपुर भेजने का निर्णय लिया गया। सुबह करीब 9:10 बजे रूट डायवर्ट किए जाने की जानकारी सामने आई। इसके बाद जयपुर एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग की तैयारी की गई। विमान सुबह करीब 9:35 बजे एयरपोर्ट पर उतरा और लगभग 10 मिनट बाद उसे आइसोलेशन बे में ले जाया गया, जहां उसकी जांच की प्रक्रिया शुरू हुई। आइसोलेशन बे एयरपोर्ट का एक अलग निर्धारित क्षेत्र होता है, जहां सुरक्षा या अन्य आपात परिस्थितियों में विमानों को खड़ा करके उनकी जांच की जाती है। इस दौरान संबंधित अधिकारी विमान की स्थिति और उससे जुड़े सुरक्षा पहलुओं की पड़ताल करते हैं। एआई-2030 को भी इसी प्रक्रिया के तहत जांच के लिए अलग स्थान पर रखा गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, जांच के दौरान विमान से जुड़ी परिचालन स्थितियां सामान्य पाई गईं। हालांकि, विमान से हाईजैक अलर्ट जैसा संकेत क्यों मिला और स्क्वाक-7500 कोड किस परिस्थिति में प्रसारित हुआ, इसकी वजह स्पष्ट नहीं हुई है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर विमान के वास्तव में हाईजैक होने की पुष्टि नहीं हुई है। जांच पूरी होने के बाद ही संकेत के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी। इस मामले की जांच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) कर रहा है। डीजीसीए से जुड़े सूत्रों के अनुसार, विमान एआई-2030 से संबंधित घटना की पड़ताल की जा रही है।



दिल्ली में लगेंगे 50 हजार नए CCTV कैमरे, महिलाओं की सुरक्षा पर जोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए सरकार राजधानी में 50 हजार नए सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला कॉलेजों की छात्र प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस पहल का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाना और महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए केवल सीसीटीवी कैमरे लगाना ही नहीं, बल्कि अंधेरे वाले स्थानों की पहचान कर वहां रोशनी की उचित व्यवस्था करना, नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित करना और कॉलेज परिसरों में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती जैसे कदम भी उठाए जा रहे हैं। बातचीत के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला कॉलेजों की छात्र प्रतिनिधियों ने सीसीटीवी कैमरों से जुड़ी समस्याएं और सुरक्षा संबंधी चिंताएं सामने रखीं। इस पर मुख्यमंत्री ने राजधानी में 50 हजार नए कैमरे लगाने की योजना की जानकारी दी। प्रस्ताव लागू होने के बाद सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी व्यवस्था का विस्तार करने में मदद मिल सकती है। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि नई स्ट्रीट लाइटों को एकीकृत कमान और नियंत्रण प्रणाली से जोड़ा जाएगा। इससे लाइटों की कार्यप्रणाली पर नजर रखने और खराबी का पता लगाने में आसानी होगी। इस व्यवस्था के तहत स्ट्रीट लाइट में खराबी आने पर उसकी पहचान स्वचालित तरीके से की जा सकेगी। इसके बाद संबंधित ठेकेदारों को वार्षिक रखरखाव अनुबंध के तहत खराब लाइटों की मरम्मत करानी होगी। इसका उद्देश्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर रोशनी की व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना है, ताकि रात के समय लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। सरकार की योजना में पुलिस की नियमित गश्त और महिला कॉलेजों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया है। अंधेरे वाले स्थानों की पहचान कर उन्हें रोशन करने से लेकर निगरानी कैमरों का विस्तार करने तक कई स्तरों पर कदम उठाने की तैयारी है। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में महिलाओं के साथ-साथ सभी नागरिकों के लिए सार्वजनिक स्थानों को अधिक सुरक्षित बनाना है। हालांकि, नए सीसीटीवी कैमरे लगाने और स्मार्ट स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था को लागू करने की प्रक्रिया तथा समयसीमा को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।



जन्म की तारीख ही बनी विदाई का दिन: 75वें जन्मदिन के जश्न के बीच, 450 अपनों की मौजूदगी में थम गईं अरुणजी भंडारी की सांसें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कजगांव (भड़गांव)। कजगांव (भड़गांव)। महाराष्ट्र के कजगांव (भड़गांव) में 11 अक्टूबर 2026 को एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने भंडारी परिवार सहित समारोह में मौजूद सैकड़ों लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया। श्री अरुणजी बिरदमलजी भंडारी का 75वां जन्मदिन मनाने के लिए परिवार ने विशेष कार्यक्रम आयोजित किया था। इस अवसर पर परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और उनके घनिष्ठ मित्र एकत्र हुए थे। करीब 450 लोगों की मौजूदगी में जन्मदिन की खुशियां मनाई जा रही थीं। किसी ने नहीं सोचा था कि कुछ ही देर में यह खुशनुमा माहौल शोक में बदल जाएगा। अरुणजी भंडारी शांत स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और धार्मिक प्रवृत्ति के लिए पहचाने जाते थे। परिवार के लिए उनका जन्मदिन एक विशेष अवसर था। 75 वर्ष की उम्र पूरी होने पर परिजनों ने उनके साथ इस दिन को यादगार बनाने की तैयारी की थी। कार्यक्रम में उनके भाई अभयजी और किशोरजी, बहन मंगला बहन, बेटे-बेटियां, पोते-पोतियां, रिश्तेदार और मित्र शामिल हुए। दूर-दराज से आए परिजन भी इस खुशी में सहभागी बने



थे। समारोह में शाम करीब 7 बजे कार्यक्रम की शुरुआत हुई। हॉल में बधाइयों और शुभकामनाओं का माहौल था। परिवार के सदस्य अरुणजी के साथ इस खास पल को साझा कर रहे थे। हर ओर उत्साह दिखाई दे रहा था और लोग उनके जीवन के 75 वर्ष पूरे होने पर अपनी खुशी जाहिर कर रहे थे। परिवार के लिए यह अवसर एक साथ बैठने, पुरानी यादें साझा करने और अपने प्रियजन के प्रति प्रेम व्यक्त करने का था। इसी दौरान उनकी बेटी स्वीटी ओस्तवाल ने परिवार की ओर से माइक संभाला। उन्होंने अपने पिता के जीवन, उनके संस्कारों और परिवार के प्रति उनके स्नेह को याद करते हुए जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। बेटी के स्नेहभरे शब्दों के बाद केक काटने की तैयारी होने लगी। अरुणजी अपनी पत्नी, बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ केक काटने के लिए आगे बढ़े। समारोह में मौजूद सभी लोग इस पल का इंतजार कर रहे थे। लेकिन इसी बीच अचानक घटनाक्रम बदल गया। केक काटने से ठीक पहले अरुणजी का निधन हो गया। कुछ ही पलों में समारोह का माहौल पूरी तरह बदल गया। जहां कुछ देर पहले तालियां और बधाइयां गूंज रही थीं, वहां अचानक सन्नाटा छा गया। परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के लिए इस घटना पर विश्वास करना मुश्किल हो गया। जन्मदिन की खुशियां मनाने के लिए एकत्र हुए लोग इस अप्रत्याशित दुख से स्तब्ध रह गए। इस घटना का सबसे भावुक पहलू यह रहा कि परिवार के अनुसार, अरुणजी का जन्म और निधन दोनों 11 अक्टूबर की तारीख को हुआ। 75वें जन्मदिन के अवसर पर उनके निधन के इस संयोग ने घटना को और भी मार्मिक बना दिया। जिस दिन परिवार हर वर्ष उनके जन्म का उत्सव मनाता था, उसी तारीख को उनके निधन की खबर ने उस दिन को परिजनों के लिए जीवनभर की याद में बदल दिया। हालांकि जन्म और निधन की एक ही तारीख का यह संयोग अपने आप में भावनात्मक है, लेकिन परिवार के लिए सबसे बड़ा दुख अपने प्रियजन को अचानक खोने का है। अरुणजी भंडारी अपने जीवन में सादगी, शांत स्वभाव और धार्मिक गतिविधियों के लिए जाने जाते थे। उनकी धार्मिक प्रवृत्ति और मिलनसार व्यवहार के कारण परिवार और परिचितों के बीच उनका विशेष स्थान था। परिजनों के लिए वे केवल परिवार के वरिष्ठ सदस्य ही नहीं, बल्कि मार्गदर्शन और स्नेह का आधार भी थे। उनके साथ बिताए पल अब परिवार के लिए यादों का हिस्सा बन गए हैं। समारोह में शामिल होने आए रिश्तेदार और मित्र भी इस घटना से भावुक हो गए। जो लोग अरुणजी को जन्मदिन की बधाई देने और उनके साथ खुशियां साझा करने पहुंचे थे, उन्हें अचानक इस दुखद परिस्थिति का सामना करना पड़ा। कजगांव और भड़गांव क्षेत्र में भी उनके निधन से शोक का माहौल है। परिवार के लिए यह क्षति बेहद दुखद है, क्योंकि 75वें जन्मदिन को यादगार बनाने की तैयारी के बीच ही उन्हें अपने प्रियजन से बिछड़ने का दर्द झेलना पड़ा।

महाराष्ट्र-कर्नाटक बॉर्डर पर किसानों का आंदोलन, मुंबई-बेंगलुरु हाईवे लगातार दूसरे दिन जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। दिल्ली से करीब 1700 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र और कर्नाटक की सीमा पर किसानों का आंदोलन यातायात के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। गन्ने की कीमतों, इथेनॉल के खरीद मूल्य और अन्य मांगों को लेकर किसान मुंबई-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को आंदोलन लगातार दूसरे दिन भी जारी रहने से एनएच-48 पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के पास कोग्नोली टोल प्लाजा के आसपास किसानों के प्रदर्शन के कारण हाईवे पर जाम की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि जरूरी नहीं होने पर इस मार्ग पर यात्रा करने से बचें। महाराष्ट्र के स्वाभिमानी शेतकारी संगठन और कर्नाटक के रैयत संघ से जुड़े किसान मंगलवार सुबह से प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार के साथ बातचीत विफल होने के बाद आंदोलन तेज हुआ। प्रदर्शन के चलते महाराष्ट्र के कोल्हापुर, पुणे और सतारा की ओर से कर्नाटक के बेलगावी तथा बेंगलुरु जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हाईवे पर दोनों ओर ट्रक और कंटेनर जैसे भारी वाहन फंसे हुए हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई है। कोल्हापुर रेंज के विशेष पुलिस महानिरीक्षक रंजन कुमार शर्मा ने मुंबई, पुणे और सतारा से कर्नाटक जाने वाले यात्रियों को सलाह दी है कि वे संभव हो तो पुणे-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर यात्रा करने से बचें। पुलिस ने गूगल मैप्स को पत्र लिखकर कोग्नोली टोल प्लाजा के पास प्रभावित हिस्से को बंद दिखाने का अनुरोध भी किया है, ताकि यात्रियों को समय रहते रास्ते की स्थिति का पता चल सके और वे दूसरे मार्गों का इस्तेमाल कर सकें। पुणे रेंज के राजमार्ग पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवाजी पवार के कार्यालय के अनुसार, बुधवार सुबह तक स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं हुआ था। पुलिसकर्मी यातायात को नियंत्रित करने और यात्रियों को वैकल्पिक रास्तों की जानकारी देने में जुटे हैं। अधिकारियों का कहना है कि रास्ता सामान्य होने पर इसकी जानकारी दी जाएगी, ताकि मार्ग बंद होने से संबंधित चेतावनी हटाई जा सके। पुलिस ने यात्रियों को बेलगावी जाने के लिए वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। सतारा से रहमतपुर, तासगांव, मिरज और गोकक होते हुए बेलगावी पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा कराड से अष्टा, सांगली और मिरज होते हुए भी बेलगावी की ओर जाने का विकल्प बताया गया है। इन मार्गों पर यातायात व्यवस्था संभालने के लिए यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिसकर्मियों की मदद ली जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि यात्रा टालना संभव नहीं हो तो यात्रियों को वैकल्पिक रास्तों से निकलना चाहिए। किसानों का यह आंदोलन गन्ने की कीमत और इथेनॉल के खरीद मूल्य में बढ़ोतरी की मांग को लेकर किया जा रहा है। स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के अध्यक्ष राजू शेट्टी के अनुसार, किसान चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 50 रुपये प्रति किलोग्राम और इथेनॉल का खरीद मूल्य 70 रुपये प्रति लीटर करने की मांग कर रहे हैं।



पूरी सैलरी देने का दबाव और फ्लैट को लेकर विवाद के आरोप, आईटी इंजीनियर की मौत के मामले में पति समेत 5 पर केस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में 33 वर्षीय आईटी इंजीनियर तृष्णा राहुल सकपाल की मौत के मामले में पुलिस ने उनके पति और ससुराल के चार अन्य सदस्यों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित संबंधित आरोपों में मामला दर्ज किया है। महिला के पिता बालकृष्ण निकम ने शिकायत में आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को पैसों और संपत्ति को लेकर परेशान किया जा रहा था। शिकायत के मुताबिक, तृष्णा पर अपनी पूरी सैलरी ससुराल वालों को देने, मायके का फ्लैट सास के नाम करने और ससुर के लिए करीब 1 करोड़ रुपये का फ्लैट खरीदने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, तृष्णा की शादी वर्ष 2018 में राहुल सकपाल से हुई थी। उनके पिता ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही बेटी को ससुराल में कथित तौर पर आर्थिक दबाव और प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा था। शिकायत में मारपीट के आरोप भी लगाए गए हैं। परिवार का कहना है कि इन परिस्थितियों के कारण तृष्णा को वर्ष 2021 में मायके लौटना पड़ा था। शिकायत के अनुसार, इसके बाद पति ने दूसरी शादी करने के



उद्देश्य से तलाक की अर्जी दाखिल की थी। यह मामला अभी अदालत में लंबित बताया गया है। तृष्णा के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष की ओर से लगातार पैसों की मांग की जाती थी और उन्हें अपनी संपत्ति तथा कमाई को लेकर दबाव का सामना करना पड़ता था। इन आरोपों के आधार पर पुलिस ने पति राहुल सकपाल, सास, ससुर, ननद और दादी सास के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, तृष्णा के 74 वर्षीय पिता ने मुंधवा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि तृष्णा पर अपनी कमाई ससुराल वालों को देने के साथ-साथ फ्लैट खरीदने के लिए पैसे जुटाने का दबाव बनाया जाता था। आरोप यह भी है कि मायके की संपत्ति को ससुराल पक्ष के नाम कराने के लिए कहा गया। इसके अलावा, ननद की पढ़ाई के लिए लिए गए कर्ज को चुकाने के लिए भी तृष्णा से मायके से पैसे लाने की मांग किए जाने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में पुलिस को एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है। मुंधवा पुलिस की वरिष्ठ निरीक्षक स्मिता वासनिक के अनुसार, नोट में महिला ने अपनी मौत के लिए पति और ससुराल पक्ष को जिम्मेदार ठहराए जाने की बात लिखी है। पुलिस को तृष्णा के मोबाइल फोन में उनके और पति के बीच हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी मिली है। इन सामग्रियों की जांच की जा रही है, ताकि मामले से जुड़े तथ्यों और आरोपों की पुष्टि की जा सके। पुलिस ने मामले में नामजद ननद को मुंबई से गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों के संबंध में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी। पुलिस सुसाइड नोट, मोबाइल में मिली रिकॉर्डिंग और शिकायत में लगाए गए आरोपों की पड़ताल कर रही है। फिलहाल मामला पुलिस जांच के अधीन है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और सभी संबंधित पक्षों की भूमिका का निर्धारण जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होगा। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

14वीं मंजिल पर आधी रात लगी भीषण आग, 2 महिलाओं की मौत; क्रेन से बचाए गए 4 लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नालासोपारा। महाराष्ट्र के नालासोपारा में नालासोपारा-वसई लिंक रोड स्थित इम्पीरियल हाइट्स इमारत में आधी रात के करीब भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इमारत की 14वीं मंजिल पर लगी आग के कारण परिसर में धुआं फैल गया और लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 6 लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, इमारत में बाहर की ओर बनी एक छोटी जगह पर फंसे 4 लोगों को बड़ी क्रेन की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। हादसे में जान गंवाने वाली महिलाओं की पहचान फाल्गुनी शाह (50) और अश्विनी पारकर (50) के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दोनों की मौत आग के कारण फैले धुएं से दम घुटने के चलते होने की आशंका है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद आसपास के इलाके में भी दहशत का माहौल



बन गया। तुलिंज अस्पताल की प्रभारी डॉ. कविता जगदा ने बताया कि आग लगने के बाद फैले धुएं के कारण दोनों महिलाओं का दम घुटने की आशंका है। आग के कारण इमारत के भीतर धुआं फैलने से लोगों को बाहर निकलने में परेशानी हुई। इस दौरान कई लोग सुरक्षित स्थान तक पहुंचने की कोशिश करने लगे। आग की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। हादसे के दौरान इमारत में मौजूद 4 लोग बाहर की ओर बनी एक छोटी जगह पर फंस गए थे। उनके लिए वहां से सुरक्षित निकलना मुश्किल हो रहा था। बताया गया कि चारों ने करीब 40 से 45 मिनट तक मदद का इंतजार किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बचाव दल ने उन्हें बाहर निकालने के लिए बड़ी क्रेन की सहायता ली। क्रेन की मदद से चारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग लगने की सूचना मिलते ही वसई-विरार शहर महानगरपालिका का दमकल दल घटनास्थल पर पहुंचा। टीम ने आग पर काबू पाने के लिए प्रयास शुरू किए। आग बुझाने और लोगों को सुरक्षित निकालने के दौरान दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर पुलिस भी मौजूद रही और स्थिति का जायजा लिया। आचोले पुलिस ने घटनास्थल पर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। घटना की जानकारी मिलने के बाद पूर्व महापौर रूपेश जाधव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहत और बचाव कार्य का जायजा लिया। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। इमारत में आग लगने और लोगों के फंसने की घटना से स्थानीय निवासियों में चिंता का माहौल रहा। लहाल इम्पीरियल हाइट्स इमारत में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

मंदिर में अकेली बच्ची को देख शख्स ने पकड़ा, छेड़छाड़ की कोशिश CCTV में कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे के निगड़ी इलाके में स्थित एक मंदिर में 10 वर्षीय बच्ची के साथ कथित छेड़छाड़ की कोशिश का मामला सामने आया है। बच्ची भगवान शिव की पूजा करने मंदिर पहुंची थी। आरोप है कि इसी दौरान वहां आए एक व्यक्ति ने उसे अकेला देखकर पकड़ने और जबरन गले लगाने की कोशिश की। घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के बाद आरोपी विशाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, बच्ची अकेले मंदिर में पूजा करने गई थी। वह भगवान शिव के सामने सिर झुकाकर प्रार्थना कर रही थी। इसी दौरान विशाल सिंह मंदिर के बाहर लगी पानी की टंकी से पानी लेने पहुंचा। आरोप है कि बच्ची को अकेला देखकर वह मंदिर के अंदर गया और उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में आरोपी बच्ची को पकड़कर जबरन गले लगाने की कोशिश करता दिखाई देता है। बच्ची ने खुद को छुड़ाने का प्रयास किया और शोर मचाया। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गया। घटना के बाद बच्ची डर गई और रोने लगी। घर पहुंचकर बच्ची ने अपने परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद परिवार ने निगड़ी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विशाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी एक मेट्रो ठेकेदार के यहां मजदूरी करता था और मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है। मंदिर में पूजा करने पहुंची बच्ची की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेश बंसोडे के मार्गदर्शन में निगड़ी पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।



एक्सीडेंट के शिकार लोगों को गोल्डन आवर में मिलेगा इलाज



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में सड़क हादसों के दौरान घायलों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हाईवे पर एयर एंबुलेंस सेवा शुरू करने की तैयारी कर रही है। योजना के तहत 2027 की शुरुआत में समृद्धि महामार्ग, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और मुंबई-गोवा हाईवे सहित प्रमुख राजमार्गों पर यह सुविधा शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे गंभीर सड़क हादसों में घायल लोगों को कम समय में अस्पताल या ट्रॉमा केयर सेंटर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के अनुसार, सड़क हादसे के बाद शुरुआती एक घंटा यानी 'गोल्डन आवर' घायल व्यक्ति के इलाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान उचित चिकित्सा सुविधा मिलने से घायल की जान बचाने की संभावना बढ़ सकती है। कई बार हाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम, अस्पतालों की दूरी और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंचने में लगने वाला समय घायलों के लिए परेशानी बढ़ा देता है। ऐसे में एयर एंबुलेंस सेवा गंभीर रूप से घायल लोगों को तेजी से चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने में मददगार हो सकती है। सरकार इस सेवा को व्यवस्थित रूप से लागू करने के लिए परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करेगी। इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की जाएगी, जिसमें हादसे की सूचना मिलने से लेकर एयर एंबुलेंस भेजने, घायल को सुरक्षित स्थान से उठाने और अस्पताल पहुंचाने तक की व्यवस्था तय होगी। साथ ही ट्रॉमा केयर सेंटरों का नेटवर्क विकसित करने और सेवा उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों का पैनल बनाने पर भी काम किया जाएगा। योजना के अनुसार, 15 नवंबर तक एयर एंबुलेंस सेवा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार कर मंजूरी लेने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद नवंबर के अंत तक उच्चस्तरीय समिति से स्वीकृति मिलने पर निविदा प्रक्रिया शुरू करने की योजना है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद नए साल की शुरुआत में सेवा शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हालांकि, सेवा की वास्तविक शुरुआत संबंधित मंजूरियों और तैयारियों पर निर्भर करेगी। एयर एंबुलेंस सेवा के लिए आवश्यक आर्थिक व्यवस्था सड़क सुरक्षा निधि से किए जाने पर भी विचार किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था तैयार करना है, जिससे दुर्घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग सक्रिय हो सकें और घायल को जल्द से जल्द उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इसके लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। महाराष्ट्र में हर साल बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं। इनमें गंभीर रूप से घायल लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती है। हाईवे पर दुर्घटना होने के बाद नजदीकी अस्पताल तक पहुंचने में लगने वाला समय कई बार महत्वपूर्ण साबित होता है।

परमाणु ऊर्जा क्षमता को 2047 तक 91 गीगावाट बढ़ाने 15 लाख करोड़ की जरूरत- सीईए

सीईए चेयरमैन ने निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी को बताया महत्वपूर्ण

नई दिल्ली ।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद ने बुधवार को घोषणा की कि भारत को 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाने के लिए अनुमानित 15 लाख करोड़ रुपए के भारी निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी को अनिवार्य बताया। प्रसाद ने भारतीय बिजली क्षेत्र को एआई सक्षम बनाने पर आयोजित एक विचार-मंथन कार्यक्रम में बताया कि वर्तमान में भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता लगभग 8.8 गीगावाट है, जिसे 2030-31 तक 22 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने जोर दिया कि परमाणु ऊर्जा बिजली का एक स्थिर और विश्वसनीय स्रोत है, जो चौबीसों घंटे निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करता है। यह 2035-36 तक अनुमानित 459 गीगावाट की अधिकतम बिजली मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि मौजूदा 274 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का योगदान केवल 29.2 फीसदी है। चेयरमैन के अनुसार 100 गीगावाट के कुल लक्ष्य में से 46 गीगावाट क्षमता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के माध्यम से पूरी की जाएगी। यह निवेश और भागीदारी देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

मस्क से पहले सैटकॉम शुरू करना चाहते हैं मित्तल, कहा- कतार में आगे हैं हम!

पांच साल पहले लाइसेंस के लिए आवेदन किया था, ग्राउंड नेटवर्क पिछले तीन साल से तैयार

नई दिल्ली ।

भारत में उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाओं के बाजार में प्रतिद्वंद्विता और जुबानी जंग तेज हो गई है। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने बुधवार को कहा कि उनका उद्यम यूटेलसैट वनवेब, अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क की स्टारलिंक से देश में सेवाएं शुरू करने की मंजूरी पाने की कतार में काफी आगे है। यह बयान मस्क द्वारा भारतीय उद्योगपतियों पर स्टारलिंक को रोकने के लिए एकाधिकार बनाए रखने के आरोपों के जवाब में आया है। मित्तल ने यहां ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम 2026 में कहा कि उन्होंने पांच साल पहले लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। उनका ग्राउंड नेटवर्क पिछले तीन साल से तैयार है और उपग्रह पांच साल से भारत के ऊपर चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने अपनी मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्हें खुशी होगी अगर वनवेब को मस्क से कम से कम कुछ दिन पहले सेवाएं शुरू करने की मंजूरी मिल जाए, क्योंकि वे उनसे कतार में बहुत आगे हैं। हाल ही में, एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया था कि कुछ प्रभावशाली उद्योगपति भारतीयों पर एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं और इसी वजह से वे स्टारलिंक को भारत में आने से रोक रहे हैं। इसके बाद उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को भारत का असली बॉस तक पूछ लिया था। मस्क के इन आरोपों पर संचार मंत्रालय ने अगले ही दिन जवाब देते हुए कहा था कि नियामकीय ढांचे या उसके क्रियान्वयन को अनुचित या भेदभावपूर्ण बताने वाली बात का कोई आधार नहीं है और यह गलतफहमी पर आधारित है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी पिछले सप्ताह स्पष्ट किया था कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता। यह पूरा घटनाक्रम भारत के महत्वाकांक्षी सैटकॉम बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को रेखांकित करता है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतें जस की तस

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को भी उपभोक्ताओं को रसोई गैस की कीमतों में कोई नई राहत नहीं दी है। देश भर में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित बने हुए हैं।

ओएमसी हर सुबह 6 बजे एलपीजी दरों को अपडेट करती हैं, लेकिन बुधवार को इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 939.50 रुपये पर स्थिर है, जबकि मुंबई में यह 941.50 रुपये और कोलकाता में 968.00 रुपये में उपभोक्ताओं को मिल रहा है। पटना जैसे शहरों में घरेलू सिलेंडर अभी भी 1,000 रुपये से अधिक (1,031.50 रुपये) में बिक रहा है, जिससे आम जनता की जेब पर बोझ बना हुआ है। इसी तरह होटल और रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं। दिल्ली में यह 2,810 रुपये प्रति सिलेंडर पर उपलब्ध है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 251, निफ्टी 99 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे ज्यादा बिकवाली फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्रों में रही जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 251.89 अंक फिसलकर 72,781.89 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 99.25 अंक नीचे आकर 22,622.70 के स्तर पर बंद हुआ हालांकि आईटी शेयरों में आई तेजी ने बाजार की गिरावट को कुछ हद तक रोका। बाजार जानकारों के अनुसार, सुबह के कारोबारी सत्र में निफ्टी एक बार 22,700 के महत्वपूर्ण स्तर को पार करने में सफल रहा था, लेकिन ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली और बिकवाली के दबाव के चलते यह अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सका। मुनाफावसूली के चलते सूचकांक एक समय गिरकर 22,558.95 के निचले स्तर तक चला गया था, लेकिन कारोबार के आखिरी घंटों में आई हल्की खरीदारी ने बाजार को थोड़ा सहारा दिया, जिससे यह अपने दिन के निचले स्तरों से कुछ ऊपर बंद हुआ। आज के कारोबारी सत्र में सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो फार्मा और हेल्थकेयर इंडेक्स में सबसे बड़ी



गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर दोनों ही अपने संबंधित सेक्टोरल इंडेक्स में सबसे कमजोर साबित हुए, जो बाजार की समग्र गिरावट के मुख्य कारणों में से एक था। इसके विपरीत, बाजार की गिरावट के बावजूद इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी शेयरों ने शानदार प्रदर्शन किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स आज सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाला सेक्टोरल इंडेक्स रहा, जिससे बाजार को कुछ हद तक संतुलन बनाए रखने में मदद मिली। दिग्गज शेयरों की स्थिति पर नजर डालें तो सेंसेक्स की टॉप 30 कंपनियों में से इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एनटीपीसी बढ़त के साथ बंद हुए। यह दिखात है कि आईटी और कुछ अन्य क्षेत्रों में निवेशकों का भरोसा बना रहा।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की तेजी के साथ ही 95.06 पर बंद हुआ। रुपया बुधवार आज सुबह शुरुआती कारोबार में 44 पैसे मजबूत होकर 94.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से डॉलर की निकट अवधि की मांग कम होने और विदेशी मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी पर अंकुश लगने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपये में पिछले तीन कारोबारी सत्रों में करीब दो फीसदी की मजबूती आई है। बुधवार को भी कारोबार की शुरुआत सकारात्मक रही। इसकी मुख्य वजह बाजार में उतार-चढ़ाव सीमित करने और सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए आरबीआई द्वारा लागू किए गए नियामकीय उपाय हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.05 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद मजबूत होकर 94.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 44 पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को 42 पैसे की बढ़त के साथ 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बी, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 102.11 पर रहा।

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग में 20 फीसदी उछाल

मजबूत मांग से 7,225 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट की प्रमुख कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में अपनी बिक्री बुकिंग में 20 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, जो 7,225 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि आवासीय क्षेत्र में मजबूत मांग और स्थापित व प्रतिष्ठित ब्रांड्स पर ग्राहकों के बढ़ते भरोसे ने इस उछाल में अहम भूमिका निभाई।

बेंगलुरु स्थित इस रियल एस्टेट दिग्गज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में उसके आवासीय कारोबार की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले सालाना आधार पर 20 प्रतिशत अधिक रही। इस दौरान कंपनी ने 58.4 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैली 3,910 आवासीय इकाइयां बेचीं। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी की कुल बिक्री बुकिंग 13,804.3 करोड़ रुपये रही, जिसमें 1.18 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 7,247 इकाइयों की बिक्री शामिल है। प्रेस्टीज समूह के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि हमारे आवासीय कारोबार में मांग लगातार अच्छी बनी हुई है। खास बात यह है कि हमारी नई परियोजनाओं को भी शानदार प्रतिक्रिया मिली है, यहां तक कि वे परियोजनाएं जो तिमाही के अंत में शुरू की गई थीं। प्रेस्टीज एस्टेट्स देश की एक अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी है जो प्रमुख शहरों में आवासीय, वाणिज्यिक, खुदरा, आतिथ्य और एकीकृत टाउनशिप परियोजनाओं का निर्माण करती है।

थोक मुद्रास्फीति में भारी उछाल, सितंबर में 11.39 फीसदी पर पहुंची

खाद्य पदार्थों, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि

नई दिल्ली ।

देश में महंगाई का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सितंबर 2026 में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 11.39 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, जो अगस्त में दर्ज 9.92 प्रतिशत से काफी अधिक है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, ईंधन एवं बिजली तथा विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने समग्र थोक महंगाई दर को ऊपर धकेल दिया है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 8.66 प्रतिशत हो गई। इसी तरह, विनिर्मित वस्तुओं में थोक मूल्य सूचकांक-आधारित मुद्रास्फीति 9.76 प्रतिशत के श्रृंखला के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो अगस्त में 8.37 प्रतिशत थी। ईंधन एवं बिजली की महंगाई भी 22.93 प्रतिशत से बढ़कर 25.85 प्रतिशत रही।

खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कोयले, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित कई क्षेत्रों में कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही जारी है।

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में



संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया था।

गौरतलब है कि थोक महंगाई के साथ-साथ खुदरा महंगाई भी सितंबर में 23 महीने के उच्चतम स्तर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जिससे आम लोगों पर दोहरी मार पड़ रही है।

त्योहारी सीजन में 7 लाख करोड़ से अधिक व्यापार का अनुमान- कैट

दुर्गा पूजा से शुरू हुई रौनक, दिवाली तक बाजार में दिखेगी बंपर खरीदारी

नई दिल्ली ।

देशभर में त्योहारी सीजन की धूम के साथ ही कारोबारियों के चेहरों पर भी रौनक आ गई है। व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस साल नवरात्रि से लेकर दिवाली तक 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार का अनुमान लगाया है, जो पिछले साल के मुकाबले काफी बेहतर रहने वाला है।

कैट के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन के दौरान देशभर में 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा पिछले साल के करीब 6.05 लाख करोड़ रुपए (जिसमें 5.40 लाख करोड़ का सामान और 65,000 करोड़ की सेवाएं शामिल थीं) के मुकाबले 15 से 18 फीसदी अधिक होगा।

कैट के एक अ धिकारी ने



बताया कि बाजार में अच्छी मांग के चलते यह वृद्धि संभव है। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में दुर्गा पूजा की शुरुआत हो चुकी है, वहीं उत्तर भारत में नवरात्रि से लेकर दिवाली तक खरीदारी का सिलसिला तेज होने की संभावना है। करवा चौथ, धनतेरस, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, छठ पूजा, गुरु नानक जयंती और तुलसी विवाह जैसे कई त्योहारों के चलते व्यापारिक गतिविधियों में लगातार तेजी बनी रहेगी।

चीन के साथ संबंध फिर से मजबूत करने की दिशा में प्रयास कर रहा भारत- गोयल

वाणिज्य मंत्री ने कहा- उचित शर्तों पर सभी देशों से सहयोग को तैयार

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को स्पष्ट किया कि भारत चीन के साथ अपने संबंधों को फिर से मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत है, हालांकि इस यात्रा का अंतिम पड़ाव अभी अनिश्चित है। 'ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम' में उन्होंने दोहराया कि भारत उचित शर्तों, सतत जुड़ाव और स्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के आधार पर किसी भी देश के साथ संयुक्त उद्यम के लिए तैयार है। गोयल ने स्वीकार किया कि अतीत में चीन के साथ भारत की कुछ चिंताएं रही हैं। गोयल की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 7.9 फीसदी बढ़कर 127.7 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में भारत का निर्यात 36.62 फीसदी बढ़कर 19.47 अरब डॉलर रहा, जबकि चीन से आयात 16 फीसदी बढ़कर 131.62 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे व्यापार घाटा बढ़कर 99.19 अरब डॉलर हो गया, जो भारत के लिए चिंता का विषय है। चीन से निवेश को लेकर भी भारत ने भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले एफडीआई के लिए नियम सख्त किए हैं।

एशियाई देशों को जापान का रेड अलर्ट, तेल भंडार मजबूत करने की अपील

पश्चिम एशिया तनाव से आपूर्ति बाधित होने की आशंका

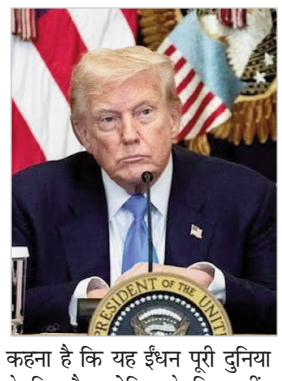
टोक्यो । एशिया के सबसे बड़े तेल आयातक जापान ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति बाधित होने के खतरे के मद्देनजर एशियाई देशों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। जापान ने सभी एशियाई देशों से अपने आपातकालीन तेल भंडार मजबूत करने और संभावित संकट से निपटने के लिए साझा रणनीतियां अपनाने की अपील की है। जापान के उद्योग मंत्री योंसेई अकाजावा ने तेल उत्पादक और आयातक देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर देते हुए चेताया कि संकट से पहले तेल भंडार मजबूत करना आवश्यक है। जापान ने रियाद में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा मंच और मनीला में एजीक की बैठकों में ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। इसके तहत, एशियाई देश आपूर्ति बाधित होने पर साझा भंडारण और आपातकाल में तेल जारी करने की व्यवस्था पर काम कर रहे हैं। जापान ने खुद को मध्य पूर्व के तेल उत्पादक और एशियाई आयातक देशों के बीच सहयोग का सेतु बनने की पेशकश भी की है। एशिया ज़ीरो एमिशन कम्युनिटी (एजेडईईसी) के सदस्य देशों ने भी तेल भंडार मजबूत करने की कार्ययोजनाओं पर सहमति जताई है। यह रणनीति स्वच्छ ऊर्जा योजनाओं को छोड़े बिना, तात्कालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी संकट के दौरान अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम करने पर केंद्रित है। जापान की इस व्यापक पहल का उद्देश्य ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है।

रूसी डीजल समझौते पर ट्रंप घिरे, वैश्विक बाजार को ठहराया वजह

सांसदों ने करार को 'दुश्मन को तोहफा' और 'सहयोगियों से विश्वासघात' बताया

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के साथ हुए डीजल आपूर्ति समझौते को लेकर द्विदलीय आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि रूस से मिलने वाला यह ईंधन वैश्विक बाजार में ऊंची कीमतों को स्थिर करने के लिए है, न कि सीधे अमेरिका के लिए। इस समझौते ने अमेरिकी कांग्रेस द्वारा रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले कानून के ठीक बाद विवाद खड़ा कर दिया है। ट्रंप ने 9 अक्टूबर को 3 लाख टन से अधिक रूसी डीजल की आपूर्ति की घोषणा की, जिसके बाद कुल 18 लाख टन तक की खेपें होंगी। इन खेपों के लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने अप्रैल 2027 तक रूसी डीजल पर वैश्विक प्रतिबंधों में अस्थायी ढील दी है। यह निर्णय नवंबर के अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले आया है, जब ईरान युद्ध से डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों दलों के सांसदों ने ट्रंप के इस कदम की कड़ी आलोचना की है। एक पत्र में उन्होंने इसे विरोधी को तोहफा और सहयोगियों से विश्वासघात बताते हुए तत्काल रद्द करने की मांग की। सांसदों ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने हाल ही में रूस पर व्यापक प्रतिबंध कानून पारित किया था, जिसका उद्देश्य रूस पर आर्थिक दबाव बनाना था। ट्रंप फिर भी अपने फैसले पर कायम हैं, उनका



कहना है कि यह ईंधन पूरी दुनिया के लिए है, अमेरिका के लिए नहीं।

बैंक ऑफ अमेरिका पर 1.2 अरब डॉलर का जुर्माना

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने कहा, बैंक की लापरवाही से वित्तीय प्रणाली में अवैध गतिविधियों का जोखिम बढ़ा



वॉशिंगटन ।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बैंक ऑफ अमेरिका (बीओए) पर धनशोधन रोधी (एएमएल) और प्रतिबंध संबंधी कानूनों के कथित उल्लंघन के लिए 1.2 अरब डॉलर का भारी जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना वित्त मंत्रालय के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा है, जो बैंक की विफलता से अमेरिकी वित्तीय प्रणाली के लिए पैदा हुए अवैध गतिविधियों के जोखिम को दर्शाता है।

वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे बड़े बैंकों की विफलता के गंभीर परिणाम होते हैं और यह अमेरिकी वित्तीय प्रणाली को अवैध गतिविधियों के लिए खोल सकती है। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी वित्तीय संस्थान कानून से ऊपर नहीं है। मंत्रालय के वित्तीय अपराध प्रवर्तन नेटवर्क (फिनसीईएन) ने राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों को कम करने व रिपोर्ट करने में बैंक की विफलता को जुर्माने का आधार बताया। इनमें चीन के धनशोधन नेटवर्क और अमेरिकी सीमा पर अवैध वित्तीय गतिविधियां शामिल थीं। बीओए ने ईरान, रूस और आतंकवाद से जुड़े प्रतिबंधों के उल्लंघन के लिए 1.16 करोड़ डॉलर के समझौते पर भी सहमति दी। बैंक ने 1970 के बैंक गोपनीयता कानून का जानबूझकर उल्लंघन करना स्वीकार किया है। बैंक ऑफ अमेरिका ने बयान में कहा कि वह वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है और नियामक मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैश्विक मांग से चीन का निर्यात उछला, यूरोप से व्यापार संतुलन पर बढ़ा दबाव

चीन का निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 36.3 प्रतिशत बढ़ा

हांगकांग ।

चीन का निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 36.3 प्रतिशत बढ़कर अर्थशास्त्रियों की उम्मीदों को पार कर गया, जिससे देश का व्यापार अधिशेष काफी बढ़ गया। हालांकि, इस शानदार वृद्धि के बावजूद, यूरोपीय संघ सहित प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की ओर से व्यापार असंतुलन को संतुलित करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। चीन के सीमा शुल्क विभाग के अनुसार सितंबर में निर्यात में यह वृद्धि अगस्त के 25 प्रतिशत से भी तेज रही। वहीं आयात में भी 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो अगस्त के 28.2 प्रतिशत से अधिक है। इसके परिणामस्वरूप, सितंबर में चीन का व्यापार अधिशेष बढ़कर 133.5 अरब डॉलर हो गया, जो अगस्त में 119.1 अरब डॉलर था। वर्ष के पहले नौ महीनों (जनवरी-सितंबर) में कुल व्यापार अधिशेष 938 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और यह पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड को पार कर सकता है। सेमीकंडक्टर और कारों जैसे उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पादों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मजबूत निर्यात ने इस वर्ष चीन की कुल आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया है, हालांकि, रियल एस्टेट क्षेत्र की मंदी के चलते घरेलू खपत और निवेश सुस्त बने हुए हैं। बीएनपी परिबास एसेट मैनेजमेंट की एकातेरिना बिगोस ने चेतावनी दी है कि चीन के निर्यात की मजबूती के सामने अब चुनौतियां बढ़ रही हैं, खासकर यूरोपीय संघ द्वारा उच्च मूल्य वाले निर्यात को निशाना बनाने की पहल के कारण। 27 देशों का यूरोपीय संघ चीन के साथ प्रतिदिन 1.1 अरब डॉलर से अधिक के व्यापार घाटे को कम करने में खास मुश्किलों का सामना कर रहा है। हाल ही में, यूरोपीय संघ के व्यापार प्रमुख मारोस सेफकोविच की बीजिंग यात्रा के दौरान, चीन के साथ हाइब्रिड कारों के आयात को अगले कुछ वर्षों में आधा करने पर समझौता हुआ है।



पेंच पार्क में दिखते हैं कुदरत के अनोखे रंग

महाराष्ट्र के नागपुर और मध्य प्रदेश के सिवनी के बीच 'पेंच नेशनल पार्क' ऐसी जगह है जहां रुखे व्यवहार वाला आदमी भी कुछ दिन रुक जाए तो वह भी काव्यात्मक लहजे में बातें करने लगेगा। पेंच की खूबसूरती को समझने के लिए 292 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस घने जंगल में आपको घूमना पड़ेगा।

जिन जगहों पर कुदरत दिल से मेहरबान रही है उनमें से पेंच भी एक है। पेंच आने वाले पर्यटकों का पहला सामना अपनी उछलकूद में मग्न बंदरों से होता है। कच्ची मगर सलीकेदार सड़क के चारों ओर घने झुरमुटों में से स्वछंद विचरते हिरण, सांभर और चीतल जरूर ठुमक कर पर्यटकों का स्वागत करते हैं मगर अपनी उत्सुक निगाहों को आप से हटा कर कुलाचें भरने का यह सिलसिला यहीं खत्म नहीं होता। हर दूसरे मोड़ पर ये दोबारा आपके सामने नजर आ जाते हैं।

पेंच में शेर का दिखना मौके की बात है। यहां विचरते समय बीच-बीच में आपको नीलगाय, जंगली भैंसा, जंगली सूअर और जंगली कुत्ता आदि के साथ ही अन्य जंगली जानवर भी देखने को मिलेंगे।

पेंच में कुछ घंटे गुजरने के साथ ही आपको खुद ब खुद महसूस होगा कि स्वच्छ हवा या आक्सीजन क्या होती है। सुबह-शाम पक्षियों की संगीतमय चहचहाहट के जादू से बच पाना भी किसी के बूते की बात नहीं है और न ही रंगबिरंगे पक्षी संसार को इतने नजदीक से देखने का अवसर चूकने की।

पेंच नेशनल पार्क में अब रुकना भी सरल हो गया है। मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों के प्रति अपनी गंभीरता को समझते हुए किपलिंग कोर्ट का निर्माण करवाया है। 20 कमरों का तमाम आधुनिक सुख-सुविधाएं लिए किपलिंग कोर्ट मोगली के जंगल में आप का घर ही है। किपलिंग कोर्ट के कमरे आम होटलों जैसे एक-



दूसरे से सटे नहीं हैं और न ही आमने-सामने हैं। यह एक छोटी बस्ती की तरह चारों तरफ दोमंजिला शक्ल में फैले हुए हैं।

नागपुर और सिवनी के बीच खवासा गांव उतर कर मात्र 10 किलोमीटर अंदर जाकर जब पेंच का जीवन तबियत से जीने की इच्छा हो तो जरूरी है कि आप चश्मा ले जाएं, दूरबीन भी और कैमरा भी। जीप से घूमते समय पानी की बोतल साथ रखें। खाने-पीने के लिए गेट पर काफी रेस्तरां हैं साथ ही वन विभाग की कैंटीन और रेस्ट हाउस भी यहां उपलब्ध हैं।

मौसम कोई भी हो, पेंच में सुबह-सुबह सर्दी का एहसास जरूर होता है। सर्दियों में शाम भले ही किपलिंग कोर्ट के अंदर कमरे में कुछ सोचते, गुनगुनाते, थिरकते या नीचे मैदान में बैठ साथी पर्यटकों से बातचीत करते गुजारी जाए लेकिन गर्मियों की शाम में अगर बगैर दीवारों वाले तितली रेस्तरां में कुछ ठंडा-गरम पिया जाए तो पेंच आने की कीमत वसूल हो जाती है।

वनों का सुंदर उपहार कोडैकनाल

कोडैकनाल भारत का एक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल है जो तमिलनाडु राज्य में बसा डिंडागुल जिले का एक शहर है। यह समुद्र तल से 2133 मीटर की ऊंचाई पर एक पठार के ऊपर है। तमिल में कोडैकनाल का अर्थ वन का उपहार है। कोडै शब्द के चार अलग-अलग अर्थ होते हैं- पहला 'जंगल का अंतिम छोर', दूसरा 'लताओं का जंगल', तीसरा 'गर्मियों का जंगल' और चौथा 'जंगल का उपहार'। यहां की प्राकृतिक सुंदरता के कारण इसे 'हिल स्टेशनों की राजकुमारी' भी कहते हैं

कोडैकनाल हिल रिजॉर्ट अपनी सुंदरता और शांत वातावरण से सबको सम्मोहित कर लेता है। यहां घूमने का मजा कुरिंजी नामक फूल के खिलने के समय दोगुना हो जाता है। हालांकि यह फूल बारह साल में एक बार खिलता है। यहां के लोग कुरिंजी के फूल को देखना अपनी शान समझते हैं। जब यह खिलता है तो पहाड़ियों की सुंदरता देखते बनती है। इसकी खुशबू मदहोश कर देने वाली होती है। विशाल चट्टान, शांत झील, फलों के बागीचे और पाइन के जंगलों से आती शुद्ध हवा यहां के वातावरण को सुगंधित और गुलजार बना देती है। कोडैकनाल का उल्लेख ईसा पूर्व के संगम साहित्य में मिलता है। पलानी हिल्स के आसपास के क्षेत्र में उस समय पेलियंस और पुलयंस नामक आदिम जनजाति निवास करती थी। 1845 में अंग्रेजों ने यहां हिल स्टेशन स्थापित किया था। ब्रिटिश प्रशासकों और मिशनरियों का यह पसं दीदा हिल स्टेशन था। कोडैकनाल की स्थापना 1863 में हुई थी। इस सूबसूरत शहर के दर्शनीय स्थल-

कोडैकनाल झील

इस खूबसूरत सितारानुमा झील का निर्माण एक अंग्रेज ने किया था। जो 60 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। इसके चारों ओर की हरियाली पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस झील का बोट क्लब रोमांचक रेसिंग ट्रिप की सुविधा उपलब्ध कराता है।

कोकर्स वाक

लेफ्टिनेंट कोकर के नाम से इस स्थान का नाम कोकर्स वाक पड़ा। कोकर ने कोडैकनाल का मानचित्र तैयार किया था। यह शहर से एक किलोमीटर दूर मनमोहक पर्यटन स्थल है। यहां से आसपास की पहाड़ियों तथा मदुरै शहर का दृश्य बहुत ही सुंदर दिखाई देता है। मैदानों से खूबसूरत दिलकश नजारों का लुत्फ लिया जा सकता है। यहां की प्रसिद्ध पिलर रॉक्स चट्टानें कोडैकनाल से 7.4 किलोमीटर दूर हैं। ये 122 मीटर ऊंची है, जो देखने में बहुत ही खूबसूरत लगती हैं। यह स्थान पिकनिक के लिए भी उपयुक्त है।

ब्रायंट पार्क

बेरियम झील के पूर्व दिशा में फैला ब्रांयट पार्क स्थित है। यह पार्क फूलों तथा संकर प्रजाति के विभिन्न पेड़-पौधों के लिए जाना जाता है। यहां एक ग्लास हाउस में विभिन्न किस्म के फूल खिले रहते हैं। मई महीने में यहां उद्यान मेला लगता है।

बेरियम झील

यह खूबसूरत झील पिकनिक के लिए लोकप्रिय स्थल है। प्राकृतिक सुंदरता से भरी यह झील कोडै कनाल बस स्टे शन से 21 किलोमीटर दूर है। इस झील से पेरियाकुलम नगर को पानी की सप्लाई होती है। झील की खोज और सुधार कार्य ब्रिटिश आर्मी कर्नल हेमिल्टन द्वारा 1864 में किया गया था।

शेनबागानूर संग्रहालय

झील से 5 किलोमीटर की दूरी पर यह संग्रहालय स्थित है। इसकी देखरेख सेक्रेड हार्ट कॉलेज द्वारा की जाती है। यहां का आर्किडोरियम भारत के सबसे बेहतर आर्किडोरियम में से एक माना जाता है।

कुरिंजी अंदावर मंदिर

यह मंदिर कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर है। यहां पर 'लार्ड मुरुगन' की एक आकर्षक प्रतिमा रखी हुई है। यहां से पलानी पहाड़ियों तथा वैगाई डैम का खूबसूरत दृश्य मन को मोह लेता है।

बीयरशोला फाल

यह खूबसूरत पिकनिक स्थल कोडैकनाल से 16 किलोमीटर दूर है। यहां अक्सर भालुओं को पानी पीते देख जा सकता है। भालुओं की उपस्थिति के कारण इस झरने का नाम बीयरशोला पड़ा।

सिल्वर कासकेड प्रपात

यह आकर्षक जलप्रपात कोडैकनाल झील से 8 किलोमीटर दूर है। झील का अतिरिक्त जल 180 फीट की ऊंचाई से झरने के रूप में गिरता है। यहां के शांत और सौम्य वातावरण का पर्यटक भरपूर आनंद लेते हैं।

बोट क्लब

यह बोट क्लब 1910 में स्थापित किया गया था। 1932 से पहले यह आम लोगों और पर्यटकों के लिए नहीं था। मात्र कुछ चुनिंदा सदस्य ही बोटिंग का आनंद ले सकते थे। बाद में पर्यटकों और आम लोगों को भी सुविधा दे दी गई।

वेधशाला

कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर स्थित इस वेधशाला का निर्माण 1899 में किया गया था। 2347 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह वेधशाला कोडैकनाल की सबसे ऊंची जगह है। यहां से प्रकृति का अद्भुत नजारा दिखता है।

टेलीस्कोप हाउस



घाटी और उसके आसपास की सुंदरता को देखने के लिए दो टे लीस्कोप हाउस स्थापित किये गये हैं। इसके अलावा सौर भौतिक वेधशाला, ग्रीन वैली व्यू, गुना गुफाएं, डॉल्फिन नोज, थालाइयर झरना आदि जगहों की सैर कर सकते हैं। फलों में नाशपाती के लिए यह जगह प्रसिद्ध है। चॉकलेट प्रेमियों के लिए यह स्वर्ग माना जाता है। साहसिक गतिविधियों में ट्रैकिंग, बोटिंग, हॉर्स राइडिंग और साइकिलिंग का आनंद लिया जा सकता है।

कब और कैसे जाएं

सालभर मौसम अच्छा रहता है। वैसे, अच्छा समय अप्रैल से अगस्त उत्तम है। सर्दियों के दौरान इस जगह की यात्रा अच्छी रहती है। निकटतम हवाई अड्डा मदुरै है, जो यहां से 120 किलोमीटर दूर है। यहां से बस या टैक्सी द्वारा कोडैकनाल पहुंच सकते हैं। रेल मार्ग के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन कोडै रोड है, जो कोडैकनाल से 80 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग के लिए दक्षिण भारत के कई मुख्य शहरों से सीधी बस सेवा द्वारा जुड़ा है।



सागर किनारे लक्षद्वीप

अरब सागर की गोद में बैठे छोटे ये द्वीप अपनी सुंदरता में अद्वितीय और आकर्षक हैं। ये भारत के दक्षिण-पश्चिम किनारे पर स्थित हैं। मुख्य भूमि से दूर इनका प्राकृतिक सौंदर्य, प्रदूषणमुक्त वातावरण, चारों ओर समुद्र और इसका पारदर्शी तल पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

समुद्री जल में तैरती असंख्य प्रजातियों की रंगबिरंगी मछलियाँ इन द्वीपों की सुंदरता को चार चाँद लगा देती हैं। हर द्वीप पर नारियल व पाम के झूमते हरे-भरे वृक्ष हैं। और साथ है कोरा-कुँवारा समुद्र जिसका नीला पानी आपको अनोखी पवित्रता का अहसास कराता है।

लक्षद्वीप भारत के एकमात्र मूँगा द्वीप हैं। इन द्वीपों की श्रृंखला मूँगा एटोल हैं। एटोल मूँगे के द्वारा बनाया गई ऐसी रचना है जो समुद्र की सतह पर पानी और हवा मिलने पर बनती है। सिर्फ इन्हीं परिस्थितियों में मूँगा जीवित रह सकता है। यहाँ के निवासी केरल के निवासियों से बहुत मिलते-जुलते हैं। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है। अब केंद्र सरकार इन द्वीपों का पर्यटन की दृष्टि से तेजी से विकास कर रही है।

समुद्र जल में जो जीव सृष्टि है, वह धरातल के ऊपर के प्राणियों से कम सुंदर और आकर्षक नहीं है। ये द्वीप प्रकृति की एक अद्भुत देन हैं। यह आश्चर्य की बात है कि यहाँ की धरती का निर्माण मूँगों द्वारा किया गया। उन्होंने ही मानव के रहन-सहन के उपयुक्त बनाया। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है।

द्वीप

अगत्ती लक्षद्वीप का बेहद खूबसूरत लैगून में से



है। यहाँ एयरपोर्ट भी है। लक्षद्वीप में यहीं से प्रवेश किया जाता है। यहीं पर 20 बिस्तरों वाला एक पर्यटक काम्पलैक्स भी है।

बंगारम

आँसू के आकार के इस द्वीप में चारों ओर क्रीमी रंग की रेत बिखरी हुई है। लक्षद्वीप के हर द्वीप की तरह यहाँ भी नारियल के वृक्ष सघन मात्रा में हैं जो दिन की तीखी गर्मी में भी ठंडक देते हैं।

कवरत्ती

कवरत्ती यहाँ की प्रशासनिक राजधानी है। यह सबसे अधिक विकसित भी है साथ ही यहाँ द्वीपवासियों के अलावा अन्य लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। पूरे द्वीप में 52 मस्जिद हैं, सबसे खूबसूरत मस्जिद है उज्र मस्जिद। कहा जाता है कि यहाँ के पानी में चमत्कारी शक्ति है।

इस द्वीप में एक्वेरियम भी है जिसमें सुंदर मछलियों की प्रजातियाँ हैं। यहाँ काँच की तली वाली नौका में बैठकर आप समुद्री दुनिया का नजारा ले सकते हैं। इसके अलावा यहाँ वाटर स्पोर्ट्स जैसे केयाकिंग, कनोइंग और स्नोरकेलिंग का मजा भी ले सकते हैं।

कालपेनी

यहाँ तीन द्वीप हैं जिनमें आबादी नहीं है। इनके चारों ओर लैगून की सुंदरता देखने लायक है। कूमेल एक खाड़ी है जहाँ पर्यटन की पूरी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ से पित्ती और थिलक्कम नाम के दो द्वीपों को देखा जा सकता है। यहाँ आप तैर सकते हैं, रीफ पर चल सकते हैं, नौका में बैठकर घूम सकते हैं और कई वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं।

कदमठ

एक जैसी गहराई और दूर अनंत तक जाते किनारे कदमठ को स्वर्ग बनाते हैं। यही एकमात्र द्वीप है जिसके पूर्वी और पश्चिमी दोनों ओर लैगून हैं। यहाँ वाटर स्पोर्ट्स की बेहतरीन सुविधाएँ हैं।

मिनिकॉय

यह कवरत्ती से 200 किमी दूर दक्षिण में है। मालदीव के करीब होने के कारण यहाँ भिन्न संस्कृति के दर्शन होते हैं। मिनिकॉय नृत्य परंपरा के मामले में बेहद समृद्ध है। विशेष अवसर पर यहाँ लावा नृत्य किया जाता है। यहाँ खासकर तूना मछली का शिकार और नौका की सैर आनंददायी है। अँग्रेजों के द्वारा 1885 में बनवाया गया प्रकाश स्तंभ देखने लायक है, पर्यटक यहाँ ऊपर तक जा सकते हैं।

कैसे जाएँ

हवाई मार्ग से कोचीन से अगत्ती द्वीप तक सीधी हवाई सेवा है। अगत्ती से हेलिकॉप्टर या बोट के माध्यम से आगे जाया जा सकता है। दूसरे द्वीपों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा उपलब्ध है। पानी के जहाज से केरल के कोचीन से जहाज की सेवा भी उपलब्ध है।

कब जाएँ

अक्टूबर-नवंबर में यहाँ बारिश होती है और पानी के जहाज चलना बंद हो जाते हैं। फिर भी हेलिकॉप्टर के माध्यम से आप यहाँ जा सकते हैं। इन दिनों मौसम कुछ ठंडा हो जाता है लेकिन अन्य दिनों में गर्मी रहती है।

चैंपियंस लीग: बार्सिलोना ने गैलाटसराय को 4-1 से हराया

बायर्न म्यूनिख और वाइकिंग का मैच ड्रॉ रहा

इस्तांबुल । बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत को जारी रखते हुए यूरोप के सबसे खतरनाक मैदानों में से एक आरएएमएस पार्क में गैलाटसराय को 4-1 से हरा दिया। वहीं बायर्न म्यूनिख को नॉर्वे में वाइकिंग एफके ने 3-3 से ड्रॉ पर रोककर बड़ा उलटफेर किया। इस्तांबुल में खेले गए मैच में मेजबान गैलाटसराय ने तेज शुरुआत की। अलेक्सई बत्राकोव के डिफ्लेक्टेड शॉट से गैलाटसराय ने बढ़त ले ली और पहले हाफ में बार्सा दबाव में दिखा। लेकिन हाफटाइम से ठीक पहले जोआओ कैंसेलो ने सूझबूझ भरी फिनिश से स्कोर 1-1 कर दिया।



दूसरे हाफ में बार्सिलोना पूरी तरह बदल गया। कोच हांसी फ्लिक की टीम ने इंटरवल के बाद सिर्फ तीन मिनट में दो गोल दागकर मैच अपने काबू में कर लिया। पहले लैमिन यामल ने शानदार खेल दिखाते हुए फर्मिन लोपेज के लिए सटीक पास दिया, जिस पर लोपेज ने हेडर से गोल किया। इसके तुरंत बाद यामल ने ही एंथनी गॉर्डन को गोल के लिए असिस्ट किया। मैच के आखिरी हिस्से में सब्स्टीट्यूट करीम अदेयेमी ने एक शानदार स्ट्राइक से चौथा गोल कर बार्सा की जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत से बार्सिलोना ने लीग फेज में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आर्सेनल ने लिली को 3-0 से हराया 7 मिनट में दागे तीनों गोल



नई दिल्ली । आर्सेनल ने चैंपियंस लीग में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए लिली पर 3-0 से जीत हासिल की। आर्सेनल ने दूसरे हाफ के सिर्फ सात मिनट में तीन गोल करते हुए करिश्माई अंदाज में मैच अपने नाम किया। टीम की इस सीजन के लीग फेज में यह दूसरी जीत थी। फ्रेंच टीम लिली ने पहले 45 मिनट में आर्सेनल को बांधे रखा और डिफेंस में कोई बड़ी चूक नहीं की। लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल ने अपना दबाव कई गुना बढ़ा दिया। दूसरे हाफ के शुरुआती 15 मिनट में लिली को अपने हाफ से निकलने का मौका तक नहीं मिला। आखिरकार 64वें मिनट में गतिरोध टूटा। जुरियन टिम्बर ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया। इस गोल के तीन मिनट बाद ही आर्सेनल ने बढ़त दोगुनी कर दी। एक बार फिर टिम्बर ने हाई प्रेस करके गेंद जीती। मार्टिन ओडेगार्ड ने गेंद को आगे बढ़ाया और फिर बुकायो साका के जरिए गेंद एबेरे एजे के पास पहुंची, जिन्होंने बॉक्स के अंदर से सटीक फिनिश किया। 71वें मिनट में आर्सेनल ने तीसरा गोल करते हुए मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। यह गोल तीनों सब्स्टीट्यूट का कमाल था। काई हैवर्ट्ज, ओडेगार्ड और साका के बीच शानदार वन-टू हुआ। हैवर्ट्ज ने गेंद साका को लौटाई और साका ने ठंडे दिमाग से गेंद को नीचे के कोने में स्लाइड कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक बड़ा टी20 रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फरहान ने अभिषेक को पीछे छोड़ते हुए एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली गई। पाकिस्तान ने ये सीरीज 2-1 से जीती। साहिबजादा फरहान के लिए कप्तानी के साथ ही बतौर बल्लेबाज भी श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज यादगार रही है। फरहान ने तीनों ही मैचों में अर्धशतक लगाते हुए 238 रन बनाए और तीन टी20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा



रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पिछला रिकॉर्ड भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम था। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेली गई तीन टी20 मैचों की सीरीज में 229 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो हैं। मुनरो ने 2023-24 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 223 रन बनाए थे। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 217 रन बनाए थे। पांचवें स्थान पर अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई हैं। जजई ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 204 रन बनाए थे।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा, विकम को मौका

एंटीगुआ । बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। रोस्टन चेस की कप्तानी वाली टीम में केविन विकम को पहली बार मौका दिया गया है। सीरीज का पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से मीरपुर में और दूसरा 5 नवंबर को सिलहट में शुरू होगा। केविन विकम को 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। 23 साल के इस बल्लेबाज ने चैंपियनशिप में लगातार तीन



शतकीय पारियां खेली थीं। 25 प्रथम श्रेणी मैचों में 40 से ऊपर की औसत से रन बनाने वाले केविन 6 शतक लगा चुके हैं। वह मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज हैं। व्हाइट-बॉल टीम के कप्तान शाई होप को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को रूटीन मेडिकल जांच और विशेषज्ञों की सलाह के बाद सीरीज से हटा दिया गया है। जोसेफ की सहमति से, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके वर्कलोड को मैनेज करने का फैसला किया है। हालांकि, वह छोटे फॉर्मेट में टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर कीमो पॉल को सीरीज के लिए जोसेफ की जगह बुलाया गया है। जॉन कैंपबेल ने हैमस्ट्रिंग इंजरी से रिकवर करते हुए टीम में वापसी की है। इसके अलावा, गर्मियों में श्रीलंका को हराने और पाकिस्तान के साथ ड्रॉ खेलने वाली स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है।



राफेल जोडर का शानदार प्रदर्शन जारी

शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले बने दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी

शंघाई । राफेल जोडर ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए लगातार तीसरे मैच में एक सेट गंवाने के बाद वापसी की और शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह टूर्नामेंट इस सीजन के सबसे बड़े एटीपी मास्टर्स 1000 आयोजनों में से एक है। 20 वर्षीय जोडर ने नीदरलैंड्स के बोटिक वैन डी जैंडशल्प को 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7(4), 6-4, 6-2 से हराया। पहला सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोडर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टर फाइनलिस्ट जैकब मेन्सिक हैं, जो 19 साल की उम्र में शंघाई मास्टर्स 2024 में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डी जैंडशल्प ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके बाद उन्होंने टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, राफेल जोडर ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट से अपनी लय पकड़नी शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने मैच पर नियंत्रण बना लिया और शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एटीपी टूर की रिपोर्ट के अनुसार, यह उनका शंघाई में पहला टूर्नामेंट था।

इस जीत के साथ एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं। 20 वर्षीय जोडर एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे हैं और इस साल उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 41-16 हो गया है।

पुरुष हॉकी टीम का ऐलान

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण पाठक की वापसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली 'एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026' के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जिताया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्वीपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी।

इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की वापसी हुई है, जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लकरा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालागे को सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने का एक और मौका मिला है। 18 सदस्यीय प्लेइंग स्क्वाड के अलावा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को दो रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर चुना



गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा। इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ उठाने के लिए बेताब हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है, और हमने इसे बहुत मिस किया है।'

यह टूर्नामेंट खास महत्व रखता है, क्योंकि इससे पंजाब में इंटरनेशनल हॉकी की वापसी हो रही है। इस राज्य ने खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है और कई पीढ़ियों तक शानदार खिलाड़ी दिए हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर : सूरज करकेरा, कृष्ण बहादुर पाठक **डिफेंडर :** संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमनदीप लकरा **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह **फॉरवर्ड :** शिलानंद लकरा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह
रिजर्व/रिप्लेसमेंट खिलाड़ी : विष्णु कांत सिंह, अंगद बीर सिंह

हरमनप्रीत बोले-पहली बार मेरे पिता मुझे देखेंगे लाइव खेलते



नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि मेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 भारतीय टीम के लिए एक खास अवसर है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में खेला जाएगा और इसके साथ ही राज्य में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। भारत इस छह टीमों वाले टूर्नामेंट में मलेशिया, साउथ कोरिया, चीन, जापान और बांग्लादेश के साथ मुकाबला करेगा। टूर्नामेंट का आयोजन जालंधर और मोहाली में किया जाएगा। 2023 में चेन्नई में आयोजन के बाद यह दूसरी बार होगा जब भारत पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा। हरमनप्रीत के लिए इस टूर्नामेंट का खास महत्व है क्योंकि भारतीय कप्तान को अपने गृह राज्य में परिवार के सदस्यों के सामने इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका मिलेगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'यह पूरी टीम के लिए खासकर पंजाब के खिलाड़ियों के लिए एक खास मौका होगा क्योंकि यह पहली बार है जब हम पंजाब में किसी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत की जर्सी पहनकर खेलेंगे।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'उम्मीद है कि मेरा पूरा परिवार स्टेडियम में मौजूद रहेगा और पहली बार मुझे एक साथ इंटरनेशनल मैच खेलते हुए देखेगा। इसमें मेरे पिता भी शामिल होंगे, जिन्होंने मुझे कभी स्टेडियम में बैठकर देश के लिए खेलते हुए नहीं देखा है।' हरमनप्रीत देश के पहले ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने लगातार दो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम का नेतृत्व किया है।

इस टूर्नामेंट से भारतीय हॉकी में पंजाब के लंबे समय से चले आ रहे योगदान पर भी ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है। ग्रासरूट अकादमियों और गांवों के खेल के मैदानों से लेकर इंटरनेशनल मंच तक, इस राज्य ने देश के कुछ सबसे मशहूर खिलाड़ी दिए हैं, जिनमें उधम सिंह, बलबीर सिंह सीनियर, मनप्रीत सिंह और खुद हरमनप्रीत सिंह शामिल हैं।

खासकर जालंधर का इस खेल के इतिहास से गहरा नाता रहा है, जहां संसारपुर और मीठापुर जैसे इलाकों में हॉकी खेलने वाले समुदायों ने कई पीढ़ियों तक प्रतिभाओं को निखारा है। बर्लटन पार्क स्थित ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक ओपनिंग सेरेमनी और लीग-स्टेज के मैच होंगे।

बर्थडे स्पेशल

75 और 97 ही नहीं गौतम गंभीर की 137 रन की पारी भी थी यादगार



नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर बतौर क्रिकेटर भी टीम इंडिया के लिए बेहद सफल रहे हैं। अपने समय के बेहतरीन ओपनर रहे गंभीर के करियर की सबसे यादगार पारियों में टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 और वनडे विश्व कप 2011 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ खेली 97 रन की मैच-विजयी पारियां हमेशा अहम रहेंगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में भी गंभीर ने ऐसी कई पारियां खेली हैं, जो बतौर बल्लेबाज उनकी संपूर्णता का उदाहरण हैं।

गौतम गंभीर ने अपने टेस्ट करियर में देश और विदेश में कई प्रशंसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के नेपियर में 2009 में खेली गई 137 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अद्भुत और बेहतरीन पारी मानी जाती है। गंभीर की उस पारी ने भारत को हार से बचाया था।

हमने बहुत गलतियां की, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा: हैरी केन



स्टावांगर । बेयर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने टीम की रक्षात्मक गलतियों पर निराशा जताई है। यूईएफए चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज मुकाबले में बेयर्न म्यूनिख को वाइकिंग एफके के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलना पड़ा, जबकि टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बढ़त हासिल कर ली थी। केन ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जिससे बेयर्न ने 2-0 से पिछड़ने के बाद मैच में वापसी की। इसके बाद लुइस डियाज ने गोल करके टीम को बढ़त भी दिला दी। हालांकि, माइकल ओलिस को रेड कार्ड मिलने के बाद मुकाबले का रुख बदल गया और बेयर्न को अंतिम समय में दबाव झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए वाइकिंग एफके के हरमन हॉगेन ने मैच के अंतिम चरण में बराबरी का गोल कर दिया, जिससे मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। नतीजे पर प्रतिक्रिया देते हुए केन ने कहा कि पहले हाफ में टीम संघर्ष करती दिखी, लेकिन ब्रेक के बाद खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके मुताबिक, दूसरे हाफ में बेयर्न ने इतना अच्छा खेल दिखाया कि वह मैच जीत सकता था। हालांकि, रेड कार्ड और बाद की रक्षात्मक चूक के कारण टीम अपनी बढ़त कायम नहीं रख सकी और जीत हाथ से निकल गई।

मैच के बाद केन ने कहा, 'पहला हाफ हमारे लिए खराब रहा। हमने दूसरे हाफ में बहुत बेहतर खेल दिखाया। हम बेहतर टीम थे, मौके बनाए और खेल को 3-2 से अपने पक्ष में कर लिया था। फिर रेड कार्ड ने जाहिर तौर पर सब कुछ बदल दिया, खासकर आखिरी 15 से 20 मिनट में। हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ बहुत सारी आसान गलतियां कीं।

आईसीसी रैंकिंग

एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट को मिला दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की शानदार शुरुआत का असर ताजा आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में भी देखने को मिला है। एलिस पेरी बल्लेबाजों की टॉप 10 सूची में वापस आ गई हैं, जबकि एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पांच में पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है और ब्रिस्बेन में खेले गए शुरुआती दो मैचों में कई खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए पहले वनडे में सदरलैंड का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने चार विकेट लिए और फिर नाबाद 25 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।



मणि रत्नम के साथ काम करना जिंदगी बदलने वाला अनुभव

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के लिए कला का मतलब सिर्फ अभिनय या फैशन तक सीमित नहीं है। उनके लिए यह खुद को पहचानने, अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करने और हर नए अनुभव से कुछ सीखने का सफर है। बचपन के सपनों से लेकर अपने करियर को नई दिशा देने वाले फिल्मकारों तक, अदिति ने हमेशा अपने भीतर की जिज्ञासा को जिंदा रखने की कोशिश की है।

फेमिना के सितंबर-अक्टूबर 2026 अंक की कवर स्टोरी में अदिति ने सिनेमा, फैशन, अपनी कलात्मक पहचान और निजी भावनाओं को पर्दे पर उतारने के अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके जीवन में परिवार की सीख और फिल्मकार मणि रत्नम के साथ काम करने के अनुभव ने कितनी अहम भूमिका निभाई है।

अदिति की कलात्मक सोच को आकार देने में उनके परिवार और बचपन के माहौल का बड़ा योगदान रहा है। वह बताती हैं कि उनकी मां की एक सीख आज भी उनके साथ है। अदिति के मुताबिक, उनकी मां ने उनसे कहा था, 'अगर आप सच में एक कलाकार हैं, तो कोई आपको कमतर नहीं आंक सकता। जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन सृजन करने की क्षमता आपके भीतर होती है। यही आपका सबसे बड़ा उपहार है, इरादे और प्रेम के साथ लगातार कुछ नया रचते रहना।' अदिति के लिए यह विचार उनके काम का मूल आधार है। वह अपने करियर को सिर्फ उपलब्धियों के तराजू पर नहीं तौलतीं, बल्कि इस बात को भी अहम मानती हैं कि वह अपने काम के जरिए क्या नया सीख रही हैं और किस तरह अपनी रचनात्मकता को आगे बढ़ा रही हैं।

अतीत से ज्यादा भविष्य को लेकर उत्सुक हैं अदिति

अपने करियर में कई यादगार भूमिकाएं और महत्वपूर्ण सहयोग करने के बावजूद अदिति पीछे मुड़कर देखने के बजाय वर्तमान में जीना पसंद करती हैं। वह कहती हैं, 'मैं शायद ही कभी पीछे मुड़कर देखती हूं। मैं वर्तमान में जीना चाहती हूं, उससे सीखना और उसका जश्न मनाना चाहती हूं। मैं भविष्य को लेकर उत्सुक हूं।' उनकी यह सोच बताती है कि वह पुरानी सफलताओं में उलझे रहने के बजाय नए अनुभवों और संभावनाओं के लिए खुद को खुला रखना चाहती हैं।

अदिति के दिल में फिल्मकार मणि रत्नम की फिल्मों के लिए खास जगह रही है। वह उनकी फिल्में देखकर इतनी प्रभावित हुई थीं कि बचपन में उन्हीं की फिल्मों की नायिका बनने का सपना देखने लगी थीं। जब उन्हें उनके साथ काम करने का अवसर मिला, तो यह अनुभव उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। अदिति कहती हैं, 'मणि रत्नम के साथ काम करने ने मेरी जिंदगी को हर तरह से बदल दिया। इससे मुझे अपने सपनों पर विश्वास हुआ। मुझे महसूस हुआ कि मुझे समझा और पहचाना जा रहा है। इस अनुभव ने मुझे अपने भीतर के उस जिज्ञासु पांच साल के बच्चे को सहजता से स्वीकार करने का साहस दिया।' उनकी बातों से साफ है कि इस सहयोग ने सिर्फ उनके पेशेवर सफर को ही नहीं, बल्कि खुद को देखने और समझने के नजरिए को भी प्रभावित किया।



कैमरे के सामने अपनी निजी भावनाएं खोलना आसान नहीं

अभिनय की दुनिया में कलाकारों को कई बार ऐसी भावनाएं पर्दे पर दिखानी पड़ती हैं, जिन्हें वे अपनी निजी जिंदगी में दूसरों से साझा नहीं करते। अदिति भी इस अनुभव को दिलचस्प और संवेदनशील मानती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे यह बात दिलचस्प लगती है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान हम अपने दिल और दिमाग के बेहद संवेदनशील हिस्सों को सामने लाते हैं और फिर उन्हें पूरी दुनिया के साथ साझा कर देते हैं। गुस्सा, आंसू, प्यार और ऐसी ही कई भावनाएं हम अपनी निजी जिंदगी में बहुत संभालकर रखते हैं, लेकिन कैमरे के सामने उन्हें जाहिर कर देते हैं।' अदिति के मुताबिक, अभिनय की यही प्रक्रिया कलाकार को अपनी भावनाओं के उन पहलुओं से रूबरू कराती है, जिन्हें आमतौर पर वह निजी दायरे में ही रखना पसंद करता है।



मां बनने के बाद अब ये ध्यान में रखकर चुनती हैं फिल्में

श्रिया सरन ने हाल ही में 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की है। एक्ट्रेस ने बताया कि नई मां होने के नाते फिल्म की टीम ने उनकी जरूरतों का खास ध्यान रखा। इसके अलावा मां बनने के बाद अब वो फिल्में क्या सोचकर चुनती हैं? इस पर भी एक्ट्रेस ने खुलासा किया है।

वे मेरे लिए बहुत सपोर्टिव थे

बातचीत में श्रिया ने बताया कि जब उन्होंने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की थी, तब उनकी बेटी सिर्फ 8 महीने की थी। वहीं, 'दृश्यम 3' के समय उनकी बेटी थोड़ी बड़ी हो चुकी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब मैंने 'दृश्यम 2' की थी, तब मेरी बेटी 8 महीने की थी। और पार्ट 3 में, जाहिर है, वह बड़ी हो गई है। लेकिन टीम बहुत सपोर्टिव थी। शूटिंग के बाद वो मुझे पहले भेज देते थे, कई बार अजय सर से भी पहले, क्योंकि वे कहते थे कि वह नई मां हैं। वे बहुत दयालु और प्यारे हैं और मैं उनकी आभारी हूं।'

ये सोचकर करती हैं फिल्में

श्रिया ने यह भी बताया कि मां बनने के बाद फिल्मों को चुनने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह इस बात का भी ध्यान रखती हैं कि एक दिन उनकी बेटी उन्हें पर्दे पर देखेगी। उन्होंने कहा, 'हां, मुझे इसका ध्यान रखना पड़ता है। मैं अपनी बेटी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहती हूं और ऐसी फिल्में करना चाहती हूं, जिन पर मुझे पता हो कि एक दिन मेरी बेटी को मुझ पर गर्व होगा। मैं चाहती हूं कि वह बड़ी होकर कहे, 'मामा, वह बहुत अच्छी फिल्म थी और मुझे खुशी है कि आपने यह फिल्म की।'



दंगल की इमेज में बंधना नहीं चाहती थी, हर किरदार नई शुरुआत जैसा है

फातिमा सना शेख हाल ही में जियोहॉटस्टार पर आई सीरीज 'हुंकार' में दिखीं। उनके मुताबिक, 'मॉडर्न लव मुंबई' से लेकर 'हुंकार' की जसलीन तक उनकी कोशिश खुद को किसी एक इमेज में सीमित न रखने की रही है। फातिमा के मुताबिक, 'दंगल' उनके करियर का अहम पड़ाव जरूर है, लेकिन वह उस फिल्म या गीता फोगाट की छवि को पकड़कर आगे नहीं बढ़ना चाहती थीं। हर नया किरदार उनके लिए एक नई शुरुआत है।

'दंगल' की गीता और 'हुंकार की जसलीन अलग हैं...

फातिमा कहती हैं... 'अगर मैं पिछले किरदार को पकड़कर चलूंगी तो मौजूदा किरदार नहीं कर पाऊंगी। एक्टर की उम्र, अनुभव और सोच बदलती रहती है। इसलिए हर नए किरदार के साथ खुद को फिर से ढालना जरूरी है। अलग-अलग किरदारों में एक जैसी सोच तलाशना एक्टिंग प्रोसेस को जेनेरिक बना सकता है। 'दंगल' की गीता और 'हुंकार' की जसलीन अलग दुनिया से आती हैं, इसलिए दोनों को एक नजर से देखना सही नहीं होगा। अगर हर किरदार को एक ही रंग में देखेंगे तो सब एक जैसे ही हो जाएंगे।'

किरदार को सिर्फ बाहर से ही जानना पर्याप्त नहीं...

फातिमा ने कहा...' हुंकार' में पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए मैंने किसी खास पुलिस अफसर की बॉडी लैंग्वेज या व्यवहार को कॉपी नहीं किया। यहां मेरे लिए ज्यादा जरूरी था कि मैं यह समझें कि यह महिला किस तरह सोचती होगी। किसी किरदार को सिर्फ बाहर से पकड़ना मेरे लिए पर्याप्त नहीं है। उसकी थॉट प्रोसेस समझना जरूरी है। वह किसी परिस्थिति में क्यों वैसा फैसला लेती है, उसके अंदर क्या चल रहा है, लोगों को किस तरह देखती है-इन सवालों के जवाब किरदार को भीतर से बनाने में मदद करते हैं।'

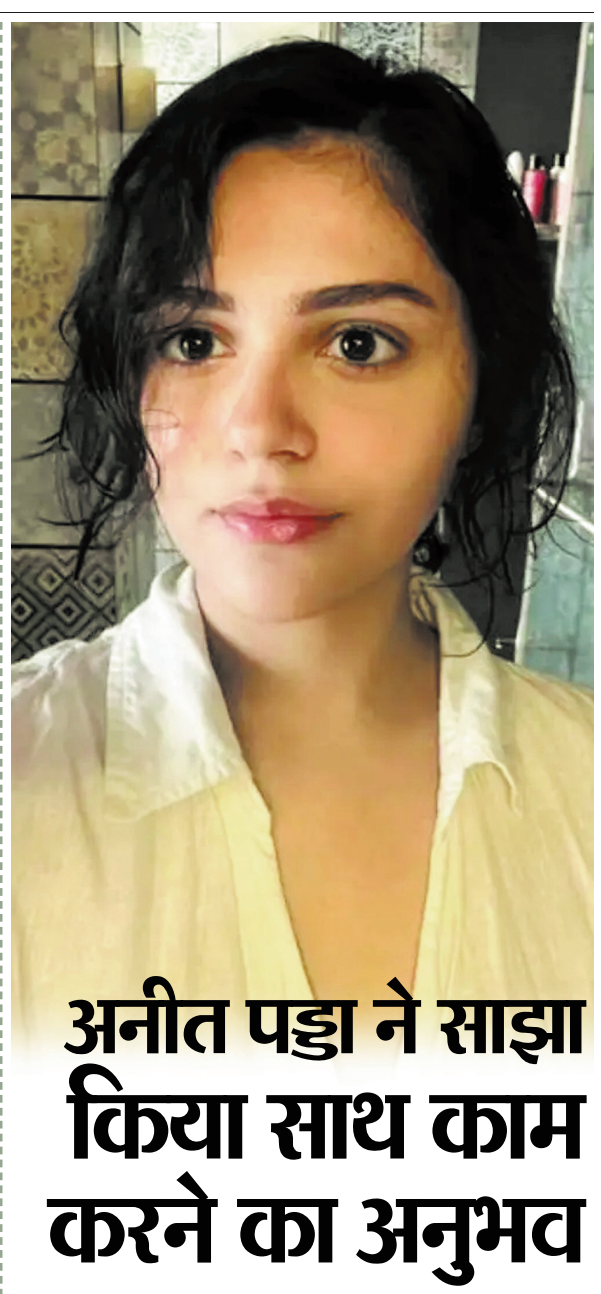


गीता के लिए मैंने एक रेसलर की बॉडी लैंग्वेज समझी थी

'दंगल' के लिए मैंने रियल लाइफ रेसलर गीता फोगाट से प्रेरणा नहीं ली बल्कि दूसरे रियल लाइफ रेस्लर से प्रेरण ली थी। मैंने गीता की बॉडी लैंग्वेज हूबहू कॉपी नहीं की। सामान्य तौर पर यह समझने की कोशिश की कि एक रेसलर की बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है, क्योंकि स्वाभाविक रूप से खिलाड़ियों में कुछ चीजें कॉमन होती हैं। उनका उठना-बैठना, शरीर का इस्तेमाल, मूवमेंट और अपने शरीर को लेकर जागरूकता, इन सबको समझना जरूरी था। मेरे लिए यह किसी की नकल करने से ज्यादा उसकी दुनिया को समझना था।

मलयालम सिनेमा के महिला किरदार आकर्षित करते हैं...

फातिमा अलग-अलग रीजनल इंडस्ट्रीज में भी काम करना चाहती हैं। वे कहती हैं... 'खासतौर पर मुझे मलयालम सिनेमा के महिला किरदार आकर्षित करते हैं, क्योंकि उनमें महिलाओं की अपनी इच्छाएं, फैसले और नजरिया दिखाई देता है। मैं किसी भाषा के लिए नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और चुनौतीपूर्ण किरदार के लिए दूसरी इंडस्ट्री में जाना चाहती हूं। मेरे लिए 'दंगल' जर्नी का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन पूरी जर्नी नहीं। हर नया किरदार मेरे लिए फिर से नई शुरुआत है।'



अनीत पड्डा ने साझा किया साथ काम करने का अनुभव

हाल ही में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार नाना पाटेकर का निधन हो गया। उनके निधन पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने शोक जताया है। इस लिस्ट में अब 'सैयारा' फेम अभिनेत्री अनीत पड्डा का नाम जुड़ गया है। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' के साथी कलाकार नाना पाटेकर को याद किया है। उन्होंने एक भावुक पोस्ट लिखी और कलाकार से सीखी गई चीजों के बारे में बताया।

अनीत पड्डा ने नाना पाटेकर के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए लिखा, 'जब मैं पहली बार नाना पाटेकर सर से मिली, तो मैं मुश्किल से ही कुछ बोल पाई। मुझे लगता है कि मैं बस उस पल को महसूस कर रही थी। इतने ईमानदार, बेबाक और बिना किसी दिखावे के खुद जैसे रहने वाले व्यक्ति के सामने बैठना अपने आप में एक अनोखा अनुभव था।'



अभिनेत्री ने नाना की जिंदगी और सिनेमा को देखने के अनोखे नजरिए के बारे में भी बात की। उन्होंने लिखा 'वह ऐसे इंसान थे जिन्होंने अपनी शर्तों पर जिंदगी जी, शोहरत के शोर के बजाय सादगी को चुना और आपको याद दिलाया कि असल में कलाकार होने का क्या मतलब होता है। उन्हें बोलते हुए सुनना, काम करते हुए देखना और बस उनके आस-पास रहना, एक ऐसा सबक था जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी।'

अनीत ने आगे लिखा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही उनसे मिलना और फिर उनके साथ काम करना, ऐसी बात है जिसके लिए मैं हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी। उन्हें बस देखते हुए ही मैंने बहुत कुछ सीखा और पीछे मुड़कर देखती हूं तो एहसास होता है कि वे पल कितने कीमती थे। उनकी आखिरी फिल्मों में से एक मेरे साथ थी, यह सोचकर आज भी मेरे पास शब्द नहीं होते। यह सब किसी सपने जैसा लगता है।'



'बंदिश बैंडिट्स' वाली तमन्ना शर्मा की बड़ी छलांग

'बंदिश बैंडिट्स' के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। खास बात यह है कि उनका यह थिएट्रिकल डेब्यू आयुष्मान खुराना के साथ होगा।

श्रेया और आयुष्मान जल्द ही फिल्म 'मुपापा' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'मुपापा' में श्रेया के किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है। अभिनेत्री को वाईआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। इसे उनके प्रोफेशनल सफर में एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। श्रेया ने अब तक वेब सीरीज और फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही हैं।

इंशाअल्लाह पर फिर शुरू हुआ काम



आलिया भट्ट और निर्देशक संजय लीला भंसाली एक बार फिर साथ काम करने की तैयारी में हैं। दोनों की पुरानी फिल्म 'इंशाअल्लाह' को नए सिरे से बनाने की योजना है। 2019 में सलमान खान के साथ इस फिल्म का ऐलान किया गया था, लेकिन बाद में प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका। अब भंसाली इसकी कहानी और पटकथा में बड़े बदलाव कर इसे नए अंदाज में पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। एक्ट्रेस और डायरेक्टर इससे पहले 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में साथ काम कर चुके हैं।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (गुरुवार) 15 अक्टूबर 2026

सौरभ राजपूत की हत्या कर शव के पांच टुकड़े नीले ड्रम में भरने के मामले में फैसला, सजा सुनते ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर रो पड़े दोनों दोषी

मेरठ हत्याकांड में मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा, पति सौरभ की हत्या को कोर्ट ने बताया नृशंस अपराध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में पति सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में अदालत ने मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल को फांसी की सजा सुनाई है। जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा ने मामले की सुनवाई के बाद दोनों को मृत्युदंड दिया। अदालत ने हत्याकांड को नृशंस बताते हुए कहा कि इस मामले में किसी भी तरह की माफी स्वीकार नहीं की जा सकती। फैसला सुनाए जाने के दौरान जेल में बंद मुस्कान और साहिल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत से जुड़े थे। सजा का ऐलान होते ही दोनों रोने लगे। वहीं, सौरभ के परिवार ने फैसले पर संतोष जताते हुए इसे न्याय की जीत बताया।सौरभ राजपूत की हत्या 3 मार्च 2025 को हुई थी। इस मामले में आरोप था कि मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर पति की हत्या की। इसके बाद शव के पांच टुकड़े कर उन्हें नीले ड्रम में भर दिया गया था। इस सनसनीखेज हत्याकांड के सामने आने के बाद पूरे देश में मामला चर्चा का विषय बना रहा। अदालत के फैसले पर सभी की निगाहें टिकी थीं। फैसला सुनाने से पहले अदालत ने जेल में बंद दोनों दोषियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा। सुनवाई के दौरान जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा ने मुस्कान से पूछा कि वह अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में दोषी है और क्या सजा चाहती है। इस पर मुस्कान ने अपनी बच्चियों का ख्याल रखने की बात कही। इसके बाद वह खामोश हो गई। जब साहिल से यही सवाल पूछा गया तो उसने भी कोई जवाब नहीं दिया। अदालत की ओर से



मृत्युदंड सुनाए जाने के बाद दोनों रोने लगे। न्यायाधीश ने हत्याकांड की गंभीरता का उल्लेख करते हुए इसे नृशंस अपराध बताया। फैसले के बाद अदालत परिसर में मामले को लेकर चर्चा रही। फैसले की जानकारी मिलने के बाद सौरभ राजपूत की मां भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा कि उन्हें शांति से न्याय मिल गया। परिवार लंबे समय से इस मामले में कड़ी सजा की मांग कर रहा था। फैसला आने के बाद सौरभ के भाई बबलू ने भी संतोष जताया। बबलू ने कहा कि परिवार को शुरू से ही उम्मीद थी कि अदालत से न्याय मिलेगा। उनकी मांग थी कि हत्या के दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले से परिवार को राहत मिली है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि परिवार का मुस्कान से कोई संपर्क नहीं है और वे उसे स्वीकार नहीं करना चाहते। बबलू ने यह भी कहा कि यदि आगे की कानूनी प्रक्रिया में परिवार को शामिल होना पड़ा तो वे अपना पक्ष रखेंगे। उन्होंने कहा कि परिवार की मांग शुरू से यही रही है कि जिसने भी गलत किया है, उसे कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए।

मद्रास हाईकोर्ट की तमिलनाडु पुलिस से दोटूक पूछताछ, आरएसएस के रूट मार्च की अनुमति बार-बार क्यों रोकी जाती है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को तमिलनाडु पुलिस से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के रूट मार्च को अनुमति नहीं देने पर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि जब जम्मू-कश्मीर में आरएसएस मार्च निकाल सकता है, तो तमिलनाडु में हर साल इसकी अनुमति देने से क्यों इनकार किया जाता है। न्यायमूर्ति वी. लक्ष्मीनारायणन ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि नागरिकों को दुश्मन की तरह क्यों देखा जा रहा है और विरोध या सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए अनुमति देने से इनकार करने के पीछे क्या आशंका है। अदालत की यह टिप्पणी आरएसएस सदस्य वीजी जगदीशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। याचिकाकर्ता ने 18 अक्टूबर, 25 अक्टूबर, 1 नवंबर या किसी अन्य उपयुक्त तारीख को रूट मार्च निकालने की अनुमति मांगी है। मामले में अदालत ने राज्य सरकार से मार्च पर रोक लगाने के आधार स्पष्ट करने को कहा। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति लक्ष्मीनारायणन ने कहा कि आरएसएस अपना स्थापना दिवस दशहरे के अवसर पर मनाता है और संगठन इस मौके पर रूट मार्च निकालना चाहता है। इसमें गलत क्या है? उन्होंने सवाल किया कि चाहे कोई भी सरकार सत्ता में हो, संगठन को मार्च की अनुमति लेने के लिए अदालत का दरवाजा क्यों खटखटाना पड़ता है। न्यायमूर्ति ने कहा कि सरकार नागरिकों को दुश्मन मानकर व्यवहार कर रही है और सार्वजनिक कार्यक्रमों की अनुमति देने से पीछे हट रही है। उन्होंने पुलिस से पूछा कि आखिर उसे किस बात का डर है। अदालत ने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करने की मांग करने वाले नागरिकों के प्रति राज्य के रवैये पर भी चिंता जताई। राज्य सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल विजय नारायण ने अदालत को बताया कि रूट मार्च की अनुमति देने पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती करनी पड़ेगी।



दुनियाभर में पार किया 500 करोड़ का आंकड़ा, अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अजय देवगन की क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम 3' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनियाभर में 500 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 501.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। दिए गए आंकड़ों के अनुसार, यह अजय देवगन के करियर में बतौर मुख्य अभिनेता 500 करोड़ रुपये के वैश्विक कलेक्शन तक पहुंचने वाली पहली फिल्म बन गई है। फिल्म की कमाई ने इसे वर्ष 2026 की सबसे चर्चित व्यावसायिक सफलताओं में शामिल कर दिया है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने भारत में अब तक 323.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। इसके साथ ही यह वर्ष 2026 में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। फिल्म की कमाई में दूसरे सप्ताह के दौरान भी मजबूती देखने को मिल रही है। फिल्म को दूसरे सप्ताह में किसी बड़ी नई रिलीज की अनुपस्थिति का भी फायदा मिल रहा है।

रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी के शामिल होने की संभावना; मुंबई और दिल्ली में प्रीमियर की भी तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायणः पार्ट 1' की रिलीज को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ रही है। फिल्म 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसी दिन दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राजनीतिक नेताओं के लिए इसकी विशेष स्क्रीनिंग आयोजित किए जाने की संभावना है। मिड-डे की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। हालांकि, इस कार्यक्रम की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के निर्माता इस विशेष स्क्रीनिंग के आयोजन के लिए जरूरी अनुमतियां लेने की कोशिश कर रहे हैं। यदि कार्यक्रम को मंजूरी मिलती है, तो इसमें अभिनेता रणबीर कपूर, यश, साई पल्लवी और निर्देशक नितेश तिवारी शामिल हो सकते हैं। फिल्म की रिलीज के आसपास मुंबई और दिल्ली में भी प्रीमियर आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। फिल्म से जुड़े प्रीमियर कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चाएं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं की योजना मुंबई और दिल्ली में अलग-अलग प्रीमियर आयोजित करने की है। मुंबई में इसके लिए नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र का नाम सामने आया है। हालांकि, इन कार्यक्रमों की तारीखों और आयोजन स्थलों को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। 'रामायणः पार्ट 1' को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है। फिल्म में भारतीय पौराणिक कथा को भव्य दृश्यात्मक प्रस्तुति के साथ पर्दे पर लाने की कोशिश की गई है। इसके कलाकारों और संगीत को लेकर भी दर्शकों के बीच लगातार चर्चा हो रही है।



आईफा के 27 सालः लंदन से शुरू हुआ सफर अब हॉलीवुड तक पहुंचाने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से वर्ष 2000 में लंदन से शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आईफा) आज एक बड़े वैश्विक मंच के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, सलमान खान और ऋतिक रोशन जैसे सितारों की मौजूदगी ने इस आयोजन को खास पहचान दी है। करीब 27 वर्षों के सफर में आईफा ने भारतीय सिनेमा को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाने के साथ संगीत, मनोरंजन और फिल्म उद्योग से जुड़े कई नए प्रयोग भी किए हैं। अबू धाबी में होने वाले आगामी आईफा समारोह में भी कई खास आकर्षण देखने को मिलेंगे। सलमान खान का मल्टी-स्टारर परफॉर्मेंस, जान्हवी कपूर की ओर से अपनी मां और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी को ट्रिब्यूट, डिजिटल मंच पर 'मिर्जापुर' के कलाकारों की मेजबानी और हिमेश रेशमिया की पहली आईफा परफॉर्मेंस इस आयोजन को अलग रंग देंगे। आईफा के सह-संस्थापक आंद्रे टिमिन्स ने एक विशेष बातचीत में आयोजन के शुरुआती दिनों, चुनौतियों, बॉलीवुड सितारों से जुड़े अनुभवों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से बात की। टिमिन्स के मुताबिक, आईफा की शुरुआत से पहले वे आठ-नौ वर्षों तक घरेलू स्तर पर पुरस्कार समारोह आयोजित कर रहे थे। वर्ष 2000 में उन्होंने भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाने का विचार किया। उनके सामने क्रिकेट और सिनेमा जैसे विकल्प थे, लेकिन उन्होंने सिनेमा को चुना। उनका मानना था कि हिंदी फिल्मों का संगीत, भावनाएं और नाटकीयता दुनिया भर के लोगों को जोड़ने की क्षमता रखते हैं। खास तौर पर विदेशों में रहने वाली भारतीय मूल की दूसरी और तीसरी पीढ़ी को अपनी संस्कृति और सिनेमा से जोड़ना इस पहल का महत्वपूर्ण उद्देश्य था। वे भारतीय सिनेमा को वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करना चाहते थे। हालांकि, शुरुआत में उन्होंने यह नहीं सोचा था कि यह सफर लगभग तीन दशक तक जारी रहेगा। लंदन में पहला आयोजन करने के बाद आईफा के सामने सबसे बड़ी चुनौती इसे लगातार आगे बढ़ाने की थी। टिमिन्स के अनुसार, किसी बड़े आयोजन को लंबे समय तक चलाने के लिए जुनून के साथ मजबूत व्यावसायिक मॉडल भी जरूरी होता है।

पंजाब में नशा विरोधी कार्यकर्ता झोटा की हत्या से उबाल, आरोपी के घर और मेडिकल स्टोर पर चला बुलडोजर

राजस्थान के सालासर से केमिस्ट अश्विनी कुमार गिरफ्तार, परिजन सीबीआई जांच और मुख्यमंत्री व डीजीपी के इस्तीफे की मांग पर अड़े;



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मानसा। पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता परमिंदर सिंह झोटा (45) की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी केमिस्ट अश्विनी कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी को राजस्थान के सालासर से पकड़ा गया। झोटा की हत्या के बाद मानसा में तनाव का माहौल है। घटना से नाराज सिख संगठनों ने बाजार बंद कराए, वहीं मृतक के परिजन आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मामले की सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हुए हैं। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को फेसबुक लाइव के दौरान अश्विनी कुमार ने कथित तौर पर झोटा को तीन गोलियां मारी थीं। घटना के बाद पुलिस ने मृतक के पिता भीम सिंह के बयान के आधार पर अश्विनी कुमार और अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में हत्या के करीब 28 घंटे बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वीडियो जारी कर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

आरोपी के घर और मेडिकल स्टोर पर बुलडोजर कार्रवाई

हत्या की घटना के बाद मानसा प्रशासन ने पुलिस बल की निगरानी में आरोपी अश्विनी कुमार के घर को बुलडोजर से गिरा दिया। उसके मेडिकल स्टोर को भी तोड़ा गया। इस दौरान मेडिकल स्टोर में तोड़फोड़ और आगजनी की घटना भी सामने आई। झोटा की हत्या को लेकर लोगों में आक्रोश है और सिख संगठन आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। परिवार ने अंतिम संस्कार से किया इनकार मृतक के परिजन मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के इस्तीफे की मांग भी उठाई है। परिजन अपनी मांगें पूरी होने तक अंतिम संस्कार नहीं करने पर अड़े हुए हैं। हत्या के विरोध में सिख संगठनों ने मानसा में बाजार बंद कराए, जिससे शहर में जनजीवन प्रभावित हुआ। मामले का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी संज्ञान लिया है। आयोग ने पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से रिपोर्ट मांगी है। हत्या के बाद कानून-व्यवस्था और नशे के कारोबार को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने 15 अक्टूबर को प्रस्तावित पंजाब बंद का समर्थन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में ड्रग माफिया का राज चल रहा है और मुख्यमंत्री राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहे हैं। बादल ने मुख्यमंत्री से जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल परमिंदर सिंह झोटा के परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। पार्टी ने मृतक के पिता की ओर से बंद के आह्वान का समर्थन करते हुए नशे की समस्या से प्रभावित पंजाब के लोगों के प्रति एकजुटता जताई।

भाजपा के वरिष्ठ नेता गौतम की नियुक्ति को बताया गौरवपूर्ण अवसर, सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव और जनसेवा के योगदान को किया रेखांकित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दुष्यंत कुमार गौतम को सिक्किम राज्य का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर प्रो. मनोज कुमार कैन ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि दुष्यंत कुमार गौतम का राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर नियुक्त होना उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठन के प्रति समर्पण और सार्वजनिक जीवन में किए गए कार्यों का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने विश्वास जताया कि गौतम अपने अनुभव, कार्यकुशलता और जनसेवा की भावना के साथ संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा सिक्किम के विकास और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रो. मनोज कुमार कैन ने कहा कि दुष्यंत कुमार गौतम भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने संगठन में विभिन्न पदों पर रहते हुए लंबे समय तक अपनी सेवाएं दी हैं। बूथ स्तर से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले गौतम ने अपनी संगठनात्मक सक्रियता और निरंतर कार्यशैली के माध्यम से राजनीति में पहचान बनाई। पार्टी के अलग-अलग दायित्वों को निभाते हुए उन्होंने संगठन को मजबूत करने और विभिन्न सामाजिक मुद्दों को उठाने में अपनी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि दुष्यंत कुमार गौतम का राजनीतिक सफर जमीनी स्तर से शुरू होकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा है। उन्होंने अनुसूचित जाति वर्ग सहित समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक और सामाजिक मंचों पर उठाया है। गौतम लंबे समय से दलित, शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों तथा उनकी समस्याओं को लेकर सक्रिय रहे हैं। सामाजिक सरोकारों से जुड़ाव और संगठनात्मक अनुभव उनके सार्वजनिक जीवन के प्रमुख पहलुओं में शामिल रहे हैं। 29 दिसंबर 1957 को दिल्ली के मलका गंज में जन्मे दुष्यंत कुमार गौतम ने अपने राजनीतिक जीवन में अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। वह भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय महामंत्री जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा उन्हें उत्तराखंड और पंजाब में चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने संगठन में अपनी सेवाएं दीं। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, राज्यसभा सांसद और निगम पार्षद के रूप में उनका अनुभव उनके राजनीतिक सफर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। प्रो. मनोज कुमार कैन ने कहा कि किसी भी संवैधानिक पद पर नियुक्ति के साथ जनहित, निष्पक्षता और जिम्मेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राज्यपाल का पद राज्य के संवैधानिक ढांचे में अहम स्थान रखता है। ऐसे में दुष्यंत कुमार गौतम का संगठनात्मक और प्रशासनिक अनुभव इस जिम्मेदारी के निर्वहन में उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गौतम संविधान की मर्यादाओं का पालन करते हुए सिक्किम के नागरिकों के हितों और राज्य की प्रगति से जुड़े विषयों पर सकारात्मक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दुष्यंत कुमार गौतम ने अपने सार्वजनिक जीवन में राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से भी कार्य किया है। विभिन्न संस्थाओं में पदाधिकारी के रूप में सेवाएं देते हुए



उन्होंने सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी निभाई। बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय राजनीति तक का उनका सफर उन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक है, जो संगठन के माध्यम से सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं। प्रो. मनोज कुमार कैन ने दुष्यंत कुमार गौतम को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि गौतम सिक्किम के संवैधानिक प्रमुख के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगे और राज्य के विकास, सामाजिक समरसता तथा जनकल्याण से जुड़े प्रयासों को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे।

नेशनल हाईवे पर सफर करने वालों के लिए राहत, 3,075 रुपये में सालभर का टोल पास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नेशनल हाईवे पर अक्सर कार से सफर करने वालों के लिए फास्टैग एनुअल पास टोल टैक्स का खर्च कम करने का विकल्प है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की इस सुविधा के तहत 3,075 रुपये का एकमुश्त भुगतान करके एक साल में अधिकतम 200 बार टोल पार किया जा सकता है। हालांकि, यह सुविधा तय सड़कों और टोल प्लाजा पर ही लागू होती है। यह पास उन लोगों के लिए खास उपयोगी हो सकता है, जो नियमित रूप से नौकरी, कारोबार या अन्य कामों के सिलसिले में नेशनल हाईवे पर यात्रा करते हैं। सामान्य फास्टैग की तरह हर बार टोल पार करने पर वॉलेट से अलग-अलग राशि कटने के बजाय, पात्र टोल प्लाजा पर पास की निर्धारित यात्राओं में से एक यात्रा कम हो जाती है। फास्टैग एनुअल पास देशभर के नेशनल हाईवे और नेशनल एक्सप्रेसवे पर बने 1,150 से अधिक टोल प्लाजा पर इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, यह राज्य सरकारों के अधीन आने वाले स्टेट हाईवे और शहरों के भीतर स्थित टोल सड़कों पर लागू नहीं होता। स्टेट हाईवे, नगर निगम की सड़कों या अन्य ऐसे टोल बूथों से गुजरने पर वाहन चालक के सामान्य फास्टैग वॉलेट से पहले की तरह टोल शुल्क कट सकता है। इसलिए पास लेने से पहले अपने नियमित यात्रा मार्ग पर आने वाले टोल प्लाजा की पात्रता की जानकारी लेना जरूरी है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए कार पर अलग से नया फास्टैग लगाने की जरूरत नहीं होती। वाहन में पहले से लगे पात्र फास्टैग के साथ ही एनुअल पास को सक्रिय किया जाता है। जब वाहन पात्र टोल प्लाजा पर पहुंचता है, तो वहां लगा स्कैनर फास्टैग को पढ़ता है। इसके बाद पास के तहत यात्रा दर्ज होती है और निर्धारित सीमा में से एक यात्रा कम हो जाती है। पात्र टोल पर इस प्रक्रिया के दौरान सामान्य टोल शुल्क की तरह वॉलेट से अलग राशि नहीं काटी जाती।



OpenAI के ऑफिस में जासूसी की कोशिश, कर्मचारी गिरफ्तार; टीवी के पीछे छिपाया था रिकॉर्डिंग डिवाइस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिकी एआई कंपनी ओपनएआई के सैन फ्रांसिस्को स्थित कार्यालय में कथित तौर पर जासूसी की कोशिश के मामले में एफबीआई ने कंपनी के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 35 वर्षीय सऊदी नागरिक अब्दुलरहमान अलफोजान के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने कंपनी के एक कॉन्फ्रेंस रूम में टीवी के पीछे रिकॉर्डिंग डिवाइस छिपाकर लगाया था। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर उसे 9 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। कंपनी के अनुसार, 28 सितंबर को कॉन्फ्रेंस रूम में टीवी के यूएसबी पोर्ट के पास रिकॉर्डिंग डिवाइस लगाया गया था। उसे छिपाने के लिए टॉयलेट पेपर का इस्तेमाल किया गया था। दो दिन बाद सुरक्षा जांच के दौरान कर्मचारियों को यह उपकरण मिला। डिवाइस में माइक्रोफोन, कैमरा सेंसर और डेटा सुरक्षित रखने के लिए माइक्रो एसडी कार्ड मौजूद था। रिकॉर्डिंग एन्क्रिप्टेड होने के कारण उसकी सामग्री को सुना नहीं जा सका। एफबीआई अधिकारियों के आरोपों के मुताबिक, अलफोजान ने रिकॉर्डिंग डिवाइस लगाने से पहले इसकी तैयारी की थी। उसने कंपनी के मीटिंग रूम, अधिकारियों के आने-जाने के समय और अन्य कंपनियों के साथ होने वाली बैठकों से जुड़ी जानकारी जुटाई थी।



सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजे गए; राहुल गांधी ने कहा- शांतिपूर्ण विरोध में तिरंगा लहराना जुर्म नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने 16 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। बुधवार को जारी वीडियो संदेश में उन्होंने लोगों से शाम पांच बजे तिरंगा लेकर कनॉट प्लेस पहुंचने की अपील की। दीपके ने कहा कि उन्हें भी जेल में डाला जा सकता है, लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली की विशेष अदालत ने पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया है। दीपके बुधवार दोपहर दिल्ली पहुंचे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय वहां मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें घेरकर सवाल किए। एक यात्री ने उनसे कहा, 'क्यों देश को खराब कर रहा भाई।' इस पर दीपके ने कोई जवाब नहीं दिया और केवल अंगूठा दिखाकर वहां से चले गए। वीडियो संदेश में दीपके ने कहा कि यदि सरकार देश में आपातकाल लगाना चाहती है, तो उसे आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य को हिरासत में रखा गया तथा उन्हें वकीलों से मिलने तक नहीं दिया गया। दीपके ने सवाल उठाया कि आखिर उनका अपराध क्या है। सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास को मंगलवार सुबह जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। इसके बाद दिल्ली की विशेष अदालत ने दोनों को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजने का आदेश दिया। इस कार्रवाई के बाद पार्टी की ओर से विरोध तेज करने के संकेत दिए गए हैं। सीजेपी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान किया था। पुलिस ने पार्टी के



संस्थापक अभिजीत दीपके और प्रवक्ताओं सौरव दास व आशुतोष रांका को हिरासत में लिया था। 11 अक्टूबर को तीनों को दिल्ली कैंट की विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। इसके बाद उन्हें 50-50 हजार रुपये के जमानती मुचलके पर रिहा कर दिया गया था। रिहाई की शर्तों के तहत एक वर्ष तक शांति बनाए रखने और ऐसा कोई काम नहीं करने का बंधपत्र देने की बात सामने आई थी, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो। सीजेपी नेताओं की हिरासत और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध के दौरान तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है। ऐसा करने पर युवाओं को जेल भेजना कायरता है। राहुल गांधी ने कहा कि विद्यार्थी, युवा, पत्रकार और इंडिया गठबंधन के लोग अलग-अलग मंचों से एक उद्देश्य के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने जंतर-मंतर को जनता का स्थान बताते हुए कहा कि इसे वापस लिया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना की। उन्होंने एसआईआर से जुड़े मामले में कथित तौर पर 13.3 करोड़ भारतीयों को घुसपैठिया घोषित किए जाने के संदर्भ में सवाल उठाए। उन्होंने जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाए जाने पर भी आपत्ति जताई।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.